{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
रविवार 08 नवम्बर 2026
कार्तिक कृष्ण 13 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 17, अंक 48
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com



खास खबर

अमिताभ बच्चन की बिगड़ी तबीयत

मुंबई। बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन की तबीयत खराब होने के कारण लोकप्रिय रियलिटी शो कौन बनेगा करोड़पति-18 की शूटिंग फिलहाल रोक दी गई है। बताया जा रहा है कि मौसम में बदलाव के चलते उन्हें खांसना फ्लू और हल्का बुखार हुआ था। ऐसे में शो की टीम ने उन्हें आराम करने का समय दिया है।

शुभकामनाएं

सम्मानीय जिलेवासियों, बालाघाट एक्सप्रेस के सुधि पाठकों, विज्ञापनदाताओं, अभिकर्ताओं एवं शुभचिंतकों को सुख समृद्धि का पावन पर्व दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं !

-संपादक

अवकाश सूचना

बालाघाट एक्सप्रेस के सुधि पाठकों को सूचित किया जाता है कि दीपावली पर्व के अवसर पर 08, 09 नवंबर 2026 को कार्यालय में अवकाश रहेगा।

अतः अगला अंक 11 नवंबर 2026 को प्रकाशित एवं प्रसारित होगा।

-संपादक

कुछ ना कहना



आपातकाल पर सोनिया ने किया इंदिरा गांधी का बचाव, कहा...

सब सांविधानिक रूप से किया गया

नई दिल्ली। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने सत्तारूढ़ भाजपा पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया है कि पिछले 12 वर्षों में देश के लोकतंत्र और संस्थाओं को गंभीर नुकसान पहुंचा है। इसके साथ ही सोनिया गांधी ने आपातकाल को लेकर भी अपनी राय रखी। एक इंटरव्यू में सोनिया गांधी ने कहा कि इमरजेंसी के बाद ही मुझे पता चला कि उस दौरान वास्तव में क्या हो रहा था और हालात कितने गंभीर थे। हां, लोकतांत्रिक अधिकारों पर रोक लगाई गई थी और बंदी प्रत्यक्षीकरण (हैबियस कॉर्पस) के अधिकार को भी निलंबित कर दिया गया था, लेकिन यह सब सांविधानिक तरीके से किया गया था।

सोनिया गांधी ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में हमारे देश की बुनियाद, हमारे लोकतंत्र और हमारी संस्थाओं को भारी नुकसान पहुंचाया गया है। उन्होंने कहा कि अब लोग इस नुकसान को समझने लगे हैं। सोनिया ने भरोसा जताया कि देश के मतदाता लोकतांत्रिक व्यवस्था को फिर से मजबूत करने और बेहतर शासन की वापसी का समर्थन करेंगे। उन्होंने कहा कि 7इस सरकार के जाने के बाद भी हमारी व्यवस्थाओं को फिर से सही स्थिति में लाने में समय लगेगा। इसके लिए राजनीतिक दलों को काफी प्रयास करने होंगे। लोग अब



बेचैन होने लगे हैं और उन्हें हो रहे नुकसान का एहसास हो रहा है। लेकिन मैं आशावादी हूं और मुझे विश्वास है कि भारत के लोग बेहतर शासन व्यवस्था की वापसी का स्वागत करेंगे। साल 1975 में देश में लगे आपातकाल के बारे में अपनी राय रखते हुए सोनिया गांधी ने कहा कि उस दौरान 21 महीनों तक लोकतांत्रिक अधिकार सीमित कर दिए गए थे। हालांकि, उन्होंने कहा कि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने बाद में हालात को समझा और मार्च 1977 में आम चुनाव कराने का फैसला किया। सोनिया गांधी ने कहा कि इमरजेंसी के बाद ही मुझे पता चला कि उस दौरान वास्तव में क्या हो रहा था और हालात कितने गंभीर थे। हां, लोकतांत्रिक अधिकारों पर रोक लगाई गई थी और बंदी प्रत्यक्षीकरण (हैबियस कॉर्पस) के अधिकार को भी निलंबित कर दिया गया था, लेकिन यह सब सांविधानिक तरीके से किया गया था।

सशस्त्र बलों से की गई थी आदेशों की अवहेलना करने की अपील

उन्होंने उस समय के हालात का जिक्र करते हुए कहा कि इंदिरा गांधी तेजी से बिगड़ती परिस्थितियों से निपटने की कोशिश कर रही थीं। सोनिया के मुताबिक, उस समय हिंसक प्रदर्शन हो रहे थे, सरकारी कार्यालयों और सार्वजनिक परिवहन को आग के हवाले किया जा रहा था। बड़े पैमाने पर संगठित अशांति फैली हुई थी। यहां तक कि नौकरशाही और सशस्त्र बलों से सरकारी आदेशों की अवहेलना करने की अपील भी की गई थी। उन्होंने कहा कि इमरजेंसी लगाने के फैसले का समाधान आखिरकार लोकतांत्रिक तरीके से ही निकाला गया। सोनिया गांधी ने कहा कि आज पीछे मुड़कर देखने पर हम उन घटनाओं को बेहतर नजरिये से समझ सकते हैं। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि खुद इंदिरा गांधी ने हालात को समझा और मार्च 1977 में चुनाव कराने का फैसला किया। आप अच्छी तरह जानते हैं कि उन्होंने बाद में सार्वजनिक रूप से इमरजेंसी के दौरान हुई ज्यादतियों पर खेद जताया और माफी भी मांगी थी।





जंगली सूअर के शिकार के लिए बिछाया बिजली का करंट, फसा बाघ हुई मौत

करंट लगने से नर बाघ ने तोड़ा दम, बैहर के खुरमुंडी के जंगल का मामला, दो संदिग्ध गिरफ्तार, अन्य की तलाश जारी

पदमेश न्यूज। बालाघाट। जिले में वन्य प्राणियों की मौत का सिलसिला बदस्तूर जारी है। जहां कभी शिकार तो कभी अन्य कारणों के चलते वन्य प्राणियों की मौत के मामले आए दिनों सामने आ रहे है लगातार वन्य प्राणियों की हो रही इन मौत के बीच वन्य कर्मियों ने बैहर के खुरमुंडी जंगल मे एक बाघ का शव बरामद किया गया है जिसका विद्युत करंट लगाकर शिकार किए जाने की आशंका जताई गई है। आपको बताएं कि यह कोई पहला मामला नहीं है जब बैहर के जंगल क्षेत्र में बाघ की मौत हुई हो बल्कि इसके पूर्व भी बाघ की मौत के मामले लगातार सामने आते रहे हैं।इस बीच जंगली सुवर के शिकार के लिए बिछाए करंट से एक और बाघ की मौत हो जाना विभाग के लिए काफी चिंताजनक माना जा रहा है।बहरहाल विभागीय टीम द्वारा मृत बाघ के अवशेषों को जांच के लिए लैब पहुचाकर, विधि विधान के अनुसार बाघ को शव को जलाकर नष्ट किया गयाबही वरिष्ठ अधिकारियों की प्रमुख उपस्थित में मृत बाघ के शव को नष्ट करने की कार्यवाही की गई।ज्ञात रहम विभाग अधिकारियों ने अपना खुफिया तंत्र मजबूत मामले की हर एंगल से जांच शुरू कर दी है

करंट लगाकर शिकारियों ने ली बाघ की जान

जंगल में जंगली जानवरों के शिकार के लिए बिछाया जाने वाला बिजली का जाल अब वन्यजीवों के लिए जानलेवा साबित हो रहा है। शिकारियों की इसी घातक करतूत ने एक नर बाघ की जान ले ली। परसवाड़ा क्षेत्र के वन परिक्षेत्र पूर्व बैहर अंतर्गत ग्राम खुरमुंडी के जंगल में विद्युत करंट की चपेट में आने से एक नर बाघ की दर्दनाक मौत हो गई। प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई है कि जंगल में जंगली सूअर का शिकार करने के उद्देश्य से विद्युत तार बिछाया गया था। इसी तार में प्रवाहित करंट की चपेट में आने से बाघ की मौत हो गई। घटना ने एक बार फिर जंगलों में अवैध शिकार और वन्यजीवों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

विभाग ने 2 संदिग्ध को किया गिरफ्तार, अन्य की जारी है तलाश

उधर मामले की सूचना मिलते ही वन विभाग का अमला सक्रिय हुआ और वरिष्ठ अधिकारियों ने घटनास्थल पर पहुंचकर जांच शुरू की। डॉग स्क्वायड की मदद से सर्च ऑपरेशन चलाकर महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाए गए। वहीं वन विभाग की टीम ने कार्रवाई करते हुए ग्राम खुरमुंडी के खरकाटोला निवासी दलू (45) और लोखराम (45) को हिरासत में लिया है। दोनों पर जंगली जानवरों के शिकार के लिए बिजली का करंट बिछाने का संदेह है। वन विभाग अब इस पूरे मामले की कड़ियां जोड़ते हुए अन्य संभावित आरोपियों की भूमिका की भी जांच कर रहा है।

जंगल में बिछाया था मौत का जाल, बाघ बना शिकार

प्राप्त जानकारी के अनुसार वन परिक्षेत्र पूर्व बैहर के अंतर्गत ग्राम खुरमुंडी के कक्ष क्रमांक 1582 में वन सीमा के भीतर शुक्रवार और शनिवार की दरमियानी रात अज्ञात लोगों द्वारा जंगली सुअरों का शिकार करने के उद्देश्य से विद्युत तार बिछाया गया था। शिकारियों ने



जंगल में वन्यजीवों को फंसाने के लिए बिजली का करंट प्रवाहित कर रखा था। इसी दौरान जंगल में विचरण कर रहा एक नर बाघ उस विद्युत तार की चपेट में आ गया। करंट इतना घातक था कि बाघ को संभलने का मौका तक नहीं मिला और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। जिस जाल को जंगली सुअरों के शिकार के लिए बिछाया गया था, उसी ने जंगल के एक महत्वपूर्ण वन्यजीव की जान ले ली।

सुबह गश्ती दल को मिली घटना की जानकारी, वरिष्ठ अधिकारियों में मचा हड़कंप

शनिवार सुबह वन विभाग का गश्ती दल नियमित भ्रमण के दौरान जंगल पहुंचा, जहां नर बाघ का शव मिलने से वन अमले में हड़कंप मच गया। गश्ती दल ने तत्काल इसकी सूचना वरिष्ठ अधिकारियों को दी। सूचना मिलते ही वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी मौके पर पहुंचे तथा घटनास्थल का निरीक्षण किया। प्रारंभिक तौर पर बाघ की मौत विद्युत करंट से होने की आशंका सामने आने के बाद विभाग ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच की दिशा में कार्रवाई शुरू की। घटनास्थल की स्थिति और आसपास मौजूद साक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए शिकारियों तक पहुंचने के प्रयास किए गए।

डॉग स्क्वायड ने जंगल में चलाया सर्च ऑपरेशन

घटना की गंभीरता को देखते हुए वन विभाग द्वारा घटनास्थल पर डॉग स्क्वायड की टीम भी बुलाई गई। टीम ने जंगल में सर्च ऑपरेशन चलाकर घटनास्थल और आसपास के क्षेत्र में सुराग तलाशे। जांच के दौरान मिले साक्ष्यों और अन्य जानकारियों के आधार पर वन विभाग की टीम ने ग्राम खुरमुंडी के खरकाटोला निवासी दलू (45) एवं लोखराम (45) को पकड़कर अपने कब्जे में लिया है। दोनों से पूछताछ की जा रही है। वन विभाग को आशंका है कि जंगली जानवरों का शिकार करने के इरादे से जंगल में विद्युत करंट का जाल बिछाया गया था। हालांकि मामले में अन्य लोगों की संलिप्तता से भी इनकार नहीं किया जा रहा है। विभाग की टीम संभावित आरोपियों और अवैध शिकार में शामिल लोगों के संबंध में जानकारी जुटा रही है। जांच के बाद ही पूरे घटनाक्रम और इसमें शामिल लोगों की भूमिका स्पष्ट हो सकेगी।

पोस्टमार्टम के बाद किया गया अंतिम संस्कार

नर बाघ की मौत के बाद नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की गई। घटनास्थल पर पशु चिकित्सकों की टीम को बुलाया गया, जिनकी मौजूदगी में मृत बाघ का पोस्टमार्टम कराया गया। पोस्टमार्टम और आवश्यक पंचनामा कार्रवाई पूरी करने के बाद वन विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति में मृत बाघ का अंतिम संस्कार किया गया। फिलहाल मृत नर बाघ की उम्र को लेकर विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है। विभाग द्वारा घटना से संबंधित सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

करंट बिछाना गंभीर अपराध, वन्यजीवों की करे सुरक्षा-धुर्वे

इस घटना को लेकर डीएफओ रेशम सिंह धुर्वे ने आमजन से अपील की है कि वन्य प्राणियों के शिकार के लिए जंगलों में विद्युत करंट बिछाना गंभीर अपराध है। इस प्रकार की गतिविधियां न केवल वन्यजीवों की जान के लिए खतरा हैं, बल्कि जंगल के पारिस्थितिक संतुलन को भी नुकसान पहुंचाती हैं। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि जंगली जानवरों का शिकार करने के उद्देश्य से बिजली के तार या करंट का उपयोग बिल्कुल न करें। वन्यजीवों की सुरक्षा करना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि इस तरह की अवैध गतिविधियों को अंजाम देने से वन्यजीव बेवजह मारे जाते हैं। इसलिए आमजन वन विभाग का सहयोग करें और जंगल में किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तत्काल विभाग को दें, ताकि वन्यजीवों को सुरक्षित रखा जा सके।

इन अधिकारियों की रही मौजूदगी

घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर सीसीएफ गौरव चौधरी, डीएफओ रेशम सिंह धुर्वे, एसडीओ विनीत फूलबेले, परिक्षेत्र अधिकारी दीपक चौधरी एवं परिक्षेत्र अधिकारी नर्मदा प्रसाद भलावी सहित पूर्व बैहर एवं पश्चिम बैहर वन मंडल के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। अधिकारियों की मौजूदगी में घटनास्थल का निरीक्षण, साक्ष्य संकलन और आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की गई। वन विभाग द्वारा मामले की विस्तृत जांच जारी है।

दीपोत्सव की जगमगाहट से रोशन हुआ शहर आज घर-घर मां लक्ष्मी की होंगी पूजा

लक्ष्मी पूजन की तैयारियां पूरी, धनतेरस के बाद दीपावली की खरीदारी के लिए बाजारों में उमड़ा जनसैलाब, देर रात तक गुलजार रहे बाजार, रंग-बिरंगी रोशनी से सजे घर और प्रतिष्ठान





पदमेश न्यूज। बालाघाट। पांच दिवसीय दीपोत्सव पर्व की रौनक अब अपने पूरे शबाब पर पहुंच गई है। धनतेरस से शुरू हुए दीपावली के उल्लास के बीच आज रविवार को जिलेभर में परंपरागत श्रद्धा, आस्था और हर्षोल्लास के साथ लक्ष्मी पूजन एवं दीपोत्सव मनाया जाएगा। पर्व को लेकर जिला मुख्यालय सहित जिले के नगरीय क्षेत्रों और ग्रामीण अंचलों में तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। शहर की गलियां, प्रमुख बाजार, चौक-चौराहे और व्यापारिक प्रतिष्ठान रंग-बिरंगी विद्युत झालरों की रोशनी से जगमगा उठे हैं। घरों में साफ-सफाई, रंग-रोगन और सजावट का काम पूरा कर लिया गया है। वहीं शनिवार को दीपावली की खरीदारी के लिए बाजारों में लोगों की भारी भीड़ उमड़ी। सुबह से देर रात तक बाजारों में ग्राहकों की आवाजाही बनी रही। किसी ने मां लक्ष्मी और भगवान गणेश की प्रतिमाएं खरीदीं तो किसी ने मिट्टी के दीपक, पूजन सामग्री, मिठाइयां, कपड़े, सजावटी सामान और विद्युत झालरों की खरीदारी की। खास बात यह रही कि दीपावली की खुशियों को यादगार बनाने के लिए बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक में खासा उत्साह दिखाई दिया। आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में लोग बालाघाट पहुंचे और परिवार के साथ पर्व की जरूरतों की खरीदारी की।

माँ लक्ष्मी के स्वागत के लिए तैयार हुआ शहर

दीपावली के अवसर पर घर-घर मां लक्ष्मी के आगमन की तैयारियां की गई हैं। लोगों ने अपने घरों और प्रतिष्ठानों की साफ-सफाई के साथ रंग-रोगन कर आकर्षक सजावट की है। कहीं रंग-बिरंगी विद्युत झालरों से घरों को सजाया गया है तो कहीं मुख्य द्वार पर फूलों की मालाएं और आकर्षक रंगोली द्वार बनाए गए हैं। घरों के आंगन में सुंदर रंगोली सजाने की तैयारियां भी दिनभर चलती रहीं। वहीं व्यापारिक प्रतिष्ठानों में भी विशेष साफ-सफाई और साज-सज्जा की गई है। दुकानदारों ने अपनी दुकानों को आकर्षक लाइटिंग से सजाया है। मान्यता के अनुसार दीपावली की रात्रि मां लक्ष्मी और भगवान गणेश का विधि-विधान से पूजन कर सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की जाती है। इसी आस्था के चलते बाजारों में लक्ष्मी-गणेश की मूर्तियों, तस्वीरों, पूजन थालियों, दीपकों, बाती, तेल, घी, अगरबत्ती, धूप, फूल-माला और अन्य पूजन सामग्री की जमकर बिक्री हुई। मिट्टी के पारंपरिक दीपकों के साथ सजावटी दीये और आकर्षक पूजा सामग्री भी लोगों की पसंद बने रहे।

कपड़ा और इलेक्ट्रॉनिक बाजार में दिखा दीपावली का उत्साह

दीपावली के अवसर पर कपड़ा और इलेक्ट्रॉनिक बाजार में भी अच्छी रौनक देखने को मिली। हर वर्ष की तरह इस बार भी नए कपड़े खरीदने का उत्साह लोगों में दिखाई दिया। शनिवार को कपड़ा दुकानों में ग्राहकों की भीड़ लगी रही। स्थानीय नागरिकों के साथ आसपास के ग्रामीण अंचलों से आए लोगों ने अपने परिवार के सदस्यों के लिए कपड़े, साड़ी, बच्चों के परिधान और अन्य वस्त्रों की खरीदारी की। दुकानदारों के अनुसार दीपावली के चलते कपड़ा कारोबार में अच्छी ग्राहकी रही। वहीं इलेक्ट्रॉनिक दुकानों में भी सजावटी लाइटिंग और विद्युत उपकरणों की मांग बनी रही। बाजार में चाइनीज सीरीज की तर्ज पर विभिन्न प्रकार की एलईडी लाइटें, रंग-बिरंगी झालरें, बल्ब, लेजर लाइट और अन्य आकर्षक सजावटी सामग्री उपलब्ध रही। लोगों ने घरों, दुकानों और प्रतिष्ठानों को रोशन करने के लिए अपनी पसंद के अनुसार लाइटिंग खरीदी। दीपावली के अवसर पर घरों को आकर्षक रूप देने के लिए आधुनिक सजावटी विद्युत सामग्री की मांग भी देखी गई।

मिठाई और पूजन सामग्री की दुकानों पर भी रही भीड़

दीपावली पर मिठाइयों का विशेष महत्व होने के कारण मिठाई दुकानों में भी ग्राहकों की आवाजाही बनी रही। पर्व की खुशियां बांटने और रिश्तेदारों, मित्रों तथा परिचितों को मिठाई भेंट करने के लिए लोगों ने विभिन्न प्रकार की मिठाइयां खरीदीं। बाजारों में मिठाई, नमकीन, ड्राई फ्रूट्स और अन्य खाद्य सामग्री की दुकानों पर भी अच्छी ग्राहकी रही। वहीं पूजन सामग्री की दुकानों पर सुबह से ही भीड़ देखी गई। मिट्टी के दीपक, लक्ष्मी-गणेश की प्रतिमाएं, कलश, नारियल, बताशे, खिलौने और सजावटी पूजन सामग्री की खरीदारी के लिए लोग पहुंचते रहे। दीपोत्सव को लेकर बाजार में हर तरफ उत्साह और उमंग का माहौल बना रहा।

महंगे हुए पटाखे, कीमतों में 10 से 15 प्रतिशत की वृद्धि से कारोबार पर असर

दीपावली पर आतिशबाजी को लेकर बच्चों और युवाओं में खासा उत्साह रहता है, लेकिन इस बार पटाखों की कीमतों में बढ़ोतरी का असर कारोबार पर दिखाई दे रहा है। शहर के उत्कृष्ट विद्यालय के समीप स्थित स्कूल मैदान में धनतेरस से पटाखों की दुकानें सज गई हैं। इसके अलावा शहर के अन्य निर्धारित क्षेत्रों में भी पटाखों की दुकानें लगाई गई हैं। दुकानों पर पारंपरिक पटाखों के साथ इस वर्ष कई प्रकार के फैंसी आइटम भी बिक्री के लिए उपलब्ध हैं। इनमें पैराशूट बम, फ्लावर, फूलझड़ी सहित आकर्षक आतिशबाजी के विभिन्न आइटम शामिल हैं। हालांकि दुकानदारों के मुताबिक गत वर्ष की तुलना में इस वर्ष पटाखों के दामों में लगभग 10 से 15 प्रतिशत तक वृद्धि हुई है। महंगाई के चलते लोग पटाखों की खरीदारी में अपेक्षाकृत सावधानी बरत रहे हैं। यही वजह है कि अन्य व्यापारिक गतिविधियों की तुलना में पटाखा कारोबार में इस बार सामान्य स्थिति दिखाई दे रही है। जहां कपड़ा, इलेक्ट्रॉनिक, मिठाई और पूजन सामग्री के बाजार में अच्छी ग्राहकी रही, वहीं पटाखों की दुकानों पर अपेक्षाकृत सीमित खरीदारी देखने को मिली।

मप्र पुलिस के 7500 पदों के लिए 7.54 लाख युवा मैदान में

भोपाल। कभी इंजीनियरिंग और पीएचडी जैसी डिग्रियां हासिल करने के बाद युवा बड़ी कंपनियों, शोध संस्थानों और अफसरशाही में भविष्य तलाशते थे, लेकिन रोजगार के बदलते हालात ने नौकरी की प्राथमिकताएं बदल दी हैं। अब इंजीनियरिंग और पीएचडी करने वाले युवा भी पुलिस आरक्षक बनने की कतार में खड़े हैं। मध्यप्रदेश पुलिस की आरक्षक भर्ती के आंकड़े इस बदलती तस्वीर को सामने ला रहे हैं। 7,500 पदों के लिए 7.54 लाख आवेदन मिले हैं। इनमें करीब 10 हजार इंजीनियर और 28 पीएचडी धारक भी शामिल हैं। आरक्षक पद के लिए निर्धारित न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता के मुकाबले आवेदन करने वालों की शैक्षणिक पृष्ठभूमि काफी आगे है। भर्ती में 9,933 बीई डिग्रीधारकों ने आवेदन किया है। वहीं 28 ऐसे अभ्यर्थी भी हैं, जिन्होंने पीएचडी तक की पढ़ाई की है। यह आंकड़ा बताता है कि रोजगार की तलाश में युवा अब पद की शैक्षणिक पात्रता से ज्यादा नौकरी की स्थिरता को महत्व दे रहे हैं। निजी क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा, नौकरी की अनिश्चितता और भविष्य की सुरक्षा जैसे कारणों से सरकारी सेवा का आकर्षण बना हुआ है। यही वजह है कि उच्च शिक्षा हासिल करने के बाद भी युवा आरक्षक जैसे पद के लिए परीक्षा देने को तैयार हैं। भर्ती के आंकड़ों के मुताबिक, 7,500 पदों के लिए 7.54 लाख आवेदन आए हैं। इस हिसाब से प्रत्येक पद पर औसतन 100 अभ्यर्थियों के बीच मुकाबला होगा। चयन की राह आसान नहीं है। लिखित परीक्षा से लेकर आगे की चयन प्रक्रिया तक अभ्यर्थियों को कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ेगा।

आम सूचना

मैं अपनी पक्षकार श्री रतनलाल पिता श्री बकाराम जाति गौंड निवासी वार्ड नं. १३ बूढ़ी बालाघाट तहसील व जिला बालाघाट की ओर से अधिकृत होकर और उनके निर्देशानुसार आप आम जनता को सूचित करता हूं कि मेरे पक्षकार के द्वारा अपने एकमेव स्वामित्व व आधिपत्य की मौजा ग्राम वारा, प.ह.नं. २६/१, रा.नि.नं. व तहसील वारासिवनी, जिला बालाघाट में स्थित भूमि खसरा क्रमांक २८५/१/२ रकबा ०.०१४ है.परिवर्तित भूमि को बैंक शाखा में बंधक कर ऋण प्राप्त किया जा रहा है। जिसकी चतुर्सीमा उत्तर में डॉ चौधरी की बाउंड्री वाल, दक्षिण में रोड, पूर्व में सुरजलाल चचाने का मकान तथा पश्चिम में रानू बनोटे का मकान है और इस भूमि को मेरी पक्षकार ने विक्रेता मुकेश कुमार पिता सुरेंद्र वाघमारे से दिनांक ७/१०/२०२६ को क्रय कर प्राप्त किया है तथा इस भूमि को विक्रेता मुकेश कुमार के द्वारा पूर्व विक्रेता श्री ललित गौतम पिता भिवाजी गौतम से दिनांक ३१/१०/२०१९ को क्रय कर प्राप्त की थी। जिसका ईपंजीयन क्रमांक एमपी ०१०४२०१९ए१७३५९२ है किंतु इस भूमि का पूर्वाध्द विक्रय पत्र दिनांक ३१/१०/२०१९ असल कहीं गुम हो चुका है जो बहुत कोशिश करने के बाद भी प्राप्त नहीं हुआ है। अतः इस भूमि व पूर्वाध्द विक्रय पत्र दिनांक ३१/१०/२०१९ के संबंध में किसी भी बैंक, संस्था या व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह ७ दिन के अंदर अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा बाद में प्रस्तुत किसी भी प्रकार की आपत्ति स्वीकार नही की जायेगी।

वास्ते आम सूचना प्रेषित है।

वारासिवनी- दिनांक ०७/११/२०२६

प्रेषक-मुकेश अग्रवाल अधिवक्ता वारासिवनी

एक लाख शिक्षकों में से 34 हजार ने ही भरे फॉर्म

भोपाल। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद मध्यप्रदेश के एक लाख से अधिक शिक्षकों के सामने शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) पास करने की चुनौती है, लेकिन परीक्षा के लिए आवेदन करने की रफ्तार धीमी है। अब तक केवल 34 हजार शिक्षकों ने ही आवेदन किया है। यानी पात्रता परीक्षा देने वाले शिक्षकों में से करीब एक तिहाई ने ही फॉर्म भरा है। इधर, स्कूल शिक्षा विभाग और माध्यमिक शिक्षा मंडल दिसंबर में परीक्षा कराने की तैयारी में जुटे हैं। परीक्षा की तारीख दिसंबर के पहले या दूसरे सप्ताह में घोषित किए जाने की संभावना है। टीईटी की लेकर सबसे बड़ी चुनौती शिक्षकों की भागीदारी बढ़ाना है। प्रदेश में एक लाख से अधिक शिक्षकों को यह परीक्षा देनी है, लेकिन अब तक करीब 34 हजार आवेदन ही जमा हुए हैं। ऐसे में शेष शिक्षकों की आवेदन और परीक्षा की तैयारी के लिए समय देना विभाग के सामने चुनौती है। लोक शिक्षण संचालनालय के अधिकारियों के मुताबिक, जिन शिक्षकों ने आवेदन किया है, वे निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुसार तैयारी कर रहे हैं। शिक्षकों की मदद के लिए समर्थ पोर्टल पर पूरा पाठ्यक्रम और अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराई गई है। जिला शिक्षा अधिकारियों को भी शिक्षकों को परीक्षा पैटर्न और तैयारी संबंधी जानकारी देने के निर्देश दिए गए हैं। पहले टीईटी परीक्षा ऑनलाइन कराने की तैयारी थी, लेकिन शिक्षकों की मांग पर सरकार ने इसे ऑफलाइन कराने का निर्णय लिया है। स्कूल शिक्षा विभाग और माध्यमिक शिक्षा मंडल के बीच परीक्षा की व्यवस्थाओं को लेकर लगातार चर्चा चल रही है। शुक्रवार को भी अधिकारियों के बीच इस संबंध में संवाद हुआ। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के मुताबिक शिक्षकों को 28 अगस्त 2028 तक टीईटी उत्तीर्ण करना अनिवार्य है। सरकार का प्रयास है कि निर्धारित समयसीमा से पहले सभी शिक्षक परीक्षा पास कर लें। इसके लिए परीक्षा दो चरणों में कराने की योजना है। पहले चरण के बाद जो शिक्षक छूट रह जाएंगे, उन्हें दूसरे चरण में मौका दिया जाएगा। दिसंबर में प्रस्तावित परीक्षा के लिए माध्यमिक शिक्षा मंडल ने केंद्र निर्धारण की प्रक्रिया तेज कर दी है। जिलों में प्राप्त आवेदनों की संख्या के आधार पर परीक्षा केंद्र बनाए जा रहे हैं। केंद्रों पर शिक्षकों की सुविधा का ध्यान रखने के साथ प्रश्नपत्रों की सुरक्षा और मूल्यांकन व्यवस्था को भी पारदर्शी बनाने की तैयारी है। लोक शिक्षण संचालनालय के कमिश्नर अभिषेक सिंह के मुताबिक, परीक्षा कराने की पूरी तैयारी है। दिसंबर के पहले या दूसरे सप्ताह में परीक्षा की तारीख घोषित कर दी जाएगी।

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध

लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध



निर्माता

तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स

मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट

फोन:- 07632-243531

मो:- 8989976858, 9425139998

बालाघाट
रविवार 08 नवम्बर 2026

बालाघाट एक्सप्रेस सिटी न्यूज

3
पद्मेश न्यूज
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

मलय जैन ने संभाली बालाघाट पुलिस की कमान

पदभार लेते ही पटाखा बाजार का किया निरीक्षण

यातायात व्यवस्था सुधारने और चर्चित मामलों को समझकर कार्रवाई करने का दिया भरोसा

पदमेश न्यूज। बालाघाट। जिले में नए पुलिस अधीक्षक की नियुक्ति के बाद आखिरकार 7 नवंबर को आईपीएस अधिकारी मलय जैन ने बालाघाट पुलिस अधीक्षक का पदभार ग्रहण कर लिया। गृह विभाग ने 6 नवंबर को जारी आदेश में भोपाल पुलिस मुख्यालय में सहायक पुलिस महानिरीक्षक के पद पर पदस्थ, वर्ष 2017 बैच के आईपीएस अधिकारी मलय जैन को बालाघाट पुलिस अधीक्षक की जिम्मेदारी सौंपी थी। इसके साथ ही उन्हें सेनानी हॉक फोर्स बालाघाट का अतिरिक्त प्रभार भी दिया गया है। तत्कालीन पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा के देवास स्थानांतरण के बाद कुछ दिनों तक जिले की पुलिस अधीक्षक की जिम्मेदारी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नितेश भार्गव संभाल रहे थे। करीब आठ दिनों के इंतजार के बाद नए पुलिस अधीक्षक के पदभार ग्रहण करने से जिले की पुलिस व्यवस्था को अब नियमित नेतृत्व मिल गया है।



पदभार ग्रहण करने के साथ ही पुलिस अधीक्षक मलय जैन ने दीपावली पर्व को देखते हुए शहर के उत्कृष्ट विद्यालय मैदान में लगाई गई पटाखा दुकानों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने दुकानों में सुरक्षा व्यवस्था, अग्निशमन उपकरणों, फायर ब्रिगेड की उपलब्धता, बिजली की लाइटिंग और अन्य जरूरी इंतजामों का जायजा लिया। पदेश न्यूज से चर्चा में उन्होंने बताया कि दीपावली के अवसर पर बड़ी संख्या में लोग पटाखों की खरीदारी करने बाजार पहुंचते हैं। ऐसे में यह जरूरी है कि पटाखा दुकानों में सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम हों और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं पहले से मौजूद रहें। उन्होंने मौके पर व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर यह भी देखा कि सुरक्षा के लिहाज से किन बिंदुओं पर और सुधार किया जा सकता है। शहर में लगातार बढ़ते यातायात दबाव और जाम की समस्या को लेकर पूछे गए सवाल पर पुलिस अधीक्षक ने कहा कि वह इस विषय को समझकर सभी संबंधित लोगों से सुझाव लेंगे और बेहतर यातायात व्यवस्था बनाने के लिए प्रयास करेंगे।

उनका कहना था कि शहर की परिस्थितियों और जरूरतों को ध्यान में रखते हुए ऐसा रास्ता निकाला जाएगा, जिससे आम नागरिकों को आवागमन में कम से कम परेशानी हो। हालांकि यातायात व्यवस्था सुधारने के लिए पुलिस की ओर से क्या ठोस कदम उठाए जाएंगे, यह आने वाले दिनों में स्पष्ट होगा। फिलहाल नए पुलिस अधीक्षक के सामने त्योहार के दौरान बाजार की भीड़, पार्किंग और यातायात नियंत्रण जैसी तत्काल चुनौतियां भी रहेंगी। वहीं पूर्व पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा के कार्यकाल में सामने आए चर्चित और बड़े मामलों, जिनमें चावल मामला और डबल मनी प्रकरण सहित अन्य हाईप्रोफाइल मामले शामिल हैं, को लेकर भी मलय जैन से सवाल किए गए। इस पर उन्होंने स्पष्ट किया कि अभी उन्होंने इन मामलों की पूरी जानकारी नहीं ली है, लेकिन जल्द ही संबंधित प्रकरणों की समझैरी और उनकी स्थिति की समीक्षा करेंगे। उन्होंने कहा कि आज ही उन्होंने पदभार ग्रहण किया है और जिले की परिस्थितियों, पुलिस की कार्यप्रणाली तथा लंबित मामलों को समझने के बाद आगे की दिशा तय करेंगे। साथ ही आम नागरिकों और संबंधित लोगों से सुझाव लेकर बेहतर पुलिसिंग करने का प्रयास किया जाएगा। नए पुलिस अधीक्षक के सामने अब जिले की कानून व्यवस्था को मजबूत करने के साथ-साथ लंबित मामलों की समीक्षा, चर्चित प्रकरणों में जांच की प्रगति और आम जनता का पुलिस पर भरोसा कायम रखने की चुनौती रहेगी। पदभार ग्रहण करते ही पटाखा बाजार का निरीक्षण कर उन्होंने त्योहार के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को प्राथमिकता दी है। अब जिलेवासियों की निगाहें इस बात पर रहेंगी कि मलय जैन के नेतृत्व में यातायात व्यवस्था, अपराध नियंत्रण और लंबे समय से चर्चा में रहे मामलों में पुलिस किस तरह की कार्रवाई करती है।

जाम, अतिक्रमण और बेतरतीब पार्किंग से जूझता शहर, नए एसपी के सामने यातायात सुधारने की चुनौती

शहर की यातायात व्यवस्था लंबे समय से बदहाली का शिकार है। बाजार क्षेत्रों में लगने वाला जाम, सड़कों तक फैला अतिक्रमण, बेतरतीब खड़े वाहन और प्रमुख चौराहों पर बिगड़ती यातायात व्यवस्था आम नागरिकों के लिए रोजाना मुसीबत बनी हुई है। इस संबंध में सवाल किए जाने पर एसपी मलय जैन ने कहा कि वे सभी से सुझाव लेंगे और यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए जो भी उचित कदम होंगे, उन्हें उठाया जाएगा। लेकिन शहर की समस्या केवल सुझाव लेने से हल होने वाली नहीं है। जरूरत ऐसे ठोस फैसलों की है, जिनसे सड़कों पर अतिक्रमण करने वालों पर कार्रवाई हो, यातायात नियमों की अनदेखी करने वालों पर शिकंजा कसे और बाजार के प्रमुख मार्गों पर पुलिस की प्रभावी तैनाती सुनिश्चित हो। अब देखना होगा कि नए एसपी शहर की इस पुरानी बीमारी का स्थायी इलाज खोज पाते हैं या यातायात सुधारने के दावे भी पहले की तरह कागजों तक ही सीमित रह जाते हैं।

चावल प्रकरण और डबल मनी कांड पर नए एसपी के सामने असलियत सामने लाना होगी चुनौती

बालाघाट पुलिस के सामने सबसे संवेदनशील चुनौती जिले के बहुचर्चित मामलों की जांच को लेकर भी है। पूर्व एसपी आदित्य मिश्रा के कार्यकाल में चर्चा में आए चावल प्रकरण, डबल मनी मामला और अन्य बड़े प्रकरणों की स्थिति को लेकर जब नए एसपी मलय जैन से सवाल किया गया तो उन्होंने स्पष्ट किया कि उन्होंने अभी पदभार संभाला है और इन मामलों की पूरी जानकारी फिलहाल उनके पास नहीं है। वे जल्द ही सभी प्रकरणों को समझेंगे और उनकी वास्तविक स्थिति की जानकारी लेकर आगे की कार्रवाई करेंगे। लेकिन इन मामलों को लेकर जिले में लंबे समय से सवाल उठ रहे हैं। ऐसे में जनता को अब केवल यह आश्वासन नहीं चाहिए कि फाइलों की जानकारी ली जाएगी, बल्कि यह जानने की अपेक्षा है कि जांच किस स्तर पर पहुंची, अब तक क्या कार्रवाई हुई और किन कारणों से मामले अभी भी चर्चा में बने हुए हैं। नए पुलिस कप्तान के लिए इन प्रकरणों की निष्पक्ष समीक्षा कर वास्तविक स्थिति सामने लाना भी बड़ी जिम्मेदारी होगी।

दीपावली के ऑफर की आड़ में साइबर ठगों का नया जाल, व्हाट्सएप पर भेज रहे 2 हजार कमाने के लालच वाले मैसेज

बोनस, धमाकेदार स्कीम और आकर्षक उपहार के नाम पर एपीके फाइल व संदिग्ध लिंक भेजकर ठगी की कोशिश

पदमेश न्यूज। बालाघाट। दीपावली के त्योहार में जहां निजी कंपनियां ग्राहकों को लुभाने के लिए आकर्षक ऑफर और बोनस की योजनाएं लेकर आती हैं, वहीं साइबर ठगों ने भी इसी माहौल का फायदा उठाकर लोगों को अपने जाल में फंसाने की कोशिश कर रहे हैं। जिले के कई उपभोक्ताओं के मोबाइल पर व्हाट्सएप और सामान्य मैसेज के माध्यम से ऐसे संदेश पहुंच रहे हैं, जिनमें 2 हजार रुपए कमाने का सुनहरा अवसर, आकर्षक बोनस, धमाकेदार ऑफर और उपहार मिलने का लालच दिया जा रहा है। इन संदेशों में कभी सीधे पैसे के ट्रांजैक्शन की बात कही जाती है तो कभी किसी लिंक पर क्लिक कर ऑफर की जानकारी लेने के लिए कहा जाता है। कुछ संदेशों के साथ एपीके फाइल भी भेजी जा रही हैं, जिन्हें डाउनलोड करने के लिए उपभोक्ताओं को उकसाया जा रहा है। देखने में ये संदेश सामान्य प्रचार या त्योहार की स्कीम जैसे लगते हैं, लेकिन इनके जरिए साइबर ठगी की कोशिश किए जाने की आशंका है। बताया जा रहा है कि जिले के कई उपभोक्ताओं को अलग-अलग नंबरों से ऐसे संदिग्ध संदेश प्राप्त हुए हैं। किसी को 2 हजार रुपए कमाने का लालच दिया जा रहा है तो किसी को त्योहार पर बोनस और विशेष उपहार देने का दावा किया जा रहा है। निजी कंपनियों के नाम और ऑफर जैसी भाषा का इस्तेमाल कर इन संदेशों को इस तरह तैयार किया जा रहा है कि उपभोक्ता इन्हें वास्तविक समझकर लिंक खोलने या फाइल डाउनलोड करने की गलती कर बैठें। इसी तरह के संदेशों को लेकर कई उपभोक्ताओं ने साइबर शाखा में शिकायत और आवेदन देकर जानकारी दी है। हालांकि फिलहाल इन संदेशों के जरिए जिले में किसी उपभोक्ता से बड़ी राशि ठगे जाने की पुख्ता जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन लगातार मिल रही शिकायतों ने साइबर सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। साइबर ठगी का तरीका भी अब पहले जैसा नहीं रह गया है। शुरुआती दौर में ठग बैंक खाते, एटीएम और ओटीपी से जुड़ी गोपनीय जानकारी हासिल कर लोगों को निशाना बनाते थे, लेकिन अब तकनीक के बढ़ते इस्तेमाल के साथ ठगी के तरीके भी बदल रहे हैं। कभी ई-चालान के नाम पर लिंक भेजा जाता है तो कभी सरकारी योजना, नौकरी, कैशबैक, त्योहारों के ऑफर और बोनस के नाम पर लोगों को झांसा दिया जाता है। कई बार संदिग्ध एपीके फाइल डाउनलोड करवाकर मोबाइल की जानकारी और गतिविधियों तक पहुंच बनाने की कोशिश की जाती है। ऐसे में अनजान नंबर से आए संदेश, आकर्षक कमाई के दावे और बिना पुष्टि के भेजे गए लिंक उपभोक्ताओं के लिए बड़ा खतरा बन सकते हैं। साइबर शाखा की ओर से शिकायत लेकर पहुंच रहे लोगों को सतर्क रहने और किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक नहीं करने की सलाह दी जा रही है। पुलिस का कहना है कि किसी भी संदिग्ध संदेश के आधार पर अपनी बैंकिंग जानकारी, ओटीपी, पासवर्ड या अन्य गोपनीय विवरण साझा न करें। व्हाट्सएप पर भेजी गई अनजान एपीके फाइल को डाउनलोड और इंस्टॉल करने से भी बचें। यदि किसी कंपनी की ओर से ऑफर दिए जाने का दावा किया जा रहा है तो उसकी पुष्टि कंपनी की आधिकारिक वेबसाइट या अधिकृत माध्यम से ही करें। किसी अनजान व्यक्ति के कहने पर स्क्रीन शेयरिंग या रिमोट एक्सेस से जुड़े ऐप भी इंस्टॉल न करें। दीपावली के दौरान खरीदारी और लेनदेन बढ़ने के बीच साइबर ठगों की सक्रियता आम उपभोक्ताओं के लिए खतरे की घंटी है। थोड़ी सी लालच या जल्दबाजी में किया गया एक क्लिक बैंक खाते की रकम और मोबाइल में मौजूद निजी जानकारी को जोखिम में डाल सकता है। साइबर पुलिस ने लोगों से अपील की है कि यदि किसी के साथ ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी होती है तो बिना देर किए राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर सूचना दें और साइबर अपराध पोर्टल पर भी शिकायत दर्ज कराएं। त्योहार के नाम पर मिलने वाला हर ऑफर वास्तविक नहीं होता, इसलिए किसी भी आकर्षक संदेश पर भरोसा करने से पहले उसकी सत्यता जांचना ही सबसे बड़ी सावधानी है।

बूढ़ी रेलवे क्रॉसिंग पर रोज जाम, लोकल ट्रेनों के गुजरते ही थम जाती है बूढ़ी रोड़ की रफ्तार

आधा किलोमीटर का सफर तय करने में लग रहे 30 मिनट से अधिक का समय , अतिक्रमण और अव्यवस्थित यातायात ने बढ़ाई मुसीबत

पदमेश न्यूज। बालाघाट। भटेरा रेलवे ओवरब्रिज के निर्माण कार्य ने शहर की यातायात व्यवस्था के सामने पहले ही चुनौती खड़ी कर रखी है, लेकिन बूढ़ी रेलवे क्रॉसिंग पर रोजाना लगने वाला लंबा जाम अब लोगों की परेशानी का बड़ा कारण बन गया है। बालाघाट से कटंगी की ओर जाने वाली लोकल ट्रेनों के गुजरने के दौरान यहां आधे घंटे से अधिक समय तक वाहनों की कतारें लगी रहती हैं। दिनभर में लोकल ट्रेनों के लगभग छह से सात फेरों के कारण यह स्थिति बार-बार निर्मित होती है। हालात ऐसे हैं कि कुछ लोगों को महज आधा किलोमीटर का रास्ता पार करने के लिए भी 30 मिनट से अधिक समय जाम में फंसे रहकर गुजारना पड़ रहा है। रेलवे फाटक बंद होने के बाद वाहनों का दबाव एक साथ बढ़ता है और क्रॉसिंग खुलने के बाद भी अव्यवस्थित यातायात के चलते जाम जल्दी खत्म नहीं हो पाता। भटेरा ओवरब्रिज निर्माण के चलते प्रशासन द्वारा बैहर चौकी ओर से डायवर्सन मार्ग उपलब्ध कराया गया है, लेकिन बड़ी संख्या में वाहन चालक इस वैकल्पिक रास्ते का उपयोग करने के बजाय बूढ़ी रेलवे क्रॉसिंग से ही भटेरा की ओर आवागमन कर रहे हैं। दोपहिया और चारपहिया वाहनों की आवाजाही इसी मार्ग पर अधिक होने से सड़क की क्षमता से कहीं ज्यादा यातायात का दबाव बन रहा है। खासकर लोकल ट्रेन के गुजरने के समय यह दबाव जाम का रूप ले लेता है। सवाल यह है कि जब ओवरब्रिज निर्माण के कारण मार्ग बंद किया गया है और वैकल्पिक रास्ता भी निर्धारित है, तो फिर डायवर्सन का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित कराने के लिए ठोस व्यवस्था क्यों नहीं की जा रही है?, बूढ़ी रेलवे क्रॉसिंग का मार्ग पहले से ही सीमित चौड़ाई वाला है। सड़क के दोनों ओर अतिक्रमण होने से आवागमन के लिए उपलब्ध जगह और कम हो गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस मार्ग पर यातायात का दबाव बढ़ने की आशंका पहले से थी। इसके बावजूद सड़क के बीच डिवाइडर लगाने और दोनों ओर से अतिक्रमण हटाने की मांग पर गंभीरता से ध्यान नहीं दिया गया। पूर्व में यहां अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई भी हुई थी, लेकिन कुछ समय बाद फिर स्थिति पुराने ढर्रे पर लौटती दिखाई दे रही है। मार्ग पर पुलिस बल की तैनाती जरूर की जाती है, लेकिन सीमित सड़क, वाहनों की भारी संख्या और अव्यवस्थित आवाजाही के सामने यातायात नियंत्रण के प्रयास नाकाफी साबित हो रहे हैं। भटेरा रेलवे क्रॉसिंग बंद किए जाने के बाद से इस मार्ग का महत्व और बढ़ गया है। भटेरा की ओर स्कूल जाने वाले बच्चे, रोजमर्रा के काम से मुख्यालय आने-जाने वाले नागरिक और अन्य वाहन चालक इसी रास्ते का उपयोग कर रहे हैं। ऐसे में जाम का असर केवल वाहन चालकों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि स्कूली बच्चों और रोजाना आवागमन करने वाले लोगों की दिनचर्या भी प्रभावित होती है। ट्रेन गुजरने के दौरान फाटक बंद होने से वाहनों की लंबी कतार लग जाती है और फाटक खुलने के बाद दोनों ओर से वाहनों के एक साथ निकलने की कोशिश स्थिति को और बिगाड़ देती है। स्थानीय लोगों ने मार्ग को व्यवस्थित करने के लिए बीच में डिवाइडर लगाने, अतिक्रमण हटाने और डायवर्सन मार्ग पर यातायात बढ़ाने जैसे उपायों की मांग की है। अब जरूरत केवल रेलवे फाटक पर पुलिस बल तैनात करने की नहीं, बल्कि पूरे यातायात प्रबंधन की समीक्षा करने की है। प्रशासन और संबंधित विभाग को यह देखना होगा कि डायवर्सन मार्ग का उपयोग कैसे बढ़ाया जाए, बूढ़ी रेलवे क्रॉसिंग के दोनों ओर अतिक्रमण हटाकर सड़क की उपलब्ध चौड़ाई कैसे बढ़ाई जाए और जरूरत के अनुसार डिवाइडर अथवा अन्य यातायात व्यवस्था कैसे लागू की जाए। यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए तो भटेरा ओवरब्रिज का निर्माण पूरा होने तक इस मार्ग से गुजरने वाले लोगों की रोजाना जाम और समय की बर्बादी झेलनी पड़ेगी।



दीपावली की खुशियां बांटने दूरस्थ बैगा बस्ती पहुंचे रूपझर थाना के पुलिसकर्मी

जरूरतमंद परिवारों को मिठाई के पैकेट और कंबल वितरित कर दी दीपावली की शुभकामनाएं

पदमेश न्यूज। बालाघाट। दीपावली का पर्व खुशियों, प्रेम, सद्भाव और आपसी भाईचारे का प्रतीक है। इस पर्व की खुशियां समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचे, इसी भावना को आत्मसात करते हुए थाना रूपझर पुलिस स्टाफ द्वारा एक सराहनीय मानवीय पहल की गई।दीपावली की पूर्व संध्या पर थाना रूपझर का पुलिस स्टाफ ग्राम रूपझर से दूर स्थित एक दुर्गम गांव में पहुंचा, जहां आदिवासी बैगा समाज के लगभग 30 से 35 परिवार निवास करते हैं। ये परिवार अत्यंत अभावग्रस्त परिस्थितियों में अपना जीवन यापन कर रहे हैं। आर्थिक एवं बुनियादी सुविधाओं की कमी के बीच रहने वाले इन परिवारों के चेहरों पर भी दीपावली की खुशियां बिखेरने के उद्देश्य से पुलिसकर्मियों ने उनके बीच पहुंचकर आत्मीयता के साथ त्योहार की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर पुलिस स्टाफ द्वारा ग्रामीण परिवारों को मिठाई के पैकेट वितरित किए गए। वहीं, ठंड के मौसम को ध्यान में रखते हुए जरूरतमंद लोगों को ठंड से बचाव के लिए कंबलों का वितरण भी किया गया। पुलिसकर्मियों की इस छोटी-सी पहल ने बैगा समाज के परिवारों के लिए दीपावली के पर्व को और भी खास बना दिया।आमतौर पर पुलिस की पहचान कानून-व्यवस्था बनाए रखने और अपराधों पर नियंत्रण करने वाली संस्था के रूप में होती है, लेकिन इस तरह के सामाजिक और मानवीय प्रयास यह दर्शाते हैं कि पुलिस विभाग समाज के जरूरतमंद एवं वंचित वर्गों के सुख-दुख में सहभागी बनने के लिए भी तत्पर है।दूरस्थ क्षेत्र में रहने वाले इन परिवारों के बीच पहुंचकर मिठाई और कंबल बांटना केवल सहायता प्रदान करना नहीं, बल्कि उनके साथ खुशियां साझा करने और समाज की मुख्यधारा से जुड़ाव का संदेश देना भी है।थाना रूपझर पुलिस स्टाफ की इस संवेदनशील पहल की सराहना की जा रही है। पुलिसकर्मियों के इस प्रयास ने दीपावली के अवसर पर मानवता, सेवा, सहयोग और सामाजिक सद्भाव का सुंदर संदेश दिया। वास्तव में त्योहारों की सार्थकता तभी है, जब उनकी खुशियां समाज के अंतिम छोर पर रहने वाले जरूरतमंद लोगों तक भी पहुंचें।



बिरसोला की छात्रा रिया ने नेशनल कराटे में जीते स्वर्ण व रजत पदक, स्कूल में हुआ सम्मान

पदमेश न्यूज। बालाघाट। बालिका आत्मरक्षा प्रशिक्षण योजना के तहत प्रशिक्षण प्राप्त कर रही शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बिरसोला की छात्रा कुमारी रिया राकेशिया ने छत्तीसगढ़ में आयोजित 5वीं नेशनल कराटे चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व कर एक स्वर्ण पदक एवं एक रजत पदक अर्जित कर स्कूल तथा जिले का नाम रोशन किया है।प्रतियोगिता का आयोजन छत्तीसगढ़ के रायपुर स्थित कौशल्या धाम चंदखुरी में किया गया था। देशभर से आए प्रतिभागियों के बीच रिया ने अपने दमदार खेल का प्रदर्शन करते हुए दोनों पदक अपने नाम किए। नेशनल स्तर पर पदक जीतकर लौटी रिया का विद्यालय में भव्य स्वागत किया गया।इस उपलब्धि पर विद्यालय प्राचार्य इंद्रावती पटेल एवं समस्त स्टाफ द्वारा छात्रा को सम्मानित कर बहुत-बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं दी गईं। प्राचार्य ने कहा कि रिया की यह सफलता अन्य छात्राओं के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बनेगी। बालिका आत्मरक्षा प्रशिक्षण से छात्राएं न केवल आत्मनिर्भर बन रही हैं, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रही हैं।सम्मान समारोह में ऊँचा प्रभारी राकेश तुरकर, कराटे प्रशिक्षक संतोष पारधी, आभा श्रीवास्तव, राजेंद्र ठाकरे, गिरीश चौधरी, कविता



अहिरवार, उषा किरण मरावी, आशा किरण कुशराम, उषा पारधी, अर्चना उईके, सविता लामगे, सविता चौधरे, संतोष बघेल, सुनील उईके, ओमप्रकाश कोटगाले, प्रकाश हनुमत सहित समस्त स्टाफ उपस्थित रहा। सभी ने रिया के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

आस-पास की खबरें

बम्हनी में स्वर धारा छत्तीसगढ़ी कार्यक्रम 13 को

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 4 किमी. दूर ग्राम पंचायत बम्हनी में सार्वजनिक मंडई उत्सव समिति के तत्वाधान में 13 नवंबर को दिन-रात की मंडई के अवसर पर स्वर धारा छत्तीसगढ़ी कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। चर्चा में मंडई समिति सचिव डॉ. ललितकुमार लानगे ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी दिन-रात की मंडई के अवसर पर ग्रामीणजनों के रातिकालीन मनोरंजन के लिए रात 9 बजे से तुलसीपुर राजनांदगांव का स्वर धारा छत्तीसगढ़ी कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। जिसमें स्वर धारा के गायक एवं अन्य कलाकारों के द्वारा छत्तीसगढ़ी गीतों की प्रस्तुती दी जायेगी। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील सार्वजनिक मंडई उत्सव समिति बम्हनी के पदाधिकारियों एवं ग्रामीणजनों ने की है।

कनकी में गायत्री प्रज्ञापीठ का 42 वां वार्षिक पर्व, लक्ष्मी पूजन एवं दीप पर्व आज

पद्मेश न्यूज। बेहई/लालबर्रा। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत कनकी स्थित गायत्री प्रज्ञापीठ में 8 नवंबर को 42 वां वार्षिक, लक्ष्मीपूजन एवं दीप पर्व कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। चर्चा में आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि 8 नवंबर को प्रात: 11.25 बजे ध्वजारोहण, जिसके बाद जल कलश यात्रा, दोपहर 1.30 बजे से पांच कुंडीय गायत्री महायज्ञ, विभिन्न संस्कार एवं पुर्णाहुति, दोपहर 3.35 बजे से विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर धर्मलाभ अर्जित करने की अपील गायत्री प्रज्ञापीठ कनकी के पदाधिकारियों ने की है।

भाई के अंतिम संस्कार में जुटे युवक ने ब्लेड मारी

भोपाल। एजेंसी। स्टेशन बजरिया थाना क्षेत्र में स्थित राजेंद्र नगर में रास्ते में खड़े होकर वात करने को लेकर हुए विवाद में आरोपी ने एक युवक पर ब्लेड से कई वार कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना के समय आरोपी के परिवार में उसके बड़े भाई की मौत के बाद अंतिम संस्कार की तैयारियां चल रही थीं। घायल युवक को इलाज के लिये अस्पताल पहुचाते हुए पुलिस ने आरोपी गोलू ठाकुर के खिलाफ मामला कायम कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक, राजेश कुशवाहा (35) राजेंद्र नगर में रहकर ई-रिक्शा चलाता है। गुरुवार रात वह अपने एक दोस्त से मिलने जा रहा था। दोस्त उसी मकान में रहता है, जहां आरोपी गोलू ठाकुर रहता है। राजेश मकान के पास रास्ते में खड़ा होकर किसी से बातचीत कर रहा था। इसी दौरान गोलू ने वहां खड़े होने को लेकर आपत्ति जताई, इस पर दोनों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। विवाद बढ़ने पर गोलू ने अपने पास रखी ब्लेड निकालकर राजेश के गले, चेहरे और सीने पर वार कर दिये। हमले में राजेश गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार करते हुए उसके पास से ब्लेड बरामद की है। की जांच कर फोटोग्राफी भी की गई। अभियान के दौरान वन क्षेत्र में मिले चरवाहों एवं ग्रामीणों से संवाद कर उन्हें वन एवं वन्यप्राणियों के संरक्षण के महत्व की जानकारी दी गई।

जल जीवन मिशन, स्वच्छ जल की आस पर फिरा पानी

मोहगांव ध. के वार्ड नंबर 6 में नलों से आ रहा गंदा पानी, ग्रामीणों में रोष व्याप्त





ग्रामीणों ने पीएचई विभाग और ठेकेदार पर लगाई लापरवाही के आरोप, सुधार करने की उठी मांग

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

केंद्र सरकार की बहुप्रचारित और महत्वाकांक्षी योजना 'जल जीवन मिशन' ग्रामीण अंचलों में शुध्द पेयजल उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से शुरू की गई थी। लेकिन जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत मोहगांव (ध.) में यह योजना अधिकारियों और ठेकेदार की उदासीनता के चलते महज एक छलावा साबित हो रही है। पंचायत क्षेत्र के वार्ड नंबर 6 में हालात यह हैं कि ग्रामीणों को नलों से स्वच्छ जल के बजाय गंदा पानी मिल रहा है, जिससे कभी भी कोई गंभीर बीमारी फैलने का अंदेशा बना हुआ है। जबकि इस समस्या से वाईवासियों ने पीएचई विभाग को अवगत करवा दिये है लेकिन जिम्मेदार इस समस्या को दुर करने का कोई प्रयास नही कर रहे है जिससे ग्रामीणों में रोष व्याप्त है।

दुषित पानी पीने से स्वास्थ्य पर पड़ेगा बुरा असर, जिम्मेदार मौन

आपको बता दे कि जल जीवन मिशन के तहत लाखों रूपयों की लागत से मोहगांव ध. पंचायत में पीएचई विभाग के द्वारा पाइपलाइन बिछाने के साथ ही घर-घर में नल कनेक्शन कर पानी सप्लाई की जाती है। लेकिन उक्त कार्य गुणवत्तापूर्ण नही होने के कारण कुछ वार्डों में नियमित रूप से पानी नही पहुंच पा रहा है एवं कुछ वार्ड में तो दुषित पानी मिल रहा है। जिसका मुख्य कारण है कि इस पूरी योजना के क्रियान्वयन में निर्धारित नियमों, शर्तों और तकनीकी मापदंडों का पालन नही किया गया है। ठेकेदार द्वारा घरों तक पाइपलाइन तो पहुंचा दी गई, लेकिन मानक अनुसार वाटर स्टैंड (नल खड़े करने के स्थान) नहीं बनाये गये है। इसके कारण अधिकांश स्थानों पर पानी सड़कों पर व्यर्थ बहता रहता है। साथ ही कुछ स्थानों पर नल में गंदा यानि दूषित पानी आ रहा है, जिसके सेवन से बीमारी होने की आशंका बनी हुई है। इस तरह से पाइपलाइन बिछाने में बरती गई अनियमितताओं के कारण आज ग्रामीण शुध्द पेयजल जैसी बुनियादी सुविधा से भी वंचित हैं। वार्डवासियों का कहना है कि उन्होंने इस गंभीर समस्या की जानकारी कई बार ग्राम पंचायत के साथ-साथ पीएचई विभाग के सब इंजीनियर भूपेंद्र सिंह मरकाम को दी। लेकिन कागजी खानापूर्ति के सिवाय धरातल पर कोई सुधार कार्य नहीं हुआ। अधिकारियों की इस लचर कार्यप्रणाली से ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है। हमारी मांग है कि पाइपलाइन में आई तकनीकी खराबी को दुरूस्त कर शुध्द पेयजल प्रदाय करें।

पाइपलाइन कार्य की जांच कर दोषियों पर कार्यवाही करे प्रशासन

चर्चा में पंच दिलीप बाघेने, श्रीमती संगीता बांगड़े ने संयुक्त रूप से बताया कि वार्ड नं. 6 में कई दिनों से नलों से गंदा पानी आ रहा है, जिसे पीने से स्वास्थ्य खराब हो सकता है। पीएचई विभाग द्वारा सेवन से बीमारी होने की आशंका बनी हुई है। इस तरह से पाइपलाइन बिछाने में बरती गई अनियमितताओं के कारण आज ग्रामीण शुध्द पेयजल जैसी बुनियादी सुविधा से भी वंचित हैं। वार्डवासियों का कहना है कि उन्होंने इस गंभीर समस्या की जानकारी कई बार ग्राम पंचायत के साथ-साथ पीएचई विभाग के सब इंजीनियर भूपेंद्र सिंह मरकाम को दी। लेकिन कागजी खानापूर्ति के सिवाय धरातल पर कोई सुधार कार्य नहीं हुआ। अधिकारियों की इस लचर कार्यप्रणाली से ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है। हमारी मांग है कि पाइपलाइन में आई तकनीकी खराबी को दुरूस्त कर शुध्द पेयजल प्रदाय करें।

गुणवत्तापूर्ण कार्य किया गया है - भूपेन्द्र

दूरभाष पर चर्चा में पीएचई विभाग के सबइंजीनियर भूपेन्द्रसिंह मरकाम ने बताया कि मोहगांव ध. में जल जीवन मिशन के तहत पाइपलाइन बिछाने के साथ ही घर-घर नल कनेक्शन कर शुध्द पानी प्रदाय किया जा रहा है और जिस वार्ड में दूषित पानी मिलने की बात सामने आ रही है उक्त स्थान पर पहुंचकर पूर्व में भी स्थल निरीक्षण किया गया है। लेकिन बेहद गुणवत्ताहीन कार्य करवाया गया है, पाइपलाइन पूरी तरह खुली हुई है और वाटर स्टैंड न होने से पानी रास्तों पर बह रहा है। सब इंजीनियर को सब कुछ बताने के बावजूद अभी तक कार्य में कोई सुधार नहीं किया गया है, जो विभाग की उदासीनता को दर्शाता है। आगे बताया कि इस तरह से लाखों रूपयों की लागत वाली जल जीवन मिशन के तहत पाइपलाइन सहित अन्य कार्य हुआ है उसमें ठेकेदार के द्वारा अनियमितता बरती गई है। जिला प्रशासन से मांग है कि इस कार्य की जांच कर दोषियों पर वैधानिक कार्यवाही करें।

इनका कहना है-

वार्डवासियों के माध्यम से जानकारी मिली है कि वार्ड नं. 6 में नल में गंदा पानी आ रहा है, इस संबंध में पीएचई विभाग को अवगत करवा दिया गया है, जिनके द्वारा अगर पाइपलाइन में खराबी होगी तो उसे जल्द दुरूस्त करने आश्वस्त किया है।

परसराम पटले
सचिव
ग्राम पंचायत मोहगांव ध.।

पाइपलाइन में कोई तकनीकी खराबी नही है। जिस व्यक्ति के घर पर नल कनेक्शन किया गया है वह नाली के समीप है, पानी सप्लाई होने के बाद वे लोग नल की पाइप को नाली में गिरा देते है और सप्लाई बंद होने पर नाली का गंदा पानी उक्त पाइप में चले जाता है और जब सप्लाई होती है उसी के घर पर कुछ देर धंधा पानी आता है, बाकि सभी घरों में शुध्द पानी मिल रहा है। श्री मरकाम ने बताया कि पाइपलाइन बिछाने सहित अन्य कार्य गुणवत्तापूर्ण किया गया है।

इनका कहना है-

वार्डवासियों के माध्यम से जानकारी मिली है कि वार्ड नं. 6 में नल में गंदा पानी आ रहा है, इस संबंध में पीएचई विभाग को अवगत करवा दिया गया है, जिनके द्वारा अगर पाइपलाइन में खराबी होगी तो उसे जल्द दुरूस्त करने आश्वस्त किया है।

परसराम पटले
सचिव
ग्राम पंचायत मोहगांव ध.।

आज हर्षोल्लास के साथ मनाया जायेगा दीपावली का पर्व

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। हिंदू धर्मावलंबियों का पांच दिवसीय दीपोत्सव पर्व 6 नवंबर को धनतेरस से शुरू हो चुका है। इसी कड़ी में कार्तिक अमावस्या के पावन अवसर पर खुशहाली, समृध्दि तथा अंधकार पर प्रकाश की विजय का महापर्व दीपावली आज 8 नवंबर को लालबर्रा सहित पूरे अंचल में बड़े ही हर्षोल्लास एवं धूमधाम के साथ मनाया जायेगा। दीपोत्सव पर्व को लेकर हिन्दू धर्मालंबियों में खासा उत्साह देखा जा रहा है। वहीं क्षेत्रीयजन विगत कई दिनों से अपने घरों, दुकानों एवं व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की साफ-सफाई और रंग-रोगन के कार्य में जुटे हुए थे। जिसके पश्चात घरों व दुकानों को आकर्षक लाइटिंग से सजाया गया है।

लालबर्रा के मुख्य बाजार में लोगों की भारी भीड़ उमड़ी। नागरिकों ने माता लक्ष्मी, भगवान श्री गणेश एवं माता सरस्वती जी की प्रतिमाएं, फोटो, दीये, बाती, लाई-बताशे, कमल व गेंदे के फूलों की माला, आम के पत्तों का तोरण, सजावटी सामान, पूजन सामग्री, नारियल, पटाखे, रंगोली और झाड़ूआदि सामग्रियों की जमकर खरीदारी की। लंबे समय बाद बाजार में लौटी इस चहल-पहल से व्यापारी वर्ग भी काफी उत्साहित है और उनके व्यापार में अच्छी तेजी देखी जा रही है।



शुभ मुहूर्त में होगी धनलक्ष्मी की पूजा-अर्चना

आज 8 नवंबर को शुभ मुहूर्त में प्रथम पूज्य भगवान श्री गणेश, माता धनलक्ष्मी और माता सरस्वती जी की विधिवत पूजा-अर्चना की जायेगी। पर्व को लेकर सुबह से ही घरों में आम के पत्तों का तोरण, केले के पत्तों का बंदनवार, विविध रंगों की मनमोहक झालरें, आकाश दीप और सितारों की सजावट की जा रही है। शाम होते ही पूरे अंचल का घर-आंगन दीपों की रोशनी से जगमगा उठेगा और आकर्षक रंगोलियों के साथ आतिशबाजी की जायेगी। आपको बता दे कि हिन्दू धर्मालंबियों का 5 दिवसीय विशेष दीप पर्व दीपावली धनतेरस 6 नवंबर से प्रारंभ हो गया है जिसमें धनतेरस के दूसरे दिन 7 नवंबर को नरक चौदस मनाई गई, तीसरे दिन 8 नवंबर को माँ धनलक्ष्मी की पूजा अर्चना कर दीपावली पर्व, 9 नवंबर को गोवर्धन पर्वत की पूजा की जायेगी एवं दीपावली पर्व के अंतिम दिन 10 नवंबर को गाय खेलनी के साथ ही भाईदूज का पर्व बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया जायेगा। इस तरह से संपूर्ण लालबर्रा क्षेत्र में दीपोत्सव का यह महापर्व आपसी भाईचारे, उमंग और उल्लास के वातावरण में मनाया जा रहा है।

बाजार में लौटी रौनक, व्यापारियों के चेहरे खिले

त्योहार के मद्देनजर बाजार में जमकर खरीदारी हुई, जिससे पूरा मार्केट गुलजार नजर आया। 7 नवंबर को खरीददारों के लिये एक बार फिर मार्केट के समीप स्थित शास. उत्कृष्ट विद्या. खेल मैदान में 6 नवंबर से पटाखा दुकानें सज गई है। विदित हो कि शासन से अस्थाई लाइसेंस मिलने के बाद राजस्व विभाग के द्वारा लॉट प्रक्रिया के माध्यम से 48 दुकानें आबंटित की गई है जिसमें भिन्न-भिन्न प्रकार के पटाखे ग्राहकों की खरीदारी के लिये मौजूद है। सभी दुकानों में सुरक्षा की दृष्टि से रेत, फायर सिलेण्डर व पानी की व्यवस्था मौजूद है इसके अलावा मोटरसाइकिलों को पटाखा दुकानें से दूर रखने के लिये परिसर का दायरा निर्धारित किया गया है। स्कूल मैदान में 6 नवंबर से फटाखा दुकानें व्यापारियों द्वारा सजाई गई है, लेकिन 6 एवं 7 नवंबर इन दो दिनों में पटाखा दुकानों में ग्राहक बहुत कम संख्या में पहुंचे है। वहीं कुछ दुकानदार तो ग्राहकों का इंतेजार भी करते नजर आये जिससे दुकानदारों को निराशा का सामना करना पड़ा। वहीं लक्ष्मीपूजन के अवसर पर 8 नवंबर को पटाखा दुकानों में रौनक बढ़ने की संभावना जताई जा रही है परन्तु पिछले वर्ष की अपेक्षानुरूप व्यापार बहुत मंदा चल रहा है।

नियमों का पालन नही करने पर की जायेगी कार्यवाही - विनोद

नायब तहसीलदार विनोदकुमार कोर्राम ने बताया कि पटाखा बाजार में सुरक्षा मानकों की प्राथमिकता दी जा रही है। जांच में पाया गया कि अधिकांश दुकानों में आपात स्थिति से निपटने के लिए अग्निशमन यंत्र लगाये गये है। वहीं कुछ दुकानों में हल्की कमियां पाई गई, जिस पर संबंधित दुकानदारों को तत्काल प्रभाव से सुधार करने के सख्त निर्देश दिये गये। साथ ही यह भी बताया कि 8 नवंबर को भी पटाखा दुकानों का निरीक्षण किया जायेगा और जो दुकानदार शासन के नियमों का पालन नही करेंगें उनके विरूध्द वैधानिक कार्यवाही की जायेगी।

बम डिस्पोज टीम और नायब तहसीलदार ने पटाखा दुकानों का किया निरीक्षण

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। दीपावली के पावन पर्व और त्यौहारी सीजन को देखते हुए प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड़ पर आ गया है। नगर मुख्यालय के शास. उत्कृष्ट विद्यालय खेल मैदान में अस्थाई लायसेंस धारियों के द्वारा पटाखों की दुकानें लगाई गई है। सुरक्षा व्यवस्था एवं नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से 7 नवंबर को दोपहर में बालाघाट की बम डिस्पोज टीम (बीडीएस) लालबर्रा मुख्यालय स्थित उत्कृष्ट विद्यालय खेल मैदान पहुंचा और बम डिस्पोजल बालाघाट के टीम के द्वारा पटाखा दुकानों का निरीक्षण किया गया। जिसमें उन्होने पटाखा दुकानों में पहुंचकर बिना नाम के पटाखों व प्रतिबंधित फटाखों का विक्रय तो नही हो रहा है एवं सुरक्षा के पुख्ता इंतेजाम है या नही सहित अन्य जानकारी ली और दुकानदारों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। वहीं 7 नवंबर को दोपहर करीब 3 बजे नायब तहसीलदार विनोदकुमार कोर्राम राजस्व टीम के साथ उत्कृष्ट विद्या. खेल मैदान पहुंचकर पटाखा दुकानों का निरीक्षण कर सभी दुकानदारों को आवश्यक दिशा-निर्देश देकर शासन के नियमों के अनुसार सुरक्षा के पुख्ता इंतेजाम रखने की हिदायत दी। ताकि किसी प्रकार का कोई हादसा घटित न हो सके। वहीं इस निरीक्षण के दौरान दो पटाखा दुकानों में फायर सेफ्टिंग नही होने पर तत्काल व्यवस्था करने हिदायत दी, जिसके बाद दुकानदार ने तत्काल फायर सेफ्टिंग (गैस) की व्यवस्था की। साथ ही पटाखा दुकानदारों से अपनी-अपनी दुकान के सामने सुरक्षा की पुरी व्यवस्था रखे जाने एवं नियमों का पालन नही करने पर कार्यवाही करने की हिदायत दी है।



उत्कृष्ट विद्यालय खेल मैदान में सज गई पटाखों की दुकाने

दीपावली पर्व का खास आकर्षण आतिशबाजी होता है और ग्राहकों की पटाखा

दो साल से मनरेगा मटेरियल का भुगतान अटका, ग्राम पंचायतों में ठप पड़े विकास कार्य

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) (जिरामजी) के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में विकास के पहिए थमते नजर आ रहे हैं। पिछले दो वर्षों से मनरेगा के अंतर्गत मटेरियल (सामग्री) का भुगतान न होने के कारण ग्राम पंचायतों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। भुगतान न मिलने के कारण एक तरफ जहां वेंडर्स और दुकानदार आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ मजदूरों की आजीविका पर भी संकट के बादल मंडराने लगे हैं। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली 77 ग्राम पंचायतों का कुल साढ़े तीन करोड़ रूपये का भुगतान दो साल से अटका हुआ है एवं मजदूरी भुगतान हुआ है लेकिन गत 15 दिनों का मजदूरी भुगतान भी नही हो पाया है। इस तरह से करीब दो वर्ष से मटेरियल का भुगतान नही होने से सरपंच-सचिवों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, उन्हे उम्मीद थी कि दीपावली पर्व शुरू होने के पहले ही मटेरियल का भुगतान हो जायेगा। लेकिन नही हुआ, ऐसी स्थिति में उनकी भी दीपावली पर्व फीकी पड़ने की कगार पर है।

सामग्री के अभाव में ठप पड़ रहे निर्माण कार्य

आपको बता दे कि मनरेगा योजना के तहत पूर्व में पंचायत क्षेत्रों में अनेक विकास कार्य हुए हैं, जिसके बाद शासन के द्वारा मनरेगा योजना का नाम बदलकर अब जिरामजी योजना (पोर्टल) शुरू की गई है। लेकिन करीब दो वर्ष से मनरेगा योजना के तहत पंचायत में अनेक विकास कार्य हुए है लेकिन लालबर्रा जनपद पंचायत अंतर्गत के 77 ग्राम पंचायतों का साढ़े तीन करोड़ का भुगतान अब तक नही हो पाया है जिससे सबसे अधिक परेशान सरपंच-सचिव है। वहीं पंचायत के प्रतिनिधियों का कहना है कि निर्माण कार्यों की गति देने के लिए ईंट, सीमेंट, रेत और अन्य सामग्री की आवश्यकता होती है, लेकिन पिछले दो वर्षों से मटेरियल का भुगतान लंबित होने के कारण स्थानीय दुकानदारों और वेंडर्स ने ग्राम पंचायतों को उधार में सामग्री देने से साफ इंकार कर दिया है। दुकानदारों का कहना है कि पुराना बकाया भुगतान ही नहीं मिल रहा है, ऐसे में वे आगे और माल सप्लाई नहीं कर सकते। स्थिति यह हो गई है कि जब पंचायतों में विकास कार्य के लिए सामग्री ही उपलब्ध नहीं होगी, तो मजदूर काम क्या करेंगे? सामग्री न होने के कारण मजदूर भी अब काम पर आने से कतराने लगे हैं।

दुकानदार और हितग्राही सीधे तौर पर सरपंचों को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं - ओमप्रकाश

औल्याकहार सरपंच प्रतिनिधि ओमप्रकाश बिसेन ने बताया कि पिछले दो वर्षों से मनरेगा के तहत मटेरियल (सामग्री) का भुगतान उप पड़ा है और दुकानदार हमें सामग्री देने से मना कर रहे है जिससे सरपंच-सचिव खास परेशान हैं। हमारी पंचायत का 5 से 6 लाख का मटेरियल भुगतान रूका हुआ है जिससे पंचायत के विकास कार्य प्रभावित हो रहे है। सरकार द्वारा मनरेगा के स्थान पर लाये गये 'जिरामजी' पोर्टल को लेकर सरपंचों में भारी नाराजगी है। इस पोर्टल के माध्यम से पंचायतों को न तो कोई नया काम मिल रहा है और न ही समय पर राशि आवंटित हो रही है। समय पर भुगतान नही होने से स्थानीय दुकानदार और हितग्राही सीधे तौर पर सरपंचों को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। साथ ही 181 पर लगातार शिकायतें दर्ज करा रहे हैं, जिससे सरपंच मानसिक प्रताड़ना और ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। श्री बिसेन ने बताया कि मटेरियल का समय पर भुगतान न होने से सरपंचों का इस दीपावली पर 'दिवाला' निकलने की स्थिति बन गई है।

दुकानदारों ने सामग्री देना किया बंद - अनीस

पांडरबानी सरपंच अनीस खान ने बताया कि दो वर्ष से मनरेगा के मटेरियल का भुगतान नहीं हो पा रहा है, जिससे वेंडर्स और मजदूरों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थिति यह हो गई है कि बकाया भुगतान न मिलने के कारण स्थानीय दुकानदारों ने ग्राम पंचायतों को उधार में सामग्री मटेरियल देने से आनाकानी करते हुए बिल्कुल बंद कर दिया है। श्री खान ने बताया कि मजदूरों का भुगतान समय पर नही हो रहा है और किसी भी निर्माण कार्य के लिए सामग्री ईंट, सीमेन्ट, रेत, लोहा आदि सामग्री सबसे आवश्यक होती है। जब पंचायतों में निर्माण कार्य के लिए मटेरियल ही नहीं आयेगा तो मजदूर आखिर काम क्या करेंगे, सामग्री के अभाव में तमाम विकास कार्य उप पड़े हैं। शासन-प्रशासन से मांग है कि पिछले दो वर्षों से रूका हुआ भुगतान जल्द करें।

इनका कहना है-

दो वर्ष से मटेरियल का भुगतान नही हुआ है और 77 ग्राम पंचायतों का करीब साढ़े तीन करोड़ का भुगतान शेष है एवं मजदूरी भुगतान हो रहे है। इस समस्या से उच्चाधिकारियों को अवगत करवा दिया गया है, शासन स्तर से ही लंबित है।

रूपेश इवने
एपीओं
जनपद पंचायत लालबर्रा।



वन विभाग ने पकड़े खैर से भरे ट्रक की ६ घन मीटर लकड़ी मिली अवैध

जांच पर विभाग ने दो आरोपियों के खिलाफ वन अपराध किया दर्ज





पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।
वारासिवनी वन विभाग की टीम ने रात्रिकालीन गश्त के दौरान खैर प्रजाति की लकड़ी से भरे एक ट्रक को पकड़ने में सफलता हासिल की है। ट्रक में परिवहन की जा रही लकड़ी की मात्रा और महाराष्ट्र वन विभाग के द्वारा जारी परिवहन अनुज्ञा पत्र में दर्ज मात्रा के बीच अंतर पाए जाने पर विभागीय अधिकारियों ने संयुक्त जांच की। जांच में ट्रक में परमिट में दर्शाई गई मात्रा से लगभग ६ घन मीटर अधिक लकड़ी लोड होना पाया गया। इसके बाद वन विभाग ने भारतीय वन अधिनियम १९२७ एवं मध्यप्रदेश अभिवहन वनोपज नियमों के उल्लंघन के मामले में दो व्यक्तियों के विरुद्ध वन अपराध प्रकरण दर्ज करते हुए ट्रक क्रमांक आर जे ११ जे बी ३६५३ को खैर की लकड़ी सहित जब्त कर लिया है।

महाराष्ट्र से मध्यप्रदेश में खैर की लकड़ी का हो रहा था परिवहन

प्राप्त जानकारी के अनुसार मुख्य वन संरक्षक वनवृत्त बालाघाट एवं वनमंडलाधिकारी दक्षिण सामान्य वनमंडल बालाघाट के निर्देशन में वन विभाग के द्वारा क्षेत्र में अवैध लकड़ी कटाई और उसके परिवहन पर निगरानी रखी जा रही है। इसी क्रम में ३ नवंबर को रात्रिकालीन गश्त के दौरान उपवनमंडलाधिकारी कटंगी यशपाल मेहरा को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि खैर प्रजाति की लकड़ी से भरा एक ट्रक वारासिवनी नगर की ओर से गुजरने वाला है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए वन परिक्षेत्र अधिकारी वारासिवनी एवं वन अमले की टीम सक्रिय हुई और जय स्तंभ चौक स्थित पुलिस थाना वारासिवनी के सामने ट्रक क्रमांक आर जे ११ जे बी ३६५३ को रोककर जांच की गई। ट्रक की तलाशी लेने पर उसमें बड़ी मात्रा में खैर प्रजाति की लकड़ी लदी हुई पाई गई। लकड़ी के परिवहन से संबंधित अनुज्ञा पत्र की जांच के दौरान उसमें दर्ज मात्रा को लेकर अधिकारियों को संदेह हुआ। इसके बाद उक्त ट्रक को वन परिक्षेत्र कार्यालय वारासिवनी परिसर में लाकर खड़ा करवाया गया। जहां लकड़ी की वास्तविक मात्रा और परिवहन संबंधी दस्तावेजों की विस्तृत जांच प्रारंभ की गई।

महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश के वन अधिकारियों ने की संयुक्त जांच

मामले की गंभीरता को देखते हुए५ एवं ६ नवंबर को महाराष्ट्र शासन वन विभाग के भंडारा डिवीजन के सहायक वन संरक्षक एवं वन परिक्षेत्र अधिकारी तुमसर तथा मध्यप्रदेश वन विभाग के उपवनमंडल कटंगी के सहायक वन संरक्षक एवं वन परिक्षेत्र अधिकारी वारासिवनी सामान्य द्वारा संयुक्त रूप से जांच की गई। इस दौरान ट्रक में लोड खैर प्रजाति की लकड़ी को खाली करवाकर उसकी भौतिक मात्रा का सत्यापन किया गया। साथ ही महाराष्ट्र वन विभाग द्वारा जारी परिवहन अनुज्ञा पत्र में दर्शाई गई लकड़ी की मात्रा का भी मिलान किया गया। संयुक्त जांच में सामने आया कि महाराष्ट्र के भंडारा जिले की तुमसर तहसील अंतर्गत ग्राम सिहोरा निवासी मंगीधर बल्द प्रभुदास रहांगडाले द्वारा जारी परिवहन अनुज्ञा पत्र में दर्शाई गई मात्रा से लगभग ६ घन मीटर अधिक खैर की लकड़ी ट्रक में लोड कर परिवहन की जा रही थी। इस प्रकार दस्तावेजों में दर्ज मात्रा और वास्तविक रूप से परिवहन की जा रही लकड़ी की मात्रा में अंतर पाया गया।

दो व्यक्तियों के विरुद्ध वन अपराध प्रकरण दर्ज , ट्रक जब्त

संयुक्त जांच एवं दस्तावेजों के परीक्षण के बाद वन विभाग ने इसे वन एवं वनोपज परिवहन संबंधी नियमों का उल्लंघन माना। वन परिक्षेत्र अधिकारी वारासिवनी द्वारा भारतीय वन अधिनियम १९२७ की धारा ४१ तथा मध्यप्रदेश अभिवहन वनोपज नियम २००० यथा संशोधित मध्यप्रदेश अभिवहन वनोपज नियम २०२२ के नियम ३ एवं १४.४ के उल्लंघन के मामले में वन अपराध प्रकरण क्रमांक १२७८३/०७ दिनांक ६ नवंबर २०२६ को दर्ज किया गया। इस प्रकरण में महाराष्ट्र के भंडारा जिले की तुमसर तहसील के ग्राम सिहोरा निवासी मंगेश्वर बल्द प्रभुदास रहांगडाले एवं उत्तरप्रदेश के मथुरा जिले के नवागांव निवासी गुरुपाल सिंह सिसोदिया के विरुद्ध कार्यवाही की गई है। वन विभाग द्वारा ट्रक क्रमांक आर जे ११ जे बी ३६५३ को उसमें लदी खैर की लकड़ी सहित जब्त कर लिया गया है। फिलहाल मामले में आवश्यक विधेचना जारी है। वन विभाग की इस कार्यवाही से लकड़ी के अवैध परिवहन में संलिप्त लोगों में हड़कंप की स्थिति है। वहीं अंतरराज्यीय स्तर पर लकड़ी के परितहन में दस्तावेजों की जांच और संयुक्त कार्यवाही को वन संपदा की सुरक्षा की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

रूपचौदस पर बाजार में दिनभर रही रौनक, देर रात तक ग्राहकों ने की जमकर खरीदारी

सराफा ,कपड़ा , बर्तन और मिठाई की दुकानों पर हुई खरीदी

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर में कार्तिक कृष्ण पक्ष को चतुर्दशी यानी रूपचौदस या नरक चतुर्दशी के अवसर पर शहर के बाजारों में जबरदस्त चहल पहल और रौनक देखने को मिली। धनतेरस के बाद रूपचौदस पर भी खरीदारी का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। सुबह से ही शहर के मुख्य बाजारों में ग्राहकों की भीड़ जुटने लगी जो देर रात तक जारी रही।

सराफा और कपड़ा बाजार में सबसे ज्यादा चमक

रूपचौदस पर सराफा बाजार में विशेष चमक दिखाई दी। लोगों ने दीपावली के मुख्य पर्व से ठीक पहले सोने और चांदी के आभूषणों सिक्कों की जमकर खरीदारी की। वहीं कपड़ा बाजार में भी त्योहार के नए परिधान खरीदने के लिए परिवारों की भारी भीड़ उमड़ी। साड़ियों,रेडीमेड कपड़ों और बच्चों के पहनावे की दुकानों पर पैर रखने तक की जगह नहीं थी।

बर्तन और मिठाई दुकानों पर लगी कतारें

बर्तन बाजार में भी लोगों ने तांबे, पीतल और स्टील के बर्तनों की खरीदारी की। वहीं मिठाई की दुकानों पर दीपावली पूजन और रिश्तेदारों को उपहार स्वरूप देने के लिए मेवे, सोनपापड़ी और पारंपरिक मिठाइयों की अग्रिम बुकिंग और खरीदारी चलती रही। इसके अलावा सजावटी सामान, रंगोली के रंग, दीये और पूजा सामग्री की दुकानों पर भी दिनभर भीड़ बनी रही।

रूप निखार और यम दीपदान की परंपरा

धार्मिक मान्यता के अनुसार रूपचौदस के दिन तड़के उबटन अभ्यंग स्नान लगाकर स्नान करने और सौंदर्य निखारने की परंपरा निभाई गई। महिलाओं और युवाओं में इस दिन को लेकर विशेष उत्साह देखा गया। संध्या काल में श्रद्धालुओं ने यमराज के निमित्त चौमुखी दीपक जलाकर यम दीपदान किया और परिवार की आरोग्यता व अकाल मृत्यु से रक्षा की कामना की। व्यापारियों के अनुसार धनतेरस के बाद रूपचौदस पर भी बेहतर कारोबार हुआ है अब सभी को दीपावली के मुख्य पर्व पर होने वाली महालक्ष्मी पूजा का इंतजार है।







एसडीएम ने पटाखा बाजार का किया निरीक्षण

सुरक्षा मानकों का पालन नहीं करने पर ७ दुकानदारों को दिया नोटिस

नियमों का पालन नहीं करने पर पटाखा दुकानों के लाइसेंस निरस्त करने दी चेतावनी

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। दीपावली पर्व आवश्यक सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। एसडीएम श्रीश प्यासी ने पटाखा विक्रेताओं को स्पष्ट चेतावनी दी कि सुरक्षा मानकों की अनदेखी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी दुकानदार निर्धारित नियमों का पालन सुनिश्चित करें। अन्यथा संबंधित पटाखा दुकानों के लाइसेंस निरस्त करने की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि पटाखा बाजार में सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन की प्राथमिकता है, ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना को रोका जा सके।



के मद्देनजर पटाखा बाजार में सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए वारासिवनी एसडीएम श्रीश प्यासी ने बीती रात्रि पटाखा बाजार का निरीक्षण किया। इस दौरान थाना प्रभारी अनुप उइके एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी सूर्य प्रकाश उके मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान एसडीएम ने पटाखा विक्रेताओं की दुकानों में सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया और सभी विक्रेताओं को निर्धारित नियमों एवं सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए। निरीक्षण में ७ पटाखा विक्रेताओं को नोटिस जारी कर तत्काल सभी अनियमितताओं को दूर करने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने चेतावनी दी कि नियमों का उल्लंघन करने वाले दुकानदारों के लाइसेंस निरस्त करने के साथ-साथ आवश्यक कार्रवाई भी की जाएगी।

सिविल लाइंस स्थित कचहरी मंडई का आयोजन १४ को

इंडियन आईडल की उपविजेता गायिका वैशाली रैकवार देगी प्रस्तुती

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। स्थानीय सिविल लाइंस वार्ड क्रमांक १५ स्थित कचहरी मंडई समिति के द्वारा १४ नवंबर २०२६ को दिन एवं रात्रि मंडई मेला का आयोजन किया जा रहा है। आयोजन के अंतर्गत रात्रि ८ बजे से रंगारंग ऑर्केस्ट्रा कार्यक्रम अपनी प्रस्तुती देगी। इसके साथ ही अंतरराज्यीय डांस प्रतियोगिता भी आकर्षण का केंद्र रहेगी। डांस प्रतियोगिता में महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, गुजरात एवं झारखंड के विभिन शहरों से आने वाले डांस ग्रुप अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को समिति की ओर से पुरस्कृत किया जाएगा। प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार के रूप में शील्ड एवं २० हजार रुपये, द्वितीय पुरस्कार शील्ड एवं १५ हजार रुपये, तृतीय पुरस्कार शील्ड एवं १० हजार रुपये तथा चतुर्थ पुरस्कार शील्ड एवं ५ हजार रुपये प्रदान किए जाएंगे। समिति ने नगर एवं क्षेत्र के नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर मंडई मेला एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आनंद लेने तथा आयोजन को सफल बनाने की अपील सिविल लाइंस गणेशोत्सव समिति के अध्यक्ष शलभ बैस ,मंडई आयोजन समिति के अध्यक्ष आशुतोष कोहाड़े, संयोजक अस्लान खान ने की है।

कोस्ते पुलिया क्षतिग्रस्त प्रशासन मौन

अंधा मोड़ गहरा ढलान और टूटी रेलिंग से दुर्घटनाओं की बड़ी संभावना





पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।
वारासिवनी जनपद पंचायत के अंतर्गत आने वाले ग्राम कोस्ते के प्रारंभ में नाले की पुलिया इन दिनों राहगीरों के लिए परेशानी बना हुआ है। डोंगरमाली मार्ग पर स्थित यह पुलिया धीरे धीरे एक बड़े ब्लैक स्पॉट में तब्दील हो चुकी है। जहाँ बीते कुछ ही दिनों में कई गंभीर सड़क हादसे घटित हो चुके हैं। इसके बावजूद शासन प्रशासन की ओर से सुरक्षा के कोई इंतजाम नहीं किए गए है जिससे ग्रामीणों और राहगीरों में गहरा आक्रोश व्याप्त है।

रोजाना हजारों वाहनों का आवागमन

प्राप्त जानकारी के अनुसार यह नाला ग्राम सिकंदा और कोस्ते की सरहद निर्धारित करता है। डोंगरमाली मार्ग का यह हिस्सा बेहद व्यस्तम मार्गों में से एक है जहाँ से रोजाना हजारों की संख्या में छोटे बड़े वाहनों का आना जाना होता है। क्षेत्र के बड़ी संख्या में ग्रामीण अपनी दैनिक आवश्यकताओं, रोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य संबंधी कार्यों के लिए इसी मार्ग से होकर वारासिवनी मुख्यालय पहुँचते हैं। ऐसे में इस क्षतिग्रस्त पुलिया की वजह से हर पल किसी बड़ी अनहोनी की आशंका बनी रहती है। कोस्ते ग्राम की ओर जाते समय यहाँ एक गहरा ढलान है जिसके तुरंत बाद एक खतरनाक अंधा मोड़ आता है। सड़क इतनी संकरी है कि जब सामने से कोई भारी वाहन जैसे ट्रक, ट्रैक्टर या डंपर आता है तो मोटरसाइकिल चालकों या पैदल चलने वालों को मजबूरी में सड़क से नीचे उतरना पड़ता है। सड़क के किनारे साइड शोल्डर पूरी तरह से ध्वंस चुके हैं इस पुलिया की सुरक्षा रेलिंग पूरी तरह से टूट चुकी है। लोगों के लिए यह टूटी रेलिंग और अंधिक जानलेवा साबित हो रही है। पुलिया के किनारे बिखरे सीमेंट के ९ इंची ब्लॉक और बाहर की ओर निकले नुकीले लोहे के सरियों से टकराकर कई बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो चुके हैं। ग्रामीणों ने मांग की है कि इस पुलिया के दोनों ओर आवश्यक चेतावनी बोर्ड लगा कर साइड शोल्डर को दुरुस्त कर आवश्यक कार्य किया जाये।

कोस्ते पुलिया की रेलिंग दोनों तरफ से क्षतिग्रस्त हो गई-अनिल भीमटे

राहगीर अनिल भीमटे ने बताया की रोजाना इसी मार्ग से हमारा आना जाना है यह जो पुलिया है कोस्ते का है और इसकी रेलिंग दोनों तरफ से क्षतिग्रस्त हो गई है एक तरफ तो पूरी रेलिंग ही गायब है। आवागमन में डर बना रहता है जब पुलिया पर हम पहुंचते हैं और अचानक कोई बड़ा वाहन आ जाता है तो गिरने का डर लगा रहता है। वहीं एक तरफ तेज ढलान और दूसरी तरफ अंधा मोड़ है। आवागमन मुश्किल है मगर यह इकलौता रास्ता है इसलिए हम सभी आना जाना यहीं से करते है विभाग को इस पर ध्यान देना चाहिए।

कोस्ते पुलिया लंबे समय से क्षतिग्रस्त ग्रामीणों ने प्रशासनिक अधिकारियों को शिकायत भी की-शंकरलाल

शंकरलाल ने बताया की कोस्ते पुलिया बहुत समय से क्षतिग्रस्त है इसके लिए ग्रामीणों के द्वारा प्रशासनिक अधिकारियों को शिकायत भी की गई है पर किसी ने आज तक ध्यान नहीं दिया है। हर समय दुर्घटना की संभावना बनी रहती है कई बार हादसे भी हुए हैं पर प्रशासन के द्वारा कोई गंभीरता अभी तक नहीं दिखाई गई है। जबकि यह महाराष्ट्र को जोड़ने वाला मार्ग है जहां से यातायात बढ़ चुका है सड़क भी बहुत सकरी है इसमें सुरक्षा मानको पर ध्यान विभाग को देना चाहिए।

खैरी में ग्रामीण स्तरीय टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

खेल ना सिर्फ शारीरिक विकास बल्कि आपसी सद्भावना को मजबूत बनाते है-प्रदीप जायसवाल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। खैरलांजी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत खैरी में न्यू हिंदी क्रिकेट क्लब के तत्वावधान में आयोजित ग्रामीण स्तरीय टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता का समापन समारोह हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस गरिमामयी आयोजन में मुख्य अतिथि पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल शामिल हुए। समारोह के दौरान उन्होंने मैदान पर पहुंचकर सभी खिलाड़ियों से व्यक्तिगत रूप से परिचय प्राप्त किया और उनका उत्साहवर्धन किया। खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कहा कि ग्रामीण अंचलों में इस तरह के खेल आयोजनों से स्थानीय प्रतिभाओं को अपनी खेल क्षमता और कौशल को बड़े स्तर पर प्रदर्शित करने का बेहतरीन मंच मिलता है। खेल ना सिर्फ शारीरिक विकास करते हैं, बल्कि युवाओं में अनुशासन, टीम भावना और आपसी सद्भाव की भावना को भी मजबूत बनाते हैं। इस अवसर पर जनपद सदस्य दिनेश तीतरमारे ,सरपंच रामप्रसाद तीतरमारे ,पूर्व सरपंच भारत गिरी गोस्वामी ,वैभव गिरी, विलास लिल्हारे, रविंद्र लिल्हारे सुमित गोंदुड़ेए राहुल बनकर एवं दिनेश गोंदुड़े सहित क्षेत्र के कई गणमान्य नागरिक और जनप्रतिनिधि विशेष रूप से उपस्थित रहे।



दीपावली पर वन एवं वन्यप्राणियों की सुरक्षा के लिए वन विभाग ने बढ़ाई निगरानी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। दीपावली पर्व के दौरान वन एवं वन्यप्राणियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा अवैध शिकार एवं वन अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए वन विभाग द्वारा विशेष निगरानी और गश्ती अभियान संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में वन परिक्षेत्र हट्टा सामान्य एवं किरनापुर सामान्य के विभागीय कर्मचारियों ने संयुक्त रूप से सघन गश्ती कर वन्यप्राणी बाहुल्य क्षेत्रों की निगरानी की। मुख्य वन संरक्षक वनवृत्त बालाघाट श्री गौरव चौधरी के निर्देशन एवं वनमंडलाधिकारी दक्षिण सामान्य वनमंडल बालाघाट श्री नित्यानंदन एल. के मार्गदर्शन में संचालित इस अभियान में उपवनमंडलाधिकारी बालाघाट सामान्य श्री गणेश उइके एवं उपवनमंडलाधिकारी लांजी सामान्य श्री अरविंद केने उपस्थित रहे। गश्ती के दौरान विद्युत लाइनों एवं जलस्रोतों के आसपास स्थित वन्यप्राणी बाहुल्य क्षेत्रों की विशेष निगरानी की गई। वन मार्गों और पगडंडियों की सघन जांच करते हुए अवैध शिकार के लिए लगाए जाने वाले फंदों तथा अन्य संदिग्ध गतिविधियों की पड़ताल की गई। इसके साथ ही वन क्षेत्र में स्थापित कैमरा ट्रैप का निरीक्षण किया गया और वन्यप्राणियों के लिए बनाए गए साल्ट लिक स्थलों की स्थिति की जांच कर फोटोग्राफी भी की गई। अभियान के दौरान वन क्षेत्र में मिले चरवाहों एवं ग्रामीणों से संवाद कर उन्हें वन एवं वन्यप्राणियों के संरक्षण के महत्व की जानकारी दी गई। ग्रामीणों को संबंधित उपवनमंडलाधिकारी, वन परिक्षेत्राधिकारी, परिक्षेत्र सहायक एवं बीट गार्ड के दूरभाष नंबर उपलब्ध कराए गए, ताकि वन्यप्राणियों के अवैध शिकार, संदिग्ध गतिविधियों अथवा वन अपराधों की सूचना तत्काल वन विभाग तक पहुंचाई जा सके। विद्युत लाइनों के आसपास वन्यप्राणियों की सुरक्षा के लिए प्रतिदिन इलेक्ट्रिक ट्रिप की जानकारी संकलित कर नियमित रूप से अभिलेख में दर्ज करने के निर्देश भी दिए गए। वहीं दीपावली पर्व को देखते हुए विशेष रात्रिकालीन गश्ती करने तथा दिन और रात दोनों समय अपने-अपने कार्यक्षेत्र में सघन एवं संयुक्त निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश विभागीय कर्मचारियों को दिए गए हैं। वन विभाग द्वारा वन एवं वन्यप्राणियों की सुरक्षा, अवैध शिकार की रोकथाम और वन अपराधों पर नियंत्रण के लिए जनसहभागिता के साथ इस प्रकार के गश्ती एवं निगरानी अभियान निरंतर संचालित किए जा रहे हैं।

सामाजिक जवाबदेही से दूर होता सिनेमा

सिनेमा कला का एक दृश्य और चलित माध्यम है। सिनेमा का समाज और सामाजिक चलन दोनों पर बेहद गहरा प्रभाव रहा है। कोई भी कला भले ही उसका रूप, रंग और अवधारणा कुछ भी हो समाज से बिल्कुल विलग नहीं रह सकती। कला सामाजिक और सांस्कृतिक संवाद को स्थापित करने और जारी रखने का कार्य करती है, किसी राष्ट्र, जाति और समुदाय की सांस्कृतिक विरासत को बनाए रखने में कला की महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है। कला व्यक्ति के अनुभवों को विस्तारित करते हुए उसकी संवेदना को नई दिशा देती है। सिनेमा समाज और संस्कृति से बहुत गहराई से जुड़ा होता है। वह समाज के मूल्यों, मान्यताओं और रहन-सहन को दिखाता है। इस तरह सिनेमा बहुत से व्यक्तियों के लिए स्वयं और अपने परिवेश को नए सिरे से समझने का माध्यम रहा है। किन्तु पिछले सालों में देखें तो कई अलग प्रवृत्तियाँ सिनेमा में ट्रेंड कर रही है। अब हमें यह सोचना पड़ रहा है कि सिनेमा अगर समाज का आईना है तो समाज बहुत नकारात्मक हो रहा है और अगर सिनेमा समाज को प्रभावित करने वाला एक गंभीर माध्यम है तो वह बहुत नकारात्मक आदर्श समाज के समक्ष रख रहा है। पिछले सालों में फिल्मों की प्रसिद्धि और सफलता के मानदण्डों को विश्लेषित करने से पता चलता है कि सिनेमा नकारात्मक भावनाओं और स्थितियों को लगातार भुना रहा है। वह समाज में अपवाद के रूप में उपस्थित गलत सोच और हिंसा को सामान्य की तरह पेश कर रहा है। वह व्यक्ति में नकारात्मक सपनों के बीज बो रहा है। समाज जिन तत्वों से दूर रहने की शिक्षा अब तक देता आया है वह उन सभी अपराधों और उनसे जुडे व्यक्तियों के जीवन को ग्लेमराइज करके प्रस्तुत रहा है। इस फिल्मी चकाचौंध से अर्द्ध शिक्षित जनता का बहुत बड़ा तबका प्रभावित होता है। इससे कम उम्र के अनेक लोग एक ऐसी दुनिया के सपने देख रहे हैं जिसके बारे में सोचने-समझने की सामर्थ्य उनमें नहीं होती। वे देखे हुए को ही सच मानकर इनमें से अपने आदर्श चुनते हैं और एक आभासी दुनिया में रहने लगते हैं। सिनेमा समाज में व्याप्त विसंगतियों और असमानताओं की ओर ध्यान दिलाने की बजाय एक चरम सोच को विकसित कर रहा है जहाँ हर व्यक्ति को सब कुछ ही चाहिए। और इन सब-कुछ को पाने के लिए वह हर जायज-नाजायज तरीकों का इस्तेमाल कर सकता है। सिनेमा अब सामाजिक मुद्दों और समस्याओं को प्रतिबिम्बित नहीं करता बल्कि उसका व्यावसायीकरण हो गया है। वह अब पूँजीवादी सपनों को रोपने का एक औजार भर रह गया है और फिल्मों से जुड़े सभी उद्योग विज्ञापन उद्योग बनकर रह गए हैं। वे जनमानस के सामने समाज और परिवार से कटे ऐसे व्यक्ति का खाका खींचते हैं जो कुछ भी हासिल कर सकता है और इनसे कुछ भी खरीद सकता है। किन्तु हम ध्यान नहीं देते कि पैसा कमाने और अपनी इच्छाएँ पूरी करने के बावजूद इतनी कुंठा कहाँ से आ रही है? क्यों सिनेमा के नायक गुस्से और अपराधों से भरे हैं, वे खुश क्यों नहीं हैं, उनके जीवन में दूसरे की भूमिका क्यों नहीं है? पारिवारिक आदर्श तो कब के लुप्त हो गए किन्तु व्यक्तिगत प्रेम में भी नैतिक मर्यादा और चाहत सर्वस्व होती थी। पिछले सालों में प्रेम की जगह प्रेम के नाम पर लोलुपता परोसी जा रही है। किसी शरीर को प्राप्त करने की लोलुपता से भरी जो भावनाएँ दिखाई जा रही है, वे किशोरों को कैसे आदर्श दिखा रही हैं? संतुलित व्यक्तित्वों की जगह विकृत मानसिकता वाले चरित्रों को ऐसे प्रस्तुत किया जा रहा है कि उनकी कमियाँ ही उनका व्यक्तित्व लगती हैं। यह कैसा दौर है कि कहीं कोई चीज संतुलित नहीं दिखती, हमारे स्वप्नों पर नशेड़ी और गुंडा मानसिकता का प्रभाव होता जा रहा है। हम उन नायकों पर कोई सवाल नहीं कर रहे हैं, बल्कि उनकी नकल कर रहे हैं।

धनतेरस से भाई दूज तक छह दिनों का दीपोत्सव महाकुंभ 2026!

वैश्विक स्तरपर धनतेरस से दीपावली और भाई दूज तक- छह दिनों का आध्यात्मिक,सांस्कृतिक और सामाजिक महोत्सव 6 नवंबर 2026 शुक्रवार को धनतेरस के साथ छह दिवसीय दीपोत्सव का शुभारंभ हो गया है,जिसका समापन 11 नवंबर बुधवार को भाई दूज के साथ होगा।भारत में दीपावली केवल एक धार्मिक त्योहार नहीं,बल्कि हजारों वर्षों की सांस्कृतिक विरासत, वैदिक दर्शन,पारिवारिक एकता, आर्थिक गतिविधियों पर्यावरणीय चेतना और सामाजिक सद्भाव का अद्भुत संगम है।इस दौरान देश के महानगरों से लेकर छोटे कस्बों और गांवों तक बाजारों की रौनक,घरों की सजावट दीपों की जगमगाहट,पूजा-अर्चना और खरीदारी का उत्साह देखते ही बनेगा।धनतेरस पर सोना,चांदी, पीतल, तांबा और नए बर्तनों की खरीदारी की परंपरा भारतीय परिवारों में समृद्धि और शुभारंभ की कामना का प्रतीक है। इसी दिन भगवान धन्वंतरि की आराधना करके आरोग्य और दीर्घायु की मंगलकामना बहुत ही भावपूर्ण मन से की गई। इस प्रकार दीपोत्सव का पहला संदेश ही स्पष्ट है कि वास्तविक धन केवल संपत्ति नहीं,बल्कि स्वस्थ शरीर,प्रसन्न मन और संतुष्ट परिवार भी है। मैं एडवोकेट किशन षणमुख दास भावना की गोंदिया महाराष्ट्र 6 नवंबर 2026 को शाम 6 बजे बाजारों की ग्राउंड रिपोर्टिंग कर पाया कि? धनतेरस से दीपोत्सव का शंखनाद हुआ,आस्था के साथ बाजारों में आर्थिक गतिविधियों का महाकुंभ!दीपावली का आगमन भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए भी विशेष महत्व रखता है।आभूषण वस्त्र,इलेक्ट्रॉनिक्स, वाहन,घरेलू उपकरण, मिठाइयाँ सजावटी सामग्री, मिट्टी के दीपकों और हस्तशिल्प से जुड़े व्यापारियों के लिए यह वर्ष का महत्वपूर्ण कारोबारी अवसर होता है।छोटेदुकानदारों,कारीगरों,कुम्हारों, महिला स्वयं सहायता समूहों और स्थानीय उत्पादकों को भी इस पर्व से रोजगार तथा आय के अवसर मिलते हैं। इसलिए दीपावली पर स्थानीय दुकानदारों और स्वदेशी उत्पादों को प्राथमिकता देना आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में सार्थक कदम हो सकता है।हालांकि उत्सव की चमक के बीच अनावश्यक कर्ज,दिखावे और प्रतिस्पर्धात्मक खरीदारी से सटिका से बचना भी आवश्यक है। साथियों,समृद्धि का वास्तविक अर्थ अपनी सामर्थ्य के अनुसार खर्च करना और खुशियां बांटना है।धन्वंतरि का अवतार और वैदिक दर्शन- आरोग्य ही जीवन का सबसे बड़ा धन।पौराणिक मान्यताओं के अनुसार समुद्र मंथन के दौरान भगवान धन्वंतरि अमृत कलश लेकर प्रकट हुए थे। उन्हें आयुर्वेद का प्रवर्तक और भगवान विष्णु का अंशावतार माना जाता है। धनतेरस पर उनकी पूजा का गहरा संदेश यह है कि मनुष्य को धन अर्जित करने के साथ अपने स्वास्थ्य की रक्षा को भी सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए। भारतीय परंपरामें पंचमहाभूत अर्थात आकाश, वायु, अग्नि, जल और पृथ्वी को जीवन तथा प्रकृति का आधार माना गया है। इन तत्वों के संतुलन और स्वच्छ पर्यावरण के बिना स्वस्थ जीवन की कल्पना संभव नहीं।इसी दिन प्रदोषकाल में यमदीपदान, मां लक्ष्मी और कुबेर की पूजा की परंपरा भी प्रचलित है। दीपदान को जीवन में शुभता, सुरक्षा और सकारात्मकता के प्रतीक के रूप में देखा जाता है। साथियों, दीपावली का वैदिक रहस्य- अंधकार पर प्रकाश और अज्ञान पर ज्ञान की विजय! दीपावली का आध्यात्मिक आधार केवल बाहरी रोशनी तक सीमित नहीं है।उपनिषदों में वर्णित प्रार्थना तमसो माँ ज्योतिर्गमय अर्थात हमें अंधकार से प्रकाश की ओर ले चलो, इस पर्व के मूल दर्शन को अभिव्यक्त करती है। पौराणिक मान्यता के अनुसार भगवान श्रीराम चौदह वर्षों का वनवास पूरा करके और रावण पर विजय प्राप्त करके अयोध्या लौटे थे। उनके स्वागत में अयोध्या वासियों ने दीप प्रज्वलित किए और तभी से दीपोत्सव की परंपरा को विशेष प्रतिष्ठा प्राप्त हुई।मां महालक्ष्मी के आठ स्वरूपों आद्यलक्ष्मी, विद्यालक्ष्मी,सौभाग्यलक्ष्मी,अमृतलक्ष्मी कामलक्ष्मी, सत्यलक्ष्मी,भोगलक्ष्मी और योगलक्ष्मी की अवधारणा समृद्धि के व्यापक अर्थ को सामने रखती है। वास्तविक लक्ष्मी केवल धन-संपत्ति नहीं, बल्कि विद्या,सौभाग्य, सदाचार स्वास्थ्य, संतोष और आध्यात्मिक उन्नति भी है।इसी संदर्भ में प्रचलित वैदिक प्रार्थना कराग्रे वसते लक्ष्मी: करमध्ये सरस्वती' मनुष्य को अपने कर्म, ज्ञान और ईश्वर के प्रति श्रद्धा का महत्व समझाती है। हाथों से अच्छे कर्म करना, किसी जरूरतमंद की सहायता करना और दूसरों का अहित न करना ही इस दर्शन का व्यावहारिक स्वरूप है। साथियों, लक्ष्मी-गणेश पूजन- धन के साथ सद्बुद्धि का अनिवार्य संगम! दीपावली की अमावस्या की रात्रि में महालक्ष्मी और भगवान गणेश की संयुक्त पूजा की परंपरा है।मां लक्ष्मी समृद्धि, वैभव और संपन्नता की प्रतीक हैं, जबकि गणेश जी बुद्धि, विवेक और शुभारंभ के अधिष्ठाता माने जाते हैं।इस पूजा का सामाजिक और आर्थिक संदेश अत्यंत महत्वपूर्ण है कि धन तभी कल्याणकारी बनता है, जब उसका उपयोग विवेक, ईमानदारी और लोकहित में किया जाए। सद्बुद्धि के बिना संपत्ति अहंकार, अनैतिकता और विनाश का कारण बन सकती है। इसलिए दीपावली हमें धन कमाने के साथ उसे सही दिशा में लगाने की प्रेरणा भी देती है। साथियों, नरक चतुर्दशी- बुराइयों के अंत और आंतरिक शुद्धता का संदेश! छोटी दीपावली के रूप में प्रसिद्ध नरक चतुर्दशी को भगवान श्रीकृष्ण द्वारा नरकासुर के वध की पौराणिक कथा से जोड़ा जाता है। यह पर्व अन्याय, अहंकार और नकारात्मकता के विनाश का प्रतीक है। प्रात:काल अभ्यंग स्नान, दीप प्रज्वलन और धार्मिक अनुष्ठानों की परंपरा प्रचलित है। इस अवसर पर मनुष्य को अपने भीतर मौजूद क्रोध, ईर्ष्या, लोभ और द्वेष जैसी बुराइयों को समाप्त करने का संकल्प लेना चाहिए। यही आंतरिक स्वच्छता दीपोत्सव को वास्तविक अर्थ प्रदान करती है। साथियों,गोवर्धन पूजा- गौसेवा अन्नकूट और प्रकृति संरक्षण का अनूठा संदेश! दीपावली के बाद कार्तिक शुक्ल प्रतिपदा को गोवर्धन पूजा और अन्नकूट महोत्सव मनाया जाता है। भगवान श्रीकृष्ण द्वारा गोवर्धन पर्वत उठाकर ब्रजवासियों की रक्षा करने की कथा प्रकृति,पर्यावरण और सामुदायिक एकता के महत्व को दर्शाती है। इस दिन गोबर से गोवर्धन पर्वत की प्रतीकात्मक आकृति बनाकर पूजा,परिक्रमा और अन्नकूट का आयोजन किया जाता है। गायों और बैलों को स्नान कराकर सजाया जाता है तथा धूप, दीप, पुष्प और माला से उनका पूजन किया जाता है। भारतीय ग्रामीण अर्थव्यवस्था में गोवंश का योगदान कृषि, दुग्ध उत्पादन और जैविक खाद के माध्यम से अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। गोवर्धन पूजा हमें प्रकृति के संसाधनों का सम्मान करने, पशुधन की रक्षा करने और अन्न का अपव्यय रोकने की प्रेरणा देती है। साथियों,भाई दूज-भाई-बहन के प्रेम,विश्वास और आजीवन रिश्ते का भावनात्मक महापर्व! छह दिवसीय दीपोत्सव का समापन 11 नवंबर को भाई दूज अथवा यम द्वितीया के साथ होगा। पौराणिक कथा के अनुसार सूर्यदेव की पत्नी छाया से यमराज और यमुना का जन्म हुआ था। यमुना अपने भाई यमराज को बार-बार अपने घर भोजन के लिए आमंत्रित करती थीं। कार्तिक शुक्ल द्वितीया को यमराज बहन के घर पहुंचे तो यमुना ने उनका आदर-सत्कार किया और भोजन कराया। प्रसन्न होकर यमराज ने वरदान मांगने को कहा। यमुना ने प्रार्थना की कि इस दिन जो बहन अपने भाई को तिलक लगाकर भोजन कराए, उसके भाई को अकाल मृत्यु का भय न रहे। तभी से भाई दूज पर बहनें भाई के मस्तक पर मंगल तिलक लगाकर उसकी दीर्घायु, स्वास्थ्य और सुख-समृद्धि की कामना करती हैं। यह पर्व केवल भाई की सुरक्षा का प्रतीक नहीं, बल्कि बहन के सम्मान, स्नेह, सुरक्षा और दोनों के आजीवन भावनात्मक संबंधों का उत्सव भी है। आज के बदलते सामाजिक परिवेश में इसका संदेश और भी महत्वपूर्ण है कि भाई-बहन एक-दूसरे के सुख-दुख में साथ खड़े रहें और महिलाओं के सम्मान तथा सुरक्षा को पारिवारिक संस्कार का अनिवार्य हिस्सा बनाएं। साथियों प्रदूषण पर सुप्रीम कोर्ट की सख्ती-उत्सव मनाइए लेकिन दूसरों की सांसों और स्वास्थ्य की कीमत पर नहीं! दीपोत्सव के उल्लास के बीच पर्यावरण संरक्षण एक बड़ी राष्ट्रीय जिम्मेदारी बनकर सामने आया है। दिल्ली-एनसीआर के संदर्भ में सुप्रीम कोर्ट ने 29 अक्टूबर 2026 के आदेश के तहत 7 और 8 नवंबर को प्रमाणित ग्रीन पटाखों के सीमित उपयोग की अनुमति दी है। इनके इस्तेमाल का समय सुबह 6 से 7 बजे और रात 8 से 10 बजे तक निर्धारित किया गया है। 9 नवंबर से पटाखों पर पूर्ववत पूर्ण प्रतिबंध बहाल होगा। अस्पतालों, नर्सिंग होम, स्वास्थ्य केंद्रों, वृद्धाश्रमों, शैक्षणिक संस्थानों और अधिसूचित साइलेंस जोन के 300 मीटर के दायरे में पटाखे चलाने पर रोक है। बैरियम युक्त पटाखों, सीरीज वाली लड़ियों तथा गैर-प्रमाणित पारंपरिक पटाखों पर भी प्रतिबंध लगाया गया है। केवल सीएसआईआर - नीरी से प्रमाणित और आवश्यक पीईएसओ अनुमोदन वाले ग्रीन पटाखों की निर्धारित बिक्री व्यवस्था लागू है। प्रत्येक पैकेट पर उत्पाद- विशिष्ट वैध क्यूआर कोड और सीलबंद पैकिंग की जांच आवश्यक है तथा ऑनलाइन बिक्री पर रोक है। इन निर्देशों का उल्लंघन कानूनी कार्रवाई को आमंत्रित कर सकता है। दिल्ली-एनसीआर में वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग के ग्रैप संबंधी निर्देशों तथा वाहनों के प्रदूषण प्रमाणपत्र और प्रवेश संबंधी लागू प्रतिबंधों का भी पालन आवश्यक है। यह ध्यान रखना चाहिए कि पटाखों के ये विशेष आदेश दिल्ली-एनसीआर के लिए हैं; अन्य राज्यों में स्थानीय प्रशासन और संबंधित प्रदूषण नियंत्रण प्राधिकरणों के नियम लागू होंगे। साथियों अमेरिका के व्हाइट हाउस में भी दीपावली का महादीपोत्सव मनाया गया, दीपावली की वैश्विक स्वीकार्यता और भारतीय संस्कृति के बढ़ते अंतरराष्ट्रीय प्रभाव का एक महत्वपूर्ण उदाहरण अमेरिका में देखने को मिल रहा है। शुक्रवार,6 नवंबर 2026 को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप व्हाइट हाउस के प्रतिष्ठित ओवल ऑफिस में दीपावली समारोह में शामिल होकर पारंपरिक दीप प्रज्वलित किए पांच अमेरिकी राज्यों के गवर्नरों और 20 से अधिक मेयरों ने भी मनाया भारतीय संस्कृति का पर्व।व्हाइट हाउस में दीपावली मनाने की परंपरा पूर्व राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू. बुश के कार्यकाल में शुरू हुई थी। वर्ष 2009 में तत्कालीन राष्ट्रपति बराक ओबामा व्हाइट हाउस में दीप प्रज्वलित करने वाले पहले अमेरिकी राष्ट्रपति बने थे। प्रारंभ में ये आयोजन मुख्यत: आइजनहावर एग्जीक्यूटिव ऑफिस बिल्डिंग में भारतीय- अमेरिकी समुदाय और भारतीय राजनयिकों की उपस्थिति में होते थे, लेकिन बाद में ईस्ट रूम, रूजवेल्ट रूम और ओवल ऑफिस तक पहुंचे। पिछले वर्ष भी राष्ट्रपति ट्रंप ने ओवल ऑफिस में दीपावली मनाई थी, जिसमें भारत के राजदूत विनय क्वात्रा शामिल हुए थे। इस वर्ष अमेरिका में दीपावली की स्वीकार्यता ने एक और महत्वपूर्ण मुकाम हासिल किया है। अमेरिकी प्रशांत उत्तर-पश्चिम क्षेत्र के पांच राज्यों इडाहो, नेब्रास्का, मोंटाना, नॉर्थ डकोटा और वाशिंगटन के गवर्नरों ने पहली बार अपने आधिकारिक सरकारी परिसरों में दीपावली समारोह आयोजित किए है।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

मज़बूत इच्छाशक्ति के आगे हर समस्या छोटी होती है

-किशन सनमुखदास भावनानी

सृष्टि रचनाकर्ता ने मानवीय जीव के रूप में बहुत ही खूबसूरत रचना कर उसमें अनेक गुण दोषों का संयोजन उसने कर दिया है और उनका चुनाव करने के लिए श्रेष्ठ बुद्धि कौशलता रुपी एक सशक्त अस्त्र भी दिया है, बस!अब अपने जीवन चक्र को सफलताओं या असफलताओं की ओर ले जाना मानवीय जीव के हाथ में है।माननीय जीवन ने गुणों के उनके गुणों में से एक इच्छाशक्ति महत्वपूर्ण गुण है जो सफलता की चाबी भी है,परंतु न जाने क्यों हम इसको अनदेखा कर देते हैं और हम असफल हो जाते हैं और उसका दोष किस्मत या सृष्टि रचनाकर्ता को देते हैं जबकि उसने मनुष्य जीव में गुणों का अंबार भरा है, बस!जरूरत है हमें अपने बुद्धि कौशलता से उसे पहचान कर प्रयोग करने की,तो सफलता आकर हमारे कदम चूमेगी।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि दृढ़ इच्छाशक्ति यह सफ़लताओं की चाबी है।मजबूत इच्छाशक्ति के आगे हर समस्या छोटी हो जाती है, क्योंकि प्रबल इच्छा शक्ति मुसीबतों से लड़ने की कुंजी है जिसके बल पर हम बड़ी से बड़ी पहाड़ तुल्य समस्याओं से भी यूं मुकाबला कर फ़तह हासिल कर सकते हैं।

साथियों हम सबके जीवन में कई बार ऐसी स्थितियां आती हैं, जब हमें लगता है कि सब कुछ गड़बड़ हो रहा है। ऐसी स्थिति में इच्छाशक्ति ही आपको मुसीबतों से लड़ने में मदद करती है। इस शक्ति के अंतर्गत दृढ़ निश्चय, आत्मविश्वास कार्य करने की अनवरत चेष्टा और अध्यवसाय आदि गुण आ जाते हैं। यह शक्ति मनुष्य के मुखमंडल पर अपूर्व तेज उत्पन्न करती है और आंखों में सम्मोहन का जादू लाती है।

साथियों बात अगर हम इच्छा शक्ति की परिभाषा की करें तो, इच्छाशक्ति वह वृत्ति चक्र है जिसके अंतर्गत प्रत्यय, अनुभूति इच्छा, गति या प्रवृत्ति, शरीर धर्म सबका योग रहता है। जो संकल्प को साकार करने का माध्यम बनती है वह इच्छाशक्ति कहलाती है। ऐसी बलवती इच्छा को जिसकी ज्योति अहर्निश कभी मंद न हो, उसे दृढ़ इच्छाशक्ति कहते हैं। हम सबके जीवन में कई बार ऐसी स्थितियां आती हैं, जब हमें लगता है कि सब कुछ गड़बड़ हो रहा है। ऐसी स्थिति में इच्छाशक्ति ही हमको मुसीबतों से लड़ने में मदद करती है। इस शक्ति के अंतर्गत दृढ़ निश्चय, आत्मविश्वास, कार्य करने की अनवरत चेष्टा और अध्यवसाय आदि गुण आ जाते हैं। यह शक्ति मनुष्य के मुखमंडल पर अपूर्व तेज उत्पन्न करती है और आंखों में सम्मोहन का जादू लाती है।

साथियों बात अगर हम दृढ़ इच्छाशक्ति के टाइमिंग की करें तो, जीवन में किसी भी चीज को पाने के लिए, मेहनत से पहले मजबूत इच्छाशक्ति का होना बेहद जरूरी है। जैसे, कई बार ऐसा होता है कि व्यक्ति शुरुआत में किसी चीज को पाना चाहता है लेकिन धीरे-धीरे उसका हौसला टूटने लगता है या उसका मन बदल जाता है, ऐसा कमजोर इच्छाशक्ति के कारण होता है इसलिए किसी भी चीज को पाने के लिए मजबूत इच्छाशक्ति का होना बहुत जरूरी है। ऐसे में हम आपको बता रहे हैं, ऐसी बातें जिनपर अमल करके हमारी इच्छाशक्ति मजबूत होगी।

साथियों बात अगर हम इच्छा शक्ति को मजबूत करने की करें तो, अपने काम पर दृढ़ रहें, अपनी इच्छा शक्ति को बहुत ज्यादा मजबूत बनाने के लिए यह भी एक बहुत ही अच्छा तरीका है कि हम अपने काम पर बहुत जबरदस्त तरीके से फोकस करें। यानें हम अपने काम पर दृढ़ रहें। कोई कुछ भी कहे अगर हमने यह मन बना लिया है कि हमको ये काम करना है तो हमको ये काम करना ही करना है। हमको किसी और बातों पर ध्यान नहीं देना है। अगर हम अपने काम पर दृढ़ रहेंगे तो हमारा दिमाग यह बात समझ लेगा कि यह चीज हमारे जीवन में बहुत ज्यादा महत्वपूर्ण है इसलिए हम इस काम को बहुत ही दिल से मन लगा कर दृढ़ प्रतिज्ञ होकर कर रहे हैं।

साथियों बात अगर हम इच्छाशक्ति के लिए लक्ष्यों की करें तो, हम अपना लक्ष्य निश्चित करें अगर हमको हमारे जीवन में सफलता चाहिए तो यह हमारे लिए सबसे ज्यादा जरूरी है कि सबसे पहले हम हमारे जीवन में अपने लक्ष्य को निश्चित करें। तब ही हम किसी चीज को अपने जीवन में फॉलो कर पाओगे। नहीं तो ऐसे हम अपने जीवन में किस चीज को फॉलो करोगे, किस चीज के लिए हम विल पावर बढ़ाएंगे, तो सबसे पहले हमारे लिए, जरूरी है कि हम अपने जीवन में लक्ष्य को निर्धारित करें। एक बार हम अपने जीवन में अपने लक्ष्य को निर्धारित कर लेंगे उसके बाद हमारा दिमाग लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए हर संभव प्रयास करने लगेगा। बस हम अपने लक्ष्य पर दृढ़ रहें।

साथियों बात अगर हम इच्छाशक्ति को जगाने की करें तो, निम्न बिंदुओं पर अभ्यास कर इच्छाशक्ति को जाग्रत किया जा सकता है। इच्छाशक्ति को मजबूत बनाने के लिए शुरुआत करने के लिए सबसे पहले हमें तनाव के स्तर का प्रबंधन करने की जरूरत होती है।(1) सकारात्मक नजरिया (2)तनाव प्रबंधन करना सीखें (3) खुद पर पूरा विश्वास रखें (4)बेहतर ऊर्जा प्रबंधन करें (5) अंत: शक्तियों को केंद्रीभूत करें (6) स्वयं के प्रति ईमानदार बनें (7) सही पोषण, योग और व्यायाम।

साथियों बात अगर हम इच्छा शक्ति के टॉनिक की करें तो, जैसे हैं वैसे ही बने रहें दिखावा बिल्कुल भी मत करें हम जैसे भी हो वैसे ही बने रहें। किसी भी प्रकार का कोई शो ऑफ करने की कोई जरूरत नहीं है। अगर हम कोई एक चीज जैसे हो वैसे ही प्राप्त करते हो तो वह चीजें हमको जिंदगी भर तक हमारे साथ रहती है और हमको अच्छा रिजल्ट भी मिलता है। दरअसल यह चीज हम अपने वास्तविक परिश्रम से हासिल किए रहते हो इसलिए वह जिंदगी भर हमारे साथ रहती है और यह हमारी इच्छा शक्ति को बढ़ाता है। ना केवल हमारी इच्छा शक्ति को बढ़ाता है बल्कि हमारे आत्मविश्वास को भी सटीक रूप से बढ़ाता है।

साथियों बात अगर हम इच्छा शक्ति के रोडमैप की करें तो, पेपर पर अपने लक्ष्य को लिखें इसके लिए हमको थोड़ी दिमागी कसरत भी करनी पड़ेगी। बेहतर होगा कि हम अपना लक्ष्य पेपर पर लिखकर उससे जुड़ी चुनौतियों भी लिख लें, इससे हमको उन चुनौतियों से कैसे लड़ना है, यह भी अंदाजा हो जाएगा। आत्मविश्वास और इच्छाशक्तिजीवन में कई बार ऐसे मौके आएंगे, जब हमारा विश्वास डगमगाने लग जाएगा और हमको लगेगा कि हमारा लक्ष्य व्यर्थ है, लेकिन उस वक्त हमको इन नकारात्मकताओं से दूर रहकर आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ना है।

साथियों बात अगर हम इच्छाशक्ति को चिंता से दूर करने की करें तो, चिंता ना करें, चिंतन करें- किसी भी बात की चिंता मत करें। बल्कि उसके बारे में चिंतन करें कि इसका समाधान क्या हो सकता है। इससे एक तो हमारी मानसिक शक्ति बढ़ेगी और दूसरा हमारी समस्याओं का समाधान भी होगा। यह एक ऐसा अभ्यास है, इससे धीरे-धीरे हम इतने मजबूत हो जाएंगे कि हमको हर मुश्किल एक अवसर लगेगी।

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि श्रेष्ठ और दृढ़ इच्छाशक्ति सफलता की चाबी है! मजबूत इच्छाशक्ति के आगे हर समस्या छोटी होती है। प्रबल इच्छा शक्ति मुसीबतों से लड़ने की कुंजी है-दृढ़ इच्छाशक्ति के आगे खुद सफलताएं नतमस्तक होकर कदम चूमती है।

भारत को पुनः वैभवशाली बनाने हेतु संघ द्वारा प्रयासों में तेजी लाई जा रही है

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अपनी स्थापना के 101 वर्ष पूर्ण कर लिए हैं। संघ ने अपनी स्थापना की शताब्दी हाल ही में पूर्ण की है एवं संघ अब अपने अगले चरण में प्रवेश कर रहा है। शताब्दी वर्ष के दौरान संघ एवं समाज द्वारा मिलकर कई बड़े कार्यक्रमों का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों को समाज में अच्छा प्रतिसाद भी मिला। इन विभिन्न कार्यक्रमों में स्वयंसेवकों एवं समाजजनों की बढ़ चढ़ कर भागीदारी रही। संघ की 100 वर्षों की यह एक अभिनव यात्रा है एवं समाज को साथ लेकर चलने की यात्रा है। साथ ही, समाज की सेवा के अथक प्रयासों की भी यह यात्रा है। इन 100 वर्षों में संघ ने क्या पाया, इसका सिंहावलोकन एवं मूल्यांकन करना आवश्यक है। 100 वर्ष अपने आप में एक पर्याप्त कालावधि है, जब किसी संगठन के कार्यों का मूल्यांकन किया जाना चाहिए। पिछले 100 वर्षों के दौरान राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के लिए एक बड़ी उपलब्धि यह रही है कि राष्ट्र में व्यक्ति निर्माण की अभिनव पद्धति के रूप में संघ की शाखा को देश एवं समाज के बीच में मान्यता मिली है। इसे संघ की बहुत बड़ी सफलता के रूप में देखा जा सकता है। शाखा की कार्यपद्धति के माध्यम से ही भारत के लाखों युवाओं में राष्ट्रत्व का भाव जगाया जा सका है एवं स्वयंसेवकों का निर्माण कर उनके जीवन में परिवर्तन लाया जा सका है। आज नगरों एवं महानगरों के साथ ही सुदूर ग्रामीण इलाकों में भी संघ की शाखाएं लगाई जा रही हैं एवं इनमें समाज के समस्त घटकों की भागीदारी दिखाई दे रही है। मन में देश भक्ति का भाव लेकर भारत का युवा, स्वयंसेवक बनता है एवं प्रतिदिन शाखा में आकर शाखा की कार्यपद्धति का अनुपालन करते हुए कब उसमें राष्ट्रत्व की भावना जागृत हो जाती है उसे पता ही नहीं चलता है। आज हिंदू स्वयंसेवक संघ के माध्यम से कई अन्य देशों में भी शाखाएं लगाई जा रही है। विश्व में समस्त स्थानों पर लगाई जाने वाली शाखाओं की कार्यपद्धति समरूप है। भारत में आज अत्यंत समर्पित स्वयंसेवकों की शृंखला खड़ी हो गई है एवं आज कई परिवारों की 5वीं एवं 6वीं पीढ़ी स्वयंसेवक के रूप में कार्य करते हुए दिखाई दे रही हैं। इस प्रकार, केवल स्वयंसेवक ही नहीं बल्कि उनके परिवार के सदस्य भी देश के लिए समर्पण की भावना के साथ संघ से जुड़े हुए हैं। संघ की कार्यपद्धति में दो श्रेणियों के माध्यम से कार्य सम्पन्न होते हैं। एक, संगठन श्रेणी, जिसके माध्यम से शाखा लगाई जाती है एवं स्वयंसेवक गढ़े जाते हैं। दूसरी, जागरण श्रेणी, जिसके माध्यम से स्वयंसेवकों द्वारा समाज के बीच जाकर समाज परिवर्तन के प्रयास किए जाते हैं। समाज को जागृत करने के उद्देश्य से कुछ जागरण पत्रिकाओं का प्रकाशन भी किया जाता है, जिनकी पहुंच आज 3 लाख से अधिक गावों तक है। इसी प्रकार संघ के सम्पर्क विभाग के द्वारा समाज का नेतृत्व करने वाले संभ्रांत नागरिकों से सम्पर्क किया जाता है एवं इन्हें राष्ट्रीय विचारों से अवगत कराया जाता है जिसके चलते ही आज बड़ी मात्रा में समाज की सज्जन शक्ति संघ के साथ जुड़ गई है। संघ द्वारा 6 गतिविधियां भी प्रारम्भ की गई है – सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण, समग्र ग्रामविकास, गोसेवा, कुटुंब प्रबोधन एवं धर्मजागरण। इन गतिविधियों के माध्यम से भी समाज को संघ के साथ जोड़ने के प्रयास किए जाते हैं। इस बीच, पंच परिवर्तन (स्व के भाव का जागरण, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन एवं नागरिक कर्तव्य) के प्रयोग भी संघ द्वारा चलाए गए ताकि समाज के आचरण में परिवर्तन लाया जा सके। विभिन्न प्रतिकूल परिस्थितियों के बीच भी संघ पिछले 100 वर्षों के दौरान निरंतर आगे बढ़ता रहा क्योंकि संघ द्वारा शाखा पद्धति के रूप में एक अभिनव पद्धति का निर्माण एवं प्रयोग किया था। दूसरे, संघ व्यक्ति निरपेक्षता की नीति पर चलता आया है, अर्थात, स्वयंसेवकों ने अपने आप को संगठन से सदैव नीचे रखा है। आज संघ की एक व्यापक संगठनात्मक रचना खड़ी हो गई है। संघ का लक्ष्य अपने संगठन को बड़ा बनाने का नहीं है बल्कि अपने संगठन को समाजव्यापी बनाने का लक्ष्य लेकर संघ आगे बढ़ रहा है। हिंदू समाज बड़ा बने एवं भारत एक बार पुन: परम वैभव की स्थिति पर आ जाए, यही संघ का मुख्य ध्येय है। भारतीय समाज पूर्ण रूप से एक रस हो जाए, इससे भी संघ की स्थापना के उद्देश्य की पूर्ति हो जाती है। संघ ने 100 वर्षों की एक लम्बी यात्रा सफलतापूर्वक तय कर ली है परंतु अभी भी बहुत कुछ कार्य शेष है। इस दृष्टि से आगे आने वाले समय में संघ के स्वयंसेवकों के लिए करणीय कार्य क्या हो सकते हैं, इसका वर्णन हाल ही में संघ के माननीय सह सरकार्यवाह श्री अतुल लिमये जी द्वारा प्रदत्त एक उदबोधन में मिलता है। इन करणीय कार्यों को तेजी से सम्पन्न करने की आज आवश्यकता है क्योंकि इस दृष्टि से संघ की प्रतिस्पर्धा आज किसी अन्य संगठन के साथ नहीं बल्कि समय के साथ है। राष्ट्र में व्यक्ति निर्माण की प्रक्रिया चलाने वाली शाखाओं का विस्तार तेजी से करने की आज आवश्यकता है। आज पूरे देश में लगभग 72.42 प्रतिशत बस्तियों एवं 69 प्रतिशत मंडलों में संघ की शाखाएं एवं साप्ताहिक मिलन चलाए जा रहे है। इसका आशय यह है कि देश में लगभग 30 प्रतिशत बस्तियां एवं 31 प्रतिशत मंडल अभी भी संघ कार्य विहीन हैं। अत: प्रथम लक्ष्य है कि तेज गति से उक्त शेष बस्तियों एवं मंडलों में शखाएं खड़ी हो जाएं। राम मंदिर निधि संकलन अभियान के समय लगभग 14 करोड़ परिवारों से सम्पर्क किया गया था, एक परिवार में यदि 5 सदस्य माने जाय तो लगभग 70 करोड़ नागरिकों के साथ उस समय सम्पर्क हुआ था। अत: देश की कुल जनसंख्या के 50 प्रतिशत नागरिकों के साथ केवल 45 दिनों में प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से सम्पर्क किया गया था। हालांकि इस अभियान में स्वयंसेवकों के साथ समाज के अन्य संगठन एवं नागरिक भी जुड़े थे। अत; शेष बस्तियों एवं मंडलों में संघ की शाखा की स्थापना के कार्य को समाजजन के सहयोग से गति दी जा सकती है। भारत में आज संघ के स्वयंसेवकों के गुणों के चलते उनकी एक अलग पहिचान है। सादगी, मितव्यितता, प्रामाणिकता, अनुशासन, समर्पण का भाव आदि तत्व स्वयंसेवकों के गुणों में शामिल हैं। समाज जीवन में संघ की पहिचान संघ के स्वयंसेवक के माध्यम से ही बनती है। मीडिया सहित प्रचार के विभिन्न माध्यमों से संघ के विरोध में बहुत कुछ चलता भी रहता है परंतु समाज में इसका प्रभाव दिखाई नहीं देता है, क्योंकि स्वयंसेवक के गुण कुछ अलग ही कहानी वर्णित करते हैं। शाखा के गुणवत्ता पूर्ण कार्यक्रम स्वयंसेवक में राष्ट्रत्व का जो भाव गढ़ते हैं वह स्वयंसेवक में स्पष्ट रूप से दिखाई भी देता है। इस भाव को आज आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। शाखा विस्तार के साथ साथ स्वयंसेवकत्व के उक्त गुणों को भी बनाए रखना आवश्यक है। आज संघ के विचार को समाज के बीच ले जाने की भी महती अवस्यकता है। इसके लिए स्वयंसेवकों को समाज के बीच में जाकर कार्य करने पड़ेंगे। समाज में वैचारिक विमर्श का निर्माण करने की आवस्यकता है। भारत को यदि परम वैभवशाली देश बनाना है तो समाज का मन अनुकूल रखना होगा। देश की अपनी व्यवस्थाओं के प्रति आस्था रखने वाला समाज तैयार करना होगा। नागरिक कर्तव्य के बोध को बढ़ावा देने वाला समाज होना चाहिए। आज भारत में कुछ शक्तियां समाज में छोटे छोटे विभेद को बड़ा करने का प्रयास करती हुई नजर आ रही है। समाज के बीच अनास्था का निर्माण करने का प्रयास किया जा रहा है। इस कार्य को समाज के बीच फैलाने के लिए प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक, सोशल मीडिया, आदि माध्यमों का उपयोग किया जा रहा है। अत: समाज के बीच राष्ट्रीय विचारधारा से ओतप्रोत विचार प्रसारित करने हेतु अकादमिक जगत के नागरिकों को अपने साथ जोड़ना होगा एवं विमर्श तैयार करना होगा ताकि समाज को राष्ट्रानुकूल बनाया जा सके। आज समाज का प्रत्यक्ष आचरण बदलने की भी आवश्यकता है। समाज के बीच आपस में विषमता एवं कटुता के कुछ उदाहरण आज भी दिखाई देते हैं। इससे समाज में समरसता प्रभावित होती हुई दिखाई देती है। आचरण बदलने के लिए अपनी एक व्यवस्था खड़ी करने की आवश्यकता है, जिससे समाज को समरस बनाया जा सके। विभिन्न समाजों के बीच कटुता फैलाने के लिए कुछ बाहरी शक्तियां भी सक्रिय बनी हुई हैं। पंच परिवर्तन की प्रक्रिया को बल देकर समाज जीवन का आचरण बदलने के प्रयास किए जा सकते हैं। समाज में व्याप्त कुरीतियों को समाप्त करना होगा। पंच परिवर्तन की प्रक्रिया को स्वयं के आचरण में लाकर ही नागरिकों का स्वभाव भी बदला जा सकता है। इस संदर्भ में कुछ रचनाएं खड़ी करने एवं कार्यपद्धती विकसित करने की आवश्यकता भी होगी। यह सही है कि आज समाज जीवन में कुछ समस्याएँ भी दिखाई देती हैं। जैसे, भ्रष्टाचार, युवाओं में नशे का बढ़ता प्रभाव, कुटुंब विच्छेद,, जमीन के जल स्तर में कमी, रासायनिक खाद का बढ़ता उपयोग, महंगी हो रही शिक्षा, आदि। इन समस्याओं का समाधान कैसे करना है, इस विषय पर भी भी आज विचार करने की आवश्यकता है। इसी प्रकार समाज में आज कुछ चुनौतियां भी मुंह बाये खड़ी है, जैसे मतांतरण, बड़ी मात्रा में जनसंख्या असंतुलन, सीमावर्ति क्षेत्रों में जनसंख्या का परिवर्तन, आदि। हम हिंदू नहीं है इस भाव को भी समाज के बीच फैलाने के प्रयास हो रहे है। विच्छेद निर्माण करने वाले आंदोलन हो रहे हैं एवं समाज के बीच अलगाव को बढ़ावा देने के प्रयास कुछ विदेशी ताकतों द्वारा किए जा रहे हैं। इन चुनौतियों का उत्तर भी देने की आज आवश्यकता है। शासन तो अपना काम कर ही रहा है परंतु समाज को भी इस संदर्भ में आज जगाने की आवश्यकता है। इस महती कार्य में सम्पूर्ण समाज की सहभागिता आवश्यक है। समाज जीवन में वैचारिक विमर्श को लेकर सम्पूर्ण समाज को जोड़ना होगा। इस पुनीत कार्य में समाज की सहभागिता कैसे बढ़ाना इसके लिए गम्भीरता से काम करने की आज आवश्यकता है। देश के लिए कुछ अच्छा करने का भाव समाज के बीच जागृत हुआ है एवं एवं समाज में कुछ नागरिक देश के लिए अच्छा काम करना।

-प्रहलाद सबनानी

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। लेवाली ठंडी रहने से शनिवार को किराना बाजार में व्यापार सामान्य ही रहा। खाद्य तेलों में सोया तेलों में सुस्ती रही। रुप चतुर्दशी के उपलक्ष्य में अनाज, दलहन व तिलहन मंडी में अवकाश रहा। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार शनिवार को किराना जिंसों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। शक्कर में बाजार 5420-5550 रू. प्रति क्विंटल पर मजबूत रहे। खोपरा गोला व साबूदाने में सूखी रही। खाद्य तेलों में सुस्ती देखी गयी। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 5420-5550, खोपरा गोला 340-430, खोपरा बूरा 3250-5850 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 280-285, उंझा हल्का 290-295, बेस्ट 315-325, हल्दी निजामाबाद 225-250, सांगली 315-325, साबूदाना हल्का 5200-5350, मीडियम 5450-5600, बेस्ट 6000-6100, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 275-350, बेस्ट 350-400, सौंफ बारिक 180-300, एक्स्ट्रा बोल्ड 350-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एएम 790-825, गारबल्ड 770-775, मटरदाना 850-900, खसखस अनक्लीन 1150-1250, क्लीन 1300-1350, दालचीनी 250-260, जायफल 725-750, वाद्यान फूल 405-600, शाजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 1675-1750, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, घोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (चनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाडा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 1050-1150, पुजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची सेकर 3000-3300, मीडियम 3500-3600, बेस्ट 4400-4600, एक्ट्रा बेस्ट 4600-4800, पानबार 3000-3200, बड़ी इलायची 1350-1450, तरबूज मगज 480-520, काजू (240) 940-960, काजू (320) 910-920, काजू डब्ल्यू (340) 850-870, काजू एस.डब्ल्यू (300) 850-900, काजू जे.एस. 840-870, ट्रुकड़ी 780-820, बादाम मगज 1100-1200, सिंगापुरी 980-1050, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जदौल 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कोधारी 450-600, ईंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 350-550, अंजीर 850-950, मखाना 750-890, बेस्ट 1250-1300, खारक एवरेज 75-80, मीडियम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कोधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गिर्री आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 3200, (160) 3400, (200) 3700, (250) 4500,

तेल- सींगदाना 1780-1800, मुम्बई 1800, राजकोट तेलिया 2800, सोया सारल्यॅट 1340-1345, सोया रिफाईंड 1395-1400, कपास्या 1400, धूलिया 1400, कड़ी 1410,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1750, मुम्बई पाम 1345, मुम्बई सोया 1435,

खली- कपास्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2490, देवास-डत्रौन 2490, खेडला-खुरहानपुर 2475, अकोला 3350 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 8800, रायडा 8000-8200, सोयाबीन 6900, टोली (महुआ बीज) 5700-5900, करंज 4400-4500, अलसी 8500-9000, अरंडी 4500-4700, तिळी पुरानी 6500-7000, तिळी नई 7200-7500,

दलहन- चना काटेवाला बेस्ट 7550-7600, विशाल 7450-7550, काबुली चना डॉलर 7200-8500, काबुली चना रशियन 5600-5800, भिटकी 5200-5300, मसूर बेस्ट 6000, एवरेज 5800-5900, मूंग गर्मी बेस्ट 8100-8300, मूंग पुराना बोल्ड 8400-8500, तुअर निमाड़ी बेस्ट 9200-9300, एवरेज 9000-9100, हल्की 8900-9000, महाराष्ट्र सफेद 9800-10000, महाराष्ट्र लाल 10000-10100, उड़द बेस्ट 9600-9800, उड़द गर्मी 9200-9600, ग्रेविटी क्लीन 10100-10200, हल्की 4000-6000,

दाल- चना दाल एवरेज 7400-7500, मीडियम 7600-7700, बोल्ड 7900-8100, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल 7300-7600, तुअर दाल मीडियम 8500-8800, बेस्ट 9900-10200, मसूर दाल 6800-7100, मूंग दाल 8700-8900, मूंग मोगर 10100-10600, उड़द दाल 9900-10300, मोगर 10800-11000,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2500-2550, लोकवन एवरेज 2550-2650, बेस्ट 2750-2800, मालवराज 2600-2650, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 1975-2000,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3100, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7500, काली मुंछ डिलर किंग 9000-9500, बासमती दुबार 8000-8500, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, तिबार 10500-11800, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

भावा- इन्दौर 480, उज्जैन 400, रतलाम 380 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। शनिवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार की मात्रा कम ही रही। दोनों ही कीमती धातुओं में बाजार बने रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 188500, चाँदी (99) 188400, टंच 187600, सिक्का 2600, सोना 10 ग्राम 145000,

अब बायोमेट्रिक, वोटर आईडी होगा पहचान का नया आधार

नई दिल्ली। एजेंसी। केंद्र सरकार अपनी विभिन्न सरकारी योजनाओं में लाभार्थियों की पहचान और भुगतान के लिए आधार कार्ड की जगह बायोमेट्रिक पहचान और वोटर आईडी (ईपिक) नंबर का इस्तेमाल करने पर विचार कर रही है। केंद्रीय पंचायती राज, मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री राजीव रंजन सिंह (ललन सिंह) ने इस संबंध में संकेत दिए हैं। हालांकि, सरकार ने अभी तक इस पर कोई अंतिम फैसला या आधिकारिक नियम जारी नहीं किया है। पंचायती राज मंत्रालय की कार्यशाला में मंत्री सिंह ने कहा कि अब भुगतान का आधार केवल आधार कार्ड नहीं रहेगा। उन्होंने आधार बनाने की सुलभ प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए लाभार्थियों की पहचान के लिए अन्य विकल्पों पर विचार की आवश्यकता जताई। उनका कहना था कि आधार कार्ड आसानी से बन जाते हैं, जिससे वास्तविक पहचान सुनिश्चित करने में चुनौती आ सकती है। वर्तमान में पीएम किसान, पीएम आवास योजना और वृद्धावस्था पेंशन जैसी कई सरकारी योजनाओं में पहचान व भुगतान के लिए आधार का उपयोग होता है। मंत्री के बयान के बाद यह सवाल उठ रहे हैं कि नई व्यवस्था किन योजनाओं में और कब लागू होगी।

आज दिवाली के मौके पर होगी मुहूर्त ट्रेडिंग

मुंबई। एजेंसी। शेयर बाजार निवेशकों के लिए दिवाली के मौके पर स्टॉक खरीदने की परम्परा रही है। इसी के मद्देनजर रविवार को दिवाली वाले दिन कुछ देर के लिए शेयर बाजार खुलेगा। बीएसई और एनएसई दोनों एक्सचेंजों पर ट्रेडिंग जारी रहेंगी। निवेशक इस दौरान अपने मनपसंद स्टॉक की खरीदारी कर सकेंगे। दोपहर बाद 2.20 से 3.30 बजे के बीच ट्रेडिंग मुहूर्त होगा। दिवाली के मौके पर शेयर खरीदना शुभ माना जाता है, क्योंकि इसी दिन से हिंदू कैलेंडर के अनुसार नववर्ष की शुरुआत भी होती है। ट्रेडिंग मुहूर्त सिर्फ दिवाली के मौके पर ही साल में एक बार होता है। हर बार की तरह ही इस बार भी ट्रेडिंग मुहूर्त एक घंटे के लिए होगा। बीएसई और एनएसई ने ट्रेडिंग मुहूर्त के समय की जानकारी दी है।



सिर्फ 1 घंटे के लिए खुलेगा बाजार

रविवार को शेयर बाजार बंद ही रहता है, लेकिन इस बार रविवार को दिवाली होने के कारण ट्रेडिंग मुहूर्त के लिए शेयर बाजार खुला रहेगा। यह बाजार सिर्फ एक घंटे के लिए खुलेगा यानी 8 नवंबर को दोपहर बाद 2.20 से 3.30 बजे के बीच ट्रेडिंग मुहूर्त होगा और इसी समय के अंतराल तक शेयर बाजार खुला रहेगा।

10 नवंबर को बीएसई और एनएसई में छुट्टी

रविवार को दिवाली के दिन मुहूर्त ट्रेडिंग के लिए खुलेंगे। सोमवार यानी 9 नवंबर को शेयर बाजारों में सामान्य कामकाज होगा। 10 नवंबर यानी मंगलवार को दिवाली-बलिप्रतिपदा पर बीएसई और एनएसई दोनों बंद रहेंगे।

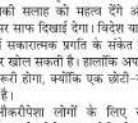
दिवाली पर बंपर कारोबार, व्यापारियों को 5 लाख करोड़ का मुनाफा होने की उम्मीद

नई दिल्ली। एजेंसी। इस साल दिवाली का त्योहार देशभर के व्यापारियों के लिए शानदार कारोबार के अवसर लेकर आया है। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) से संबद्ध चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) ने अनुमान लगाया है कि इस त्योहारी सीजन में पूरे देश में लगभग 5 लाख करोड़ रुपये का जबरदस्त व्यापार होने की उम्मीद है। यह आंकड़ा व्यापारियों के लिए एक बड़ी राहत और अर्थव्यवस्था के लिए शुभ संकेत है। सीटीआई के एक आरबिकारी ने विभिन्न व्यापारिक संगठनों, होटल, बैंक्वेट, रेस्टोरेंट, मॉल, सिनेमा, कार डीलर्स और टूर एंड ट्रैवल एसोसिएशन्स से बातचीत के आधार पर यह अनुमान जताया है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में भी इस दिवाली सीजन में करीब 80 हजार करोड़ रुपये का व्यापार होने की संभावना है। आंकड़ों के मुताबिक, ओटोमोबाइल सेक्टर में खुदरा बिक्री में 55 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है, जिसमें थ्री-व्हीलर में 110 प्रतिशत और निजी वाहनों में 70 प्रतिशत की बंपर बढ़ोतरी हुई है। इलेक्ट्रॉनिक्स, मोबाइल, कपड़े, रेडीमेड गारमेंट्स, मिठाई, ड्राई फ्रूट्स, फर्नीचर और घरेलू सामान जैसे क्षेत्रों में भी जोरदार कारोबार की उम्मीद है। इस बार भारतीय उत्पादों, जैसे मिट्टी के दीये, पूजा सामग्री और हस्तशिल्प की विशेष प्राथमिकता मिल रही है, जिससे स्थानीय कारीगरों और छोटे उद्योगों को बड़ा आर्थिक लाभ मिलेगा। अनुमान है कि दिवाली के दौरान लगभग 5 करोड़ उपहारों का आदान-प्रदान भी होगा। दिल्ली में हाल ही में प्रदर्शनों के कारण व्यापारियों को हुए 14 हजार करोड़ रुपये के नुकसान की भरपाई भी इस बंपर खरीदारी से होने की उम्मीद है।

स्वर्ण आभूषण की खरीद में मेकिंग चार्ज बचाएगा हजारों रुपए

नई दिल्ली। एजेंसी। भारतीय परिवारों के लिए सोने की खरीदारी सिर्फ एक निवेश नहीं, बल्कि एक गहरी परंपरा है। हालांकि, आभूषण खरीदते समय ग्राहक अक्सर सोने के शुद्ध भाव पर ही सारा ध्यान केंद्रित कर देते हैं और बिल में शामिल मेकिंग चार्ज (आभूषण बनाने की मजदूरी और डिजाइन की लागत) की बारीकियों को नजरअंदाज कर देते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि इस मद पर थोड़ी सी समझदारी दिखाकर हजारों रुपये की बचत की जा सकती है। मेकिंग चार्ज की गणना के तरीके और बचत का मौका: आभूषण विक्रेता मेकिंग चार्ज लगाने के दो मुख्य तरीके अपनाते हैं: पहला, प्रति ग्राम एक तय राशि वसूलना और दूसरा, सोने के कुल मूल्य का एक निश्चित प्रतिशत लेना। इस अंतर को समझना बेहद महत्वपूर्ण है। उदाहरण के लिए, यदि आप आठ ग्राम सोने का गहना खरीद रहे हैं और सोने का भाव पचास हजार रुपये प्रति दस ग्राम है, तो आठ ग्राम सोने का शुद्ध मूल्य चालीस हजार रुपये होगा। यदि दुकानदार तीन सौ रुपये प्रति ग्राम का फिक्स चार्ज लेता है, तो मेकिंग चार्ज चौबीस सौ रुपये बनता है। वहीं, अगर बारह प्रतिशत के हिसाब से चार्ज लिया जाए, तो यह राशि सीधे अड़तालीस सौ रुपये हो जाती है। इस तरह, ग्राहकों के पास सही विकल्प चुनकर सीधे चौबीस सौ रुपये बचाने का अवसर होता है। विशेषज्ञों की सलाह: कैसे करें अधिकतम बचत स्वर्ण विशेषज्ञों के अनुसार, ग्राहकों को खरीदारी से पहले कम से कम दो-तीन दुकानों से मेकिंग चार्ज की तुलना अवश्य करनी चाहिए। इसके अलावा भारी और जटिल कारीगरी वाले गहनों के बजाय मशीन से बने साधारण डिजाइन चुनना अधिक किफायती होता है, क्योंकि इन पर मेकिंग चार्ज कम लगता है। त्योहारों पर मिलने वाली छूट और पुराने सोने के बदले नए गहने लेते समय भी मेकिंग चार्ज में कटौती का पूरा हिसाब-किताब मांगना जरूरी है। बिल जांचना है अनिवार्य: अंत में बिल का भुगतान करने से पहले उसमें सोने का सही वजन, उस दिन का भाव, मेकिंग चार्ज का स्पष्ट विवरण, बीआईएस हॉलमार्क, छह अंकों का एचयूआईडी (हॉलमार्किंग यूनिक आईडी) नंबर और तीन प्रतिशत जीएसटी की जानकारी जांचना अनिवार्य है।

आज का राशिफल



मेष- आज आपका आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता हर किसी को प्रभावित करेगी। लोग आपकी सलाह को महत्व देंगे और कार्यक्षेत्र में आपकी बातों का असर साफ दिखाई देगा। विदेश यात्रा या विदेश से जुड़े किसी काम में सकारात्मक प्रगति के संकेत हैं, जो भविष्य में नए अवसरों का द्वार खोल सकती है। शालीनि आपकी वाणी पर नियंत्रण रखना बेहद जरूरी होगा, क्योंकि एक छोटी-सी बात भी बड़ा असर डाल सकती है।

वृषभ- आज का दिन नौकरीपेशा लोगों के लिए नई उपलब्धियां लेकर आ सकता है। आपको कोई महत्वपूर्ण जिम्मेदारी या सम्मानजनक पद मिल सकता है, जिससे आपकी प्रतिष्ठा और बढ़ेगी। अपने आसपास के लोगों को अच्छी तरह पहचानें, क्योंकि हर मुस्कुराता चेहरा आपका हितैषी नहीं होता।

मिथुन- आज हर कदम सोच-समझकर बढ़ाने की जरूरत है। नए लोगों से मुलाकात भविष्य में लाभदायक साबित हो सकती है, लेकिन स्वास्थ्य में थोड़ा उतार-चढ़ाव महसूस हो सकता है। कार्यक्षेत्र में कुछ लोग आपको भ्रमित करने या आपके काम में बाधा डालने की कोशिश कर सकते हैं, इसलिए सतर्क रहें।

कर्क- आज मन को अनावश्यक चिंताओं से मुक्त रखने की कोशिश करें। आध्यात्मिक गतिविधियों या धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी, जिससे मानसिक शांति और सकारात्मक ऊर्जा मिलेगी। यात्रा के दौरान कोई ऐसी जानकारी मिल सकती है जो आने वाले समय में आपके लिए लाभदायक साबित होगी।

सिंह- आज आपकी मेहनत ही आपकी सबसे बड़ी ताकत बनेगी। व्यापार में किए गए नए बदलाव लाभ देने लगेंगे और भविष्य के लिए मजबूत आधार तैयार करेंगे। विदेश यात्रा या विदेश से जुड़े किसी काम की योजना बन सकती है। प्रेम संबंधों में विश्वास और अपनापन बढ़ेगा, जिससे रिश्ते और मजबूत होंगे।

कन्या- आज करियर में आपकी मेहनत का शानदार परिणाम देखने को मिलेगा। काम का दबाव अधिक रहेगा, लेकिन आप अपनी सूझबूझ और मेहनत से हर जिम्मेदारी सफलतापूर्वक निभाएंगे। जिस कार्य की शुरुआत करेंगे, उसमें सफलता मिलने की संभावना प्रबल रहेगी। भाई-बहनों के निजी मामलों में अनावश्यक हस्तक्षेप करने से बचें। परिवार का कोई सदस्य नौकरी या पढ़ाई के सिलसिले में बाहर जा सकता है। पुरानी गलतियों से मिली सीख भविष्य में आपकी सफलता की मजबूत नींव बनेगी।

तुला- आज आर्थिक मामलों में अच्छी प्रगति देखने को मिलेगी। नए निवेश के अवसर सामने आएंगे और व्यापार में साझेदारी से लाभ मिलने के संकेत हैं। नया घर, जमीन या प्रॉपर्टी खरीदने की योजना आगे बढ़ सकती है। बाहर के खान-पान से बचना आपके स्वास्थ्य के लिए बेहतर रहेगा। घर के छोटे बच्चों की कोई इच्छा पूरी करके आपको खुशी मिलेगी।

वृश्चिक- आज समाज और कार्यक्षेत्र में आपका सम्मान बढ़ेगा। करियर से जुड़े नए अवसर आपके सामने आएंगे, जिनका लाभ उठाकर आप आगे बढ़ सकते हैं। कोर्ट-कचहरी के मामलों में भागदौड़ जरूर रहेगी, लेकिन धीरे-धीरे परिस्थितियां आपके पक्ष में होती दिखाई देंगी। परिवार में किसी नए सदस्य के आने की खुशखबरी माहौल को आनंदमय बना सकती है।

धनु- आज आप ऊर्जा, उत्साह और आत्मविश्वास से भरपूर रहेंगे। यदि इस ऊर्जा का सही दिशा में उपयोग करेंगे तो बड़ी सफलता आपके कदम चूम सकती है। विरोधी भी आपकी समझदारी और व्यवहार के आगे कमजोर पड़ जाएंगे। कार्यक्षेत्र में वरिष्ठ अधिकारियों की सलाह को गंभीरता से लें, क्योंकि वही आपके लिए लाभदायक साबित होगी।

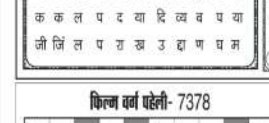
मकर- आज प्रॉपर्टी और जमीन से जुड़े मामलों में सकारात्मक परिणाम मिलने के योग हैं। दिनभर भागदौड़ बनी रहेगी, लेकिन आपकी मेहनत व्यर्थ नहीं जाएगी। व्यापारिक साझेदारी में किसी भी निर्णय से पहले पूरी जांच-पड़ताल कर लें। कार्यक्षेत्र में कोई अच्छी खबर आपका उत्साह बढ़ा सकती है। घर बनाने या घर से जुड़ी नई योजना पर काम शुरू हो सकता है। कोई पुरानी बात या रहस्य सामने आ सकता है, इसलिए अपनी निजी जानकारी किसी के साथ साझा करने से बचें।

कुंभ- आज का दिन धैर्य, समझदारी और संतुलन की परीक्षा ले सकता है। कुछ कार्यों में देरी या रुकावट आ सकती है, लेकिन घबराने की बजाय शांत रहकर आगे बढ़ना ही सही रहेगा। मौसम में बदलाव का असर स्वास्थ्य पर पड़ सकता है, इसलिए लापरवाही न करें। व्यापार में साझेदार की ओर से कोई अच्छी खबर मिलने की संभावना है। लंबे समय से चली आ रही कोई समस्या सुलझने से राहत मिलेगी। आर्थिक जरूरत पड़ने पर परिवार या चैंक का सहयोग मिल सकता है। सोच-समझकर लिए गए फैसले दिन को आपके पक्ष में मोड़ देंगे।

शब्दजाल - 8444

शब्द जाल में आमिर खान की 10 फिल्मों के नाम छुपे हैं, नाम ऊपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं

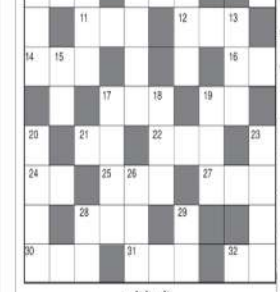
लगान, मंगल पांडे, हम हैं राही प्यार के, बाजी, रंगीला, इक्का, गुलाम, दौलत की जंग, तक़, दिल.



शब्दजाल - 8443 का हल



फिल्म वर्ग पहेली- 7378



ऊपर से नीचे:-

1. अमिताभ, बीटेवी की "मैं तुझे कबूल" गीत वाली फिल्म-2,3
2. "बोलन चाले का नम" गीत वाली मनोज, जया की फिल्म-2
3. फिल्म 'आनंद' में अमर की प्रमुख भूमिका किसने की थी ?-3,2
4. शाहिकपूर, शबाना की 'दिल में तुझे बिठाके' गीत वाली फिल्म-3
5. अमरीशपुरी या फिल्मों 'ये दुनिया एक दुलहन' गीत वाली फिल्म-8
9. 'महिंदा में ना मंडबद' गीत वाली फिल्म-५
12. धर्मेन्द्र, वहीदा, उषा की 'कब मले हो दिल के दीवाने' गीत वाली फिल्म-3
14. 'हम जब मिलकर' गीत वाली शशि, माधव, शर्मिला टैगोर की फिल्म-२
15. देवानंद, गीत वाली की 'ठंडी हवाएं लहरा के आएं' गीत वाली फिल्म-४
16. नायक के रूप में अमित कपूर की पहली फिल्म-3
19. "मैंने कभी सही थी" गीत वाली शिवजीत, माला सिन्हा की फिल्म-3
20. मनोजकुमार, नंदा की 'काले हैं तो क्या हुआ' गीत वाली फिल्म-४
23. 'किताबें बहुत सी' गीत वाली फिल्म-४
26. सलीम्रा फिल्म का शहीद पुरुकार प्राप्त एक हिंदी फिल्म-3
27. सनी, बबू, रीना मेन की 'जो प्यार तुमने' गीत वाली फिल्म-२
28. 'खोया है कुछ' गीत वाली लकी अली, गौरी कार्णिक की फिल्म-२

बायें से दायें:-

1. 'तेरे बिना जे बिना' गीत वाली फारौन, कवीरू की फिल्म-2
3. 'ये प्यार यार क्या है' गीत वाली फिल्म-3
6. 'जो मजबत बरखा बहार आई' गीत किस फिल्म का है ?-3
8. अमिताभ, अजय, अक्षय, रैखाएं की फिल्म-२
9. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली सनी, अमीश की फिल्म-3
10. अक्षय, करीना की 'तुने चुरा लिया दिल में' गीत वाली फिल्म-3
11. 'कजे सैया हमसे मैंया' गीत वाली धर्मेन्द्र, शर्मिला की फिल्म-3
12. सचिन कपूर, रेखा की फिल्म-3
14. 'तीन पीतियों में ना खेलें कदम' गीत किस फिल्म का है ?-3
15. बॉबी, मनोज, कादोल की फिल्म-२
19. 'पहले लहरे' गीत वाली फिल्म-3
21. दिलीपकुमार, निम्मी की 'दिल में तुझके' गीत वाली फिल्म-२
22. 'जो भी कसमें' गीत वाली डैनी मोरिस, विपाशा की फिल्म-२
23. धर्मेन्द्र, हेमा की 'दरस ना जा' गीत वाली फिल्म-3
24. 'हमको मकी मी जिंदगी' गीत वाली फिल्म-२
25. रवकुमार, विश्व राजवंश की फिल्म-3
26. 'मेरे को राज यी' गीत वाली गोविंदा, रवीना की फिल्म-3
27. राहुल, दीपक, पूजा भट्ट की 'मेरे दिल का पता' गीत वाली फिल्म-3
28. 'जिंदगी आ राह' गीत वाली की फिल्म-3
31. विनोद, देवी, पीममी की 'संसार है एक नदिया' गीत वाली फिल्म-२
32. 'तू मेरे सामने' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 7377



शब्द पहेली - 8902



बाएँ से दाएँ

1. ध्वज, पताका-2
4. वहम, संदेह-2
6. दलहन-2
7. खाली, रिक्त-2
9. रसूल, अल्लाह-3
12. अभिनेत्री मुनमुन सेन की पुत्री का सिर्फ नाम-3
14. सिवाय, बगैर-3
16. इराक की राजधानी-4
17. समधी की पत्नी-4
18. पीसना, महीन करना-3
20. अण्ण, गर्भ-3
22. उत्तम, विष्णु अवतार-3
24. परत, तह-2
26. खेती-2
27. अधर, होंठ-2
28. ताऊ की पत्नी, बड़ी मां-2

ऊपर से नीचे

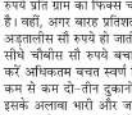
1. जल प्रपात-3
2. आईल-2
3. हर, अप्सरा-2
5. सूक्ति, वाणी, शब्द-3
6. पिता के पिता-2
8. स्टार, सितारा-2
10. रोचक, सुंदर, मनोहारी-5
11. शीतलता, मृदुभेद-2
13. सतरंगा, शंकर धनुष-5
14. सिर्फ एक, एकमात्र-3
15. हवस, कामेच्छा-3
19. लाख-2
20. जहर, विष-3
21. आनंदित, मनमौजी-2
22. मुनि, साधू-2
23. अच्छाई, सदशयता-3
25. सुरक्षा-2
26. कीड़ा, कीट-2

शब्द पहेली -8901 का हल



खेलिक पंचांग

8 नवम्बर 2026 को सूर्योदय के समय की दिशा स्थिति



ग्रह	स्थिति	ग्रह	स्थिति
सूर्य	तुला में	वक्री	06.52 बजे से
चंद्र	तुला में	मार्गी	09.06 बजे से
मंगल	कर्क में	वक्री	11.13 बजे से
बुध	तुला में	मार्गी	13.00 बजे से
गुरु	सिंह में	अस्त	14.32 बजे से
शुक्र	कन्या में	मार्गी	16.03 बजे से
शनि	मीन में	वक्री	17.43 बजे से
राहु	कुंभ में	विश्वास	19.41 बजे से
केतु	सिंह में	उदय	21.55 बजे से

राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक

रविवार	2026 वर्ष का 312 वा दिन
दिशाशूल	पश्चिम जहाँ जाएं।
विक्रम संवत्	2083 शक संवत् 1948
मास	कार्तिक (दक्षिण भारत में आश्विन) / पक्ष कृष्ण
तिथि	चतुर्दशी 11.28 बजे तक समाप्त।
नक्षत्र	स्वाती अहोरात्र।
योग	आयुष्मान 03.03 बजे तक तत्पश्चात सौभाग्य 23.57 बजे तक समाप्त।
करण	बालव शकुनि 11.28 बजे तत्पश्चात चतुष्पद 23.57 बजे तक समाप्त।
चन्द्रावृद्ध	24.3 घण्टे
पवि क्रान्ति दक्षिण	16° 30'
सायन संवत्	5128
कलियुग संवत्	5128
गतांगत संवत्	1972449128
सृष्टि संवत्	1955885128
भारतीनिर्माण संवत्	2552
हिजरी सन्	1448
महीना	जमादि उलाखल तारीख 27
फसली	रबी
कलम	02.23 बजे से
तुला	04.33 बजे से

रात्रि उत्पत्ति संवत् 27 रबीउलाखल पहली पुत्रा, पौधाली, नाका चतुर्थेली, कमला जंगली, स्वामी दयानंद निर्वाणोत्सव।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
उद्वेग	05.56 से 07.23 बजे तक	शुभ	05.36 से 07.09 बजे तक
चर	07.23 से 08.51 बजे तक	अमृत	07.09 से 08.41 बजे तक
लाभ	08.51 से 10.18 बजे तक	चर	08.41 से 10.14 बजे तक
अमृत	10.18 से 11.46 बजे तक	रोग	10.14 से 11.46 बजे तक
काल	11.46 से 01.14 बजे तक	काल	11.46 से 01.19 बजे तक
शुभ	01.14 से 02.41 बजे तक	शुभ	01.19 से 02.51 बजे तक
रोग	02.41 से 04.09 बजे तक	उद्वेग	02.51 से 04.24 बजे तक
उद्वेग	04.09 से 05.36 बजे तक	शुभ	04.24 से 05.53 बजे तक

भौगोलिक सूचनाएं- सूर्योदय क्षेत्र शुभ, अमृत व लाभ, **सम्पर्क क्षेत्र** शुभ, अमृत व चल, **सूर्यास्त क्षेत्र** लाभ, अमृत व चल। सभी समय भारतीय मानक समय की गणना देखा स्थिति के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः लालच

रे लवे स्टेशन पर मालगाड़ी से शीरे के बड़े-बड़े ड्रम उतारे जा रहे थे। उन ड्रमों से थोड़ा-थोड़ा शीरा मालगाड़ी के पास नीचे जमीन पर गिर रहा था। जहाँ शीरा गिरा था मक्खियाँ आकर वैठ गईं और शीरा चाटने लगीं। ऐसा करने से उनके छोटे-छोटे मुलायम पंख उस शीरे में ही चिपक गए, फिर भी मक्खियों ने उधर ध्यान न देकर शीरे का लालच न छोड़ा और काफी देर तक शीरा चाटने में ही मगन रहीं। कुछ समय बाद वहाँ एक कुत्ता भी आ गया। कुत्ते को देखकर वे मक्खियाँ हटीं और वहाँ से उड़ने की कोशिश करने लगीं, परंतु पंख शीरे में चिपक जाने के कारण वे उड़ नहीं सकीं और शीरे के साथ-साथ वे सब भी कुत्ते का भोजन बनती गईं। उसी समय उड़ते-उड़ते और कई मक्खियाँ भी उस शीरे पर आकर बैठती गईं। उन सबके पंख भी शीरे में चिपक गए और वे भी उस कुत्ते का भोजन बन गईं। उन्होंने पहले से गई मक्खियों की दुर्गति और विलाप देखकर भी उससे कोई सीख नहीं ली, जबकि वही विलाप उनकी भी प्रतीक्षा कर रहा था। यही दशा इस संसार की है। अनुभव देखता है कि लोभ-मोह किस तरह आदमी को दुर्गति में, संकट में डालता है, फिर भी वह दुनिया के इन दुर्दुगों से बचने की कोशिश कब ही करता है। परिणामतः अनेक मनुष्यों की भी वही दुर्गति होती है, जो उन लोभी मक्खियों की हुई।

सूडोकु नवताल- 7687

मध्यम



सूडोकु नवताल -7686 का हल

8	6	4	2	7	9	5	3	1
7	3	9	1	8	5	2	6	4
1	5	2	4	3	6	7	9	8
4	1	3	8	6	7	9	5	2
5	8	6	9	2	4	3	1	7
2	9	7	5	1	3	8	4	6
9	4	8	7	5	1	6	2	3
3	7	5	6	4	2	1	6	9
6	2	1	3	9	8	4	7	5

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.

■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.

■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.

■ पहेली का केवल एक ही हल है.

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

आज दीपावली-शुभ मुहूर्त में होगी माता लक्ष्मी की पूजा

मां लक्ष्मी के स्वागत में सजे घर-आंगन और प्रतिष्ठान, बाजारों में खरीदारी की रौनक





पद्मेश न्यूज। लांजी। दीपावली केवल धन और वैभव की कामना का पर्व नहीं, बल्कि प्रेम, सद्भाव, पारिवारिक एकता और खुशियां बांटने का अवसर भी है। दीपों की रोशनी के साथ हर घर में सुख-शांति और समृद्धि का उजियारा पहुंचे, इसी मंगलकामना के साथ लांजीवासी दीपावली के स्वागत में जुटे हैं। अंधकार पर प्रकाश, असत्य पर सत्य और अधर्म पर धर्म की विजय का संदेश देने वाला दीपावली का महापर्व आज रविवार, 8 नवंबर को पूरे श्रद्धा, उल्लास और पारंपरिक उत्साह के साथ मनाया जाएगा। दीपोत्सव को लेकर नगर में उत्सव जैसा माहौल है। घरों की साफ-सफाई और आकर्षक साज-सज्जा से लेकर बाजारों में खरीदारी तक हर तरफ दीपावली की रौनक दिखाई दे रही है। धनतेरस के दिन से ही बाजारों में सुबह से ही खरीदारों की आवाजाही बनी हुई है। कोई मां लक्ष्मी की प्रतिमा खरीद रहा है तो कोई दीपक, फूल-माला, रंगोली, मिठाई और पूजन सामग्री की खरीदारी में जुटा है। कपड़ों, सराफा, बर्तन और इलेक्ट्रॉनिक्स की दुकानों पर भी ग्राहकों की चहल-पहल देखने को मिल रही है। शाम ढलते ही घरों और प्रतिष्ठानों में दीपों की कतारें सजेंगी और विधि-विधान से मां लक्ष्मी एवं भगवान गणेश का पूजन कर परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की जाएगी।

मां लक्ष्मी के स्वागत को सजे घर-प्रतिष्ठान, पंचमहोत्सव की परंपराओं में दिखेगा आस्था और उल्लास

दीपावली का पर्व हिंदू धर्म में विशेष धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व रखता है। मान्यता है कि कार्तिक अमावस्या की रात्रि मां लक्ष्मी पृथ्वी पर भ्रमण करती हैं और स्वच्छ, सुंदर तथा दीपों से प्रकाशित घरों में विराजमान होकर भक्तों को धन-धान्य, वैभव और समृद्धि का आशीर्वाद देती हैं। इसी विश्वास के चलते लोग दीपावली के पहले ही अपने घरों और प्रतिष्ठानों की साफ-सफाई कर उन्हें आकर्षक ढंग से सजाते हैं। पूजा के दौरान सर्वप्रथम भगवान गणेश का पूजन कर मां लक्ष्मी, भगवान कुबेर और बही-खातों की आराधना की जाएगी। व्यापारी वर्ग नए बही-खातों का शुभारंभ कर कारोबार में उन्नति की कामना करेगा।

शाम 6.02 से रात 8.01 बजे तक शुभ मुहूर्त

पंचांग के अनुसार रविवार 8 नवंबर को दीपावली पर माता लक्ष्मी के पूजन के लिए प्रदोष काल का विशेष महत्व रहेगा। भोपाल के पंचांग के अनुसार लक्ष्मी पूजन का शुभ मुहूर्त शाम 6.02 बजे से रात 8.01 बजे तक निर्धारित है। इस दौरान वृषभ स्थिर लग्न में माता लक्ष्मी और भगवान गणेश का पूजन करना शुभ माना गया है। प्रदोष काल शाम 5.38 से रात 8.13 बजे तक रहेगा। अमावस्या तिथि 8 नवंबर को सुबह 11.27 बजे से प्रारंभ होकर 9 नवंबर को दोपहर 12.31 बजे तक रहेगी। स्थानीय पंचांग के अनुसार मुहूर्त में कुछ मिनटों का अंतर संभव है।

पंच महोत्सव के रूप में वर्षों से चली आ रही परंपरा.

दीपावली पांच दिवसीय दीपोत्सव का प्रमुख पर्व है। इसकी शुरुआत धनतेरस से होती है, इसके बाद नरक चतुर्दशी, दीपावली, गोवर्धन पूजा और भाई दूज मनाई जाती है। प्रत्येक पर्व की अपनी धार्मिक मान्यता और परंपरा है। धनतेरस पर धन्वंतरि एवं कुबेर पूजन, नरक चतुर्दशी पर अभ्यंग स्नान और दीपदान, दीपावली पर मां लक्ष्मी की आराधना, गोवर्धन पूजा पर अन्नकूट और भाई दूज पर भाई-बहन के स्नेह का उत्सव मनाया जाता है। दीपावली के अवसर पर घरों के आंगन में रंगोली सजाई जाएगी, मुख्य द्वार पर बंदनवार लगाए जाएंगे और मिट्टी के दीपकों से घर-आंगन रोशन किए जाएंगे। बच्चे आतिशबाजी को लेकर उत्साहित हैं, वहीं परिवारों में मिठाइयां बांटने और एक-दूसरे को शुभकामनाएं देने की तैयारियां भी चल रही हैं। वहीं प्रशासन द्वारा लोगों से सुरक्षित एवं पर्यावरण अनुकूल दीपावली मनाने, पटाखे चलाते समय सावधानी बरतने तथा स्थानीय कुम्हारों से मिट्टी के दीपक खरीदकर उनके रोजगार को प्रोत्साहित करने की अपील भी की है।

दीपावली पर्व के लिये यह है मान्यता

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार दीपावली का संबंध भगवान श्रीराम के 14 वर्ष के वनवास के बाद माता सीता और लक्ष्मण के साथ अयोध्या लौटने से भी जुड़ा है। उनके आगमन की खुशी में अयोध्यावासियों ने दीप जलाकर पूरी नगरी को प्रकाशमय कर दिया था। तभी से दीप जलाकर दीपावली मनाने की परंपरा चली आ रही है। यह पर्व समाज को बुराई पर अच्छाई और अंधकार पर प्रकाश की विजय का संदेश देता है।

दीपावली की छुट्टियों में गांव लौटे युवाओं ने संभाली स्वच्छता की जिम्मेदारी

तीन दिन में स्कूल परिसर को किया साफ

पद्मेश न्यूज। लांजी। दीपावली की छुट्टियों में गांव लौटे लांजी क्षेत्र के ग्राम ओटेकसा के कुछ युवाओं ने इस चार त्योहार के साथ गांव की सेवा का संकल्प लेकर एक प्रेरणादायक पहल की। जिन युवाओं ने कभी इसी स्कूल में बैठकर पढ़ाई की थी, उन्होंने स्कूल परिसर के पीछे लंबे समय से उगी झाड़ियों को देखा तो सफाई करने का निर्णय लिया। युवाओं ने अपने स्तर पर सफाई अभियान शुरू किया और लगातार 3 दिनों तक मेहनत कर शासकीय प्राथमिक शाला की आउंडरीवॉल के भीतर उगी झाड़ियों को साफ कर दिया। युवाओं का कहना है कि स्कूल परिसर में आंगनवाड़ी भी संचालित होती है, जहां छोटे-छोटे बच्चे आते हैं। झाड़ियों के कारण कीड़े-मकोड़ों और अन्य अनहोनी का खतरा बना रहता था। ऐसे में उन्होंने किसी सरकारी आदेश या इंतजार के बजाय स्कूल और पंचायत को सूचित किया और स्वयं आगे आकर सफाई की जिम्मेदारी उठाई। युवाओं की यह पहल केवल स्कूल परिसर की सफाई तक सीमित नहीं है। दिलेश डोये, राजकुमार भंडारकर, उमेश जांभड़े, संतोष चुटे, रवि डोये, प्रदीप सिल्हारे और सोनू पंदे ने बताया कि गांव उनका अपना है और उसकी स्वच्छता व सुरक्षा की जिम्मेदारी भी सभी की है। उन्होंने कहा कि दीपावली पर गांव लौटने के दौरान मन में आया कि त्योहार की खुशियां तभी सार्थक होंगी, जब अपने गांव के लिए भी कुछ किया जाए। तीन दिन की मेहनत से मिली साफ-सफाई की तस्वीर ने उन्हें आगे भी ऐसे काम करने के लिए प्रेरित किया है। युवाओं ने संकल्प लिया है कि ये अन्य ग्रामीणों को भी साथ जोड़ेंगे और समय निकालकर बिना किसी स्वार्थ के गांव की सेवा करते रहेंगे। उनकी इस पहल ने यह संदेश दिया है कि बदलाव के लिए बड़े संसाधनों से ज्यादा जरूरी है अपने गांव के लिए कुछ करने की इच्छाशक्ति।





दृष्टि कंप्यूटर एजुकेशन इंस्टीट्यूट ने दीपावली पर रंगोली, दीप सज्जा और विविध वेशभूषा प्रतियोगिताओं का किया आयोजन

पद्मेश न्यूज। लांजी। दृष्टि कंप्यूटर एजुकेशन निभाती हैं। इंस्टीट्यूट, लांजी में शुक्रवार को दीपावली के अवसर पर हर्षोल्लास के साथ समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों ने रंगोली, दीप सज्जा और विविध वेशभूषा प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। रंगों से सजी आकर्षक रंगोलियों, कलात्मक दीपों और देश के विभिन्न प्रांतों की पारंपरिक वेशभूषा ने समारोह को विशेष बना दिया। लगभग 40 विद्यार्थियों की





रंगोली और विविध परिधानों ने मोहा मन, विजेता हुए सम्मानित

कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में पाली अकादमी इंस्टीट्यूशन, बिसोनी की संचालिका श्रीमती वंदना बैस, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती ज्योति ईश्वर उमरे एवं शासकीय महाविद्यालय लांजी की प्राचार्य डॉ. गौतमा कठाने उपस्थित रहीं। रंगोली प्रतियोगिता में राम मंदिर, भगवान गणेश, उल्लू और नारी स्वरूप के आकर्षक चित्र बनाए गए। कुछ विद्यार्थियों ने अंधविश्वास और जादू-टोने जैसे विषयों पर संदेशपरक रंगोली भी बनाई। दीप सज्जा में मिट्टी और कागज से सुंदर दीप तैयार किए गए। वहीं विविध वेशभूषा में दुबई के शेख, पंजाबी कुड़ी, मराठी मुलगा-मुलगी, साउथ इंडियन अम्मा, बंगाली महिला, बिहारी महिला और माता सीता के स्वरूप आकर्षण का केंद्र रहें। रंगोली प्रतियोगिता में कु. सपना कोहरे, कोशा शिवनकर एवं शिखा चौके के समूह ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। दीप सज्जा में कु. दुर्गा घोरमारे तथा विविध परिधान प्रतियोगिता में कु. मोनाक्षी लाडे एवं अर्सलान अहमद प्रथम रहे। अन्य प्रतिभागियों को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किए गए। अंत में संचालिका श्रीमती शिखा सचिन चावड़ा ने अतिथियों, शिक्षकों और विद्यार्थियों का आभार व्यक्त करते हुए सभी को दीपावली की शुभकामनाएं दीं।

सहभागिता से संस्थान में उत्सव का माहौल रहा। अतिथियों ने संस्था की सराहना करते हुए कहा कि यहां कंप्यूटर शिक्षा के साथ विद्यार्थियों के व्यक्तित्व, संस्कार और आत्मविश्वास को भी निखारने का प्रयास किया जा रहा है। संस्थान की संचालिका श्रीमती शिखा सचिन चावड़ा ने कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी में कोई न कोई विशेष प्रतिभा होती है। संस्थान का प्रयास है कि विद्यार्थियों को उसे पहचानने और निखारने का अवसर मिले। सफलता केवल प्रथम स्थान प्राप्त करने में नहीं, बल्कि निरंतर स्वयं को बेहतर बनाने में है। तकनीकी शिक्षा के साथ सांस्कृतिक और रचनात्मक गतिविधियां विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका

400 साल पुरानी परंपरा को आज भी सहेजे हुए है गोवारी (कोपाल) समाज

दिवारी तिहार पर 75 गांवों में होती है डाल (चंड़ी) पूजा, गाय-गोधन की आराधना के साथ बिरवा नृत्य से जीवंत होती है सांस्कृतिक विरासत

पद्मेश न्यूज। लांजी। आधुनिकता के दौर में भी आदिवासी समाज अपनी सदियों पुरानी परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत को पूरी आस्था के साथ संजोए हुए है। बालाघाट जिले के लांजी अंचल में गोवारी (कोपाल) जनजाति द्वारा दिवारी तिहार पर निभाई जाने वाली डाल (चंड़ी) पूजा इसकी अनूठी मिसाल है। समाज के बुजुर्गों के अनुसार लगभग 400 वर्षों से चली आ रही यह परंपरा आज भी लांजी सहित आसपास के करीब 75 गांवों में श्रद्धा और उत्साह के साथ निभाई जाती है। इस अवसर पर गाय-गोधन पूजा, पारंपरिक बलि पूजा, खिला मुठवा देव की आराधना और बिरवा नृत्य के माध्यम से समाज अपनी सांस्कृतिक पहचान को जीवंत रखता है। गोवारी (कोपाल) समाज के लिए दिवारी तिहार केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि प्रकृति, पशुधन और सामुदायिक जीवन के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का पर्व है। इसमें बुजुर्गों के साथ युवा और बच्चे भी शामिल होकर अपनी परंपराओं को आगे बढ़ाते हैं। बदलते समय में भी लगभग चार शताब्दियों पुरानी इस विरासत को सहेजना समाज की सांस्कृतिक एकता और पहचान का प्रतीक बना हुआ है।





75 गांवों में निभाई जाती है अनूठी परंपरा

लांजी, कटंगी, बिसोनी, कलपाथरी, सुनार, ककोड़ी और देवलगांव सहित आसपास के गांवों में गोवारी (कोपाल) समाज के लोग इस पर्व को पारंपरिक विधि-विधान से मनाते हैं। समाज का परंपरागत व्यवसाय गाय चराना और पशुपालन रहा है, इसलिए गाय-गोधन की पूजा का विशेष महत्व है। दिवारी के दिन गांव के गौठान अथवा आखर मैदान में गायों को एकत्रित कर सार्वजनिक पूजा की जाती है। पारंपरिक गाय-गोधन में एक अंडा अथवा मुर्गी का बच्चा रखा जाता है। इसके बाद गायकी पंड़ा द्वारा पूजा-अर्चना कर खिला मुठवा देव के समक्ष गायों को खिलाने की रस्म निभाई जाती है। समाज की मान्यता है कि इससे पशुधन की रक्षा और खुशहाली बनी रहती है।

20 से 25 फीट ऊंची डाल में समाहित धार्मिक मान्यताएं

पूजा का प्रमुख आकर्षण बांस से निर्मित 20 से 25 फीट लंबी डाल होती है, जिसे खटपावड़ी और मोरपंख से सजाया जाता है। समाज में दो प्रकार की डाल पूजने की परंपरा है। चार मुखी डाल माता गयता? एवं जंगी दाई का प्रतीक मानी जाती है, जबकि दो मुखी डाल को गोंडी धर्मगुरु पहांदी पारी कोपार लिंगो के स्वरूप में पूजा जाता है। डाल पूजा और पारंपरिक बलि पूजा के बाद समाज के लोग बिरवा नृत्य कर खिला मुठवा देव को प्रसन्न करने की आराधना करते हैं।

देवलगांव में 12 को दिन रात की मंडई का आयोजन

रात्रि में छत्तीसगढ़ी सांस्कृतिक लोककला मंच द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम

पद्मेश न्यूज। लांजी। ग्रामीण अंचलों की लोकसंस्कृति, परंपरा और आपसी मेल-मिलाप का प्रतीक मड़ई उत्सव देवलगांव में उत्साह और उमंग के साथ मनाया जाएगा। इस अवसर पर ग्राम देवलगांव में गुरुवार 12 नवंबर को दिन रात की मड़ई का आयोजन होगा। वहीं रात्रि 10.30 बजे छत्तीसगढ़ी सांस्कृतिक लोककला मंच द्वारा 25 कलाकारों के साथ रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया जाएगा। कार्यक्रम में लोकगीत, संगीत और नृत्य के माध्यम से दर्शकों का मनोरंजन किया जाएगा। इस दौरान विशेष आकर्षण के रूप में तोला मया नई लागे की प्रस्तुति होगी। आयोजन को लेकर सार्वजनिक मड़ई उत्सव समिति एवं समस्त ग्रामवासियों द्वारा तैयारियां की जा रही हैं। मड़ई कार्यक्रम का आयोजन श्रीकृष्ण मंदिर बाजार चौक देवलगांव में किया जाएगा। कार्यक्रम में जनपद पंचायत सदस्य महेंद्र पटेल, सरपंच पुष्पा कमल किशोर ठाकरे सहित क्षेत्र के जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उद्घाटक एवं मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। आयोजन में ग्राम पंचायत के वर्तमान एवं पूर्व पदाधिकारियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और स्थानीय जनप्रतिनिधियों की सहभागिता रहेगी। मड़ई कार्यकारिणी समिति में अध्यक्ष रामाजी सोनवाने, उपाध्यक्ष शंकरलाल ठाकरे, सचिव राजकुमार (राज) टेंभरे, सह-सचिव जगतराम टेंभरे, कोषाध्यक्ष राजेश्वर चौधरी एवं सह-कोषाध्यक्ष मनोज ठाकरे सहित अन्य सदस्य आयोजन की व्यवस्थाओं में जुटे हैं। कार्यक्रम प्रभारी के रूप में संजीत ठाकरे, नितिन हरिनखेड़े, कमल किशोर ठाकरे एवं नवीन टेंभरे जिम्मेदारी संभालेंगे। मंच संचालन की जिम्मेदारी डॉ. झौलेष टेंभरे, संतोष रहांगडाले, डॉ. एल.सी. टेंभरे एवं दुर्गेश सोनवाने निभाएंगे। आयोजकों ने समस्त क्षेत्रवासियों से मड़ई उत्सव में पहुंचकर पारंपरिक आयोजन और सांस्कृतिक कार्यक्रम का आनंद लेने की अपील की है।



लांजी में "पद्मेश"

इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें

Mo. 8319969927

पानी संकट से निपटने के लिए उपाययोजनाओं पर प्रभावी अमल करें – विधायक बडोले

पदमेश न्यूज़। गोंदिया। गर्मी के मौसम में ग्रामीण क्षेत्रों में संभावित जलसंकट से निपटने के लिए प्रशासन अभी से उचित नियोजन करे और जलसंकट निवारण के उपायों पर प्रभावी अमल सुनिश्चित करे, नागरिकों को पीने के पानी के लिए परेशानी न उठानी पड़े, इसके लिए संबंधित विभाग के अधिकारी विशेष सतर्कता बरतें, यह निर्देश विधायक इंजि. राजकुमार बडोले ने दिए.

पंचायत समिति सड़क अर्जुनी के सभागृह में शुक्रवार, को जलसंकट निवारण को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई. तहसीलदार इंद्रायणी गोमासे की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में विधायक राजकुमार बडोले प्रमुख रूप से उपस्थित थे. बैठक में ग्रामीण जलापूर्ति उपविभाग सड़क अर्जुनी के अंतर्गत संचालित विभिन्न जलापूर्ति योजनाओं की समीक्षा की गई. इस दौरान चौंकाने वाली जानकारी सामने आई कि तहसील की कुल 70 जलापूर्ति



योजनाओं में से केवल 7 योजनाएं ही शुरू हैं, जबकि अधिकांश योजनाएं बंद पड़ी हैं, इस गंभीर स्थिति पर नाराजगी जताते हुए विधायक बडोले ने बंद योजनाओं को तत्काल दुरुस्त कर पुनः शुरू करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए, उन्होंने कहा कि तहसील के अनेक गांवों के साथ ही दुर्गम बस्तियों और टोलों में आने वाले दिनों में पानी की समस्या उत्पन्न हो सकती है. ऐसे में संकट आने के बाद उपाय करने के बजाय पहले से ही संभावित स्थिति का आकलन कर प्रतिबंधात्मक उपाययोजनाएं लागू की जाएं, जिन गांवों में जलसंकट की आशंका है, वहां आवश्यक इंतजाम तत्काल किए जाएं, बैठक में जलसंकट निवारण के चरण क्र. 1, 2 और 3 के तहत प्रस्तावित उपाययोजनाओं पर भी विस्तार से चर्चा हुई. योजनाओं की वर्तमान स्थिति, उनके बंद होने के कारण, मरम्मत की आवश्यकता और आगामी जलापूर्ति नियोजन की जानकारी अधिकारियों से ली गई. विधायक बडोले ने स्पष्ट किया कि जलापूर्ति का नियोजन केवल कागजों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि गांवों में प्रत्यक्ष रूप से नियमित पानी पहुंचना चाहिए, ग्रामसेवक, पटवारी व जलापूर्ति विभाग के अधिकारी आपसी समन्वय बनाकर गांववार जलसंकट की समीक्षा करें तथा ठोस कार्ययोजना तैयार कर उस पर सख्ती से अमल करें, बैठक में पंचायत समिति सभापति चेतन वडगाये, उपसभापति निशा काशीवार, जिप सदस्य कविता रंगारी, निशा तोडासे, खंड विकास अधिकारी आदित्य ठाकरे, सहायक खंड विकास अधिकारी टी.एम. खोटेले, पंचायत समिति सदस्या डा. रुकीराम वाढई, शिवाजी गहाणे, आझादहीन राजानी, ग्रामीण जलापूर्ति उपविभागीय अभियंता टी.एम. मानकर सहित संबंधित विभागों के अधिकारी, ग्रामसेवक एवं तलाठी उपस्थित थे.

रास्ते में रोककर युवक से 6 हजार रु. की लूट

पदमेश न्यूज़। गोंदिया। अपने गांव लौट रहे एक युवक को रास्ते में रोककर 3 से 4 अज्ञात आरोपियों ने मारपीट की और उसके पास से 6 हजार रु. जबरन छीन लिए, घटना में युवक के सिर और दाहिने कंधे पर गंभीर चोटें आई हैं. घायल युवक का नाम तुमखेड़ा खुर्द निवासी कुणाल देवेंद्र गराडे (21) बताया गया है. जानकारी के अनुसार, कुणाल मोटरसाइकिल से अपने गांव जा रहा था, इसी दौरान रास्ते में 25 से 30 वर्ष आयु के 3 से 4 अज्ञात व्यक्तियों ने उसकी मोटरसाइकिल रुकवा ली, इसके बाद आरोपियों ने उसके सिर और दाहिने कंधे पर हमला कर उसे घायल कर दिया, आरोपियों ने उसकी पैंट की जेब से 6 हजार रु. जबरन निकाल लिए और मौके से फरार हो गए, फिर्यादी की शिकायत पर ग्रामीण थाने में मामला दर्ज किया गया, जांच पुलिस उपनिरीक्षक सोनवाने कर रहे हैं.

एमपी पुलिस भर्ती में बेरोजगारी की तस्वीर : 7,500 आरक्षक पदों के लिए 7.54 लाख आवेदन

भोपाल। मध्य प्रदेश में पुलिस आरक्षक के 7,500 पदों पर होने वाली भर्ती के लिए आए आवेदनों ने प्रदेश में रोजगार की स्थिति को लेकर नई बहस छेड़ दी है। कर्मचारी चयन मंडल को इन पदों के लिए कुल 7 लाख 54 हजार 500 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इस हिसाब से प्रत्येक पद के लिए औसतन 100 से अधिक उम्मीदवारों के बीच मुकाबला होगा। भर्ती की सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि आरक्षक बनने के लिए 9,933 इंजीनियरिंग डिग्रीधारी और 28 पीएचडी धारकों ने भी आवेदन किया है। भर्ती के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता सामान्य वर्ग के लिए 10वीं पास और अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थियों के लिए आठवीं पास निर्धारित की गई है। इसके बावजूद आईटीआई, डिप्लोमा, स्नातक और स्नातकोत्तर के साथ उच्च शिक्षा प्राप्त उम्मीदवार भी भर्ती में अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। इंजीनियरिंग और शोध की उच्च डिग्री रखने वाले युवाओं का आरक्षक पद के लिए आवेदन करना प्रदेश में रोजगार के अवसरों और बेरोजगारी की स्थिति पर सवाल खड़े कर रहा है। इन आंकड़ों को लेकर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने मोहन यादव सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के युवाओं में बेरोजगारी को लेकर नाराजगी बढ़ रही है और उनका धैर्य जवाब देने लगा है। भर्ती नियमों के अनुसार चयनित उम्मीदवारों को उनके गृह जिले में नियुक्ति नहीं दी जाएगी।

कर्मचारियों की हड़ताल से लघु सिंचाई विभाग का कामकाज ठप

नए आकृतिबंध के विरोध में अनिश्चितकालीन आंदोलन : तालाबों और बांधों के रखरखाव पर असर

पदमेश न्यूज़। गोंदिया। जिला परिषद गोंदिया के लघु सिंचाई विभाग के कर्मचारी अक्टूबर से नए आकृतिबंध के विरोध में अनिश्चितकालीन कामबंद आंदोलन पर हैं. कर्मचारियों की हड़ताल के चलते विभाग के विभिन्न विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं. वहीं, तालाबों, बांधों व लघु सिंचाई परियोजनाओं के रखरखाव व मरम्मत कार्यों में भी बाधाएं आ रही हैं.

कर्मचारियों के अनुसार, वर्ष 2017 के आकृतिबंध के तहत विभाग में 15 पद मंजूर थे, लेकिन 27 मई 2026 को जारी नए आकृतिबंध में पदों की संख्या घटाकर 11 कर दी गई है. पदों में कटौती के कारण कार्यरत कर्मचारियों पर अतिरिक्त काम का बोझ बढ़ गया है. अर्जुनी मोरगांव तहसील में मामा तालाबों, बांधों और लघु सिंचाई परियोजनाओं की देखभाल व मरम्मत के लिए पर्याप्त कर्मचारियों की आवश्यकता है, लेकिन स्वीकृत पदों की संख्या कम होने से कामकाज प्रभावित होने की बात कर्मचारियों ने कही है. आंदोलनरत कर्मचारियों की मांग है कि नया आकृतिबंध रद्द कर वर्ष 2017 का पुराना आकृतिबंध फिर से लागू किया जाए, इसके साथ ही तकनीकी पदों का प्रशासनिक नियंत्रण आयुक्त कार्यालय के बजाय जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के अधीन रखा जाए, कर्मचारियों ने स्पष्ट किया है कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होतीं, तब तक अनिश्चितकालीन आंदोलन जारी रहेगा.

पटाखों का ऑनलाइन ऑर्डर देने के नाम पर एक लाख की ठगी

पदमेश न्यूज़। गोंदिया। पत्नी के लिए पटाखों का बिक्री व्यवसाय शुरू करने के उद्देश्य से ऑनलाइन पटाखे मंगवाना एक व्यक्ति को महंगा पड़ गया. साइबर ठग ने पटाखों का ऑर्डर देने के बहाने उससे एक लाख रुपये की ऑनलाइन ठगी कर ली. इस मामले में नागरा निवासी प्रमोद हरिसिंह पाल (48) की शिकायत पर ग्रामीण पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया है.

जानकारी के अनुसार, प्रमोद पाल ने अपनी पत्नी के लिए पटाखों का व्यवसाय करने के उद्देश्य से इंडिया मार्ट मोबाइल एप के माध्यम से बालाजी एंटरप्राइजेस, ज़ैकर होलसेल, सिमरोल, जिला इंदौर (मध्य प्रदेश) से पटाखों का ऑर्डर देने की कोशिश की थी. इसी दौरान बालाजी एंटरप्राइजेस के नाम का इस्तेमाल कर किसी अज्ञात व्यक्ति ने ऑर्डर के बहाने उनसे कुल एक लाख रु. ऑनलाइन ठग लिए, धोखाधड़ी का पता चलने पर प्रमोद पाल ने ग्रामीण थाने में शिकायत दर्ज कराई. जांच पुलिस उपनिरीक्षक मनीष राऊत कर रहे हैं.

शराब के नशे में दुकानदार पर डंडे से हमला

पदमेश न्यूज़। गोंदिया। शराब के नशे में गालीगलौज कर रहे एक युवक को ऐसा करने से मना करना कबाड़ी दुकानदार को भारी पड़ गया. गुस्साए युवक ने दुकानदार के सिर पर डंडे से हमला कर उसे घायल कर दिया, घटना झोपड़ी मोहल्ला क्षेत्र की है. घायल दुकानदार का नाम कृष्णपुरा वाडे, झोपड़ी मोहल्ला निवासी अनिल मुन्ना छुरा (45) बताया गया है.

जानकारी के अनुसार, घटना के समय अनिल छुरा शाम करीब 5 बजे अपनी कबाड़ी की दुकान में बैठा था, दुकान के सामने मोहल्ले की 4-5 महिलाएं आपस में बातचीत कर रही थीं. इसी दौरान उसी मोहल्ले में रहने वाला आरोपी रिक्की दीपक मोरे (20) शराब के नशे में वहां पहुंचा और जोर-जोर से चिल्लाते हुए गालीगलौज करने लगा. अनिल छुरा ने उसे गालीगलौज बंद करने के लिए कहा, इस पर आरोपी ने धमकी देते हुए डंडे से उसके सिर पर वार कर दिया. हमले में उसके सिर से खून निकलने लगा और उन्हें चोट आई. फिर्यादी की शिकायत पर शहर पुलिस ने मामला दर्ज किया है. जांच हवलदार खोब्रागड़े कर रहे हैं.

जमीन सौदे के नाम पर 32.50 लाख रु. की धोखाधड़ी

पदमेश न्यूज़। गोंदिया। सालेकसा थाने के तहत नवाटोला (बोंडेपार) निवासी शामकला आडकू भांडारकर (52) को उपचार के लिए ग्रामीण अस्पताल आमगांव ले जाया गया. जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई. फिर्यादी डा. लोकेश वाडीवा की शिकायत पर सालेकसा पुलिस ने आकस्मिक मृत्यु का मामला दर्ज किया है. जांच हवलदार भजने कर रहे हैं.

ई-पीक पंजीयन के अभाव में किसान परेशान

पदमेश न्यूज़। गोंदिया। गोरेगांव केतहसील के घोटी, गेहलाटोला और जानाटोला क्षेत्र के करीब 350 कृषि समूहों की वैध पर जियो-फेंसिंग नहीं होने के कारण अनेक किसानों का ई-पीक निरीक्षण पंजीयन पूरा नहीं हो पाया है. इसके चलते किसानों को सरकारी धान खरीदी केंद्रों पर अपनी उपज बेचने में परेशानी होने की आशंका है. इस समस्या से किसानों पर आर्थिक संकट मंडराने लगा है.

इस गंभीर समस्या की ओर प्रशासन का ध्यान आकर्षित करने के लिए गुरुवार को किसानों ने गोरेगांव तहसील कार्यालय पहुंचकर तहसीलदार प्रज्ञा भोंकरे से मुलाकात की और अपनी समस्याओं से अवगत कराया. इस दौरान समस्या के तत्काल समाधान की मांग की लेकर ज्ञापन भी सौंपा गया. किसानों की परेशानी को गंभीरता से लेते हुए तहसीलदार प्रज्ञा भोंकरे ने मामले का तत्काल संज्ञान लिया. उन्होंने खरीफ सीजन 2026-27 में खसरा पंजीयन का कार्य 100 प्रश. पूरा करने का आश्वासन दिया. साथ ही स्पष्ट किया कि कोई भी किसान सरकारी धान खरीदी केंद्र पर अपनी उपज बेचने से वंचित नहीं रहेगा और इसके लिए आवश्यक कार्रवाई की जाएगी. तहसीलदार ने जिन किसानों के नाम अब तक पंजीयन प्रक्रिया में शामिल नहीं हो पाए हैं, उनसे अपील की कि वे बिना देरी किए संबंधित तलाठियों के पास अपना नाम और कृषि गट क्रमांक दर्ज कराएं, इस अवसर पर वाई.बी. पटले, जगदीश येरोला, घनश्याम पटले, महाप्रसाद बीजेवार, कामराज पटले, प्रदीप डोंगरे और योगेश गौतम उपस्थित थे. किसानों का कहना है कि ई-पीक पंजीयन की समस्या का तत्काल समाधान होने से सरकारी धान खरीदी के दौरान होने वाली संभावित परेशानियां दूर होंगी, अब किसानों को तहसील प्रशासन द्वारा दिए गए आश्वासन के प्रभावी क्रियान्वयन का इंतजार है.

लोहिया विद्यालय में धनतेरस पर विधिवत पूजन-अर्चन

पदमेश न्यूज़। गोंदिया। लोहिया शिक्षण संस्था द्वारा संचालित रामेश्वरदास जमनादास लोहिया माध्यमिक व उच्च माध्यमिक विद्यालय में शुक्रवार को धनत्रयोदशी (धनतेरस) के अवसर पर विधिवत पूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया.इस अवसर पर संस्था के संस्थापक व अध्यक्ष जगदीश लोहिया ने भगवान श्री गणेश, माता लक्ष्मी व माता सरस्वती की प्रतिमाओं का पूजन कर माल्यार्पण किया. इसके पश्चात उपाध्यक्ष घाटबांधे, प्राचार्या उमा बाच्छल, ग ु ल ा ब च ं द चिखलोंढे, मुख्याध्यापक मनोज शिंदे, पर्यवेक्षिका कल्पना काले व प्राध्यापक आर.एन. असवाले ने दीप प्रज्वलित कर पूजन-अर्चन किया. साथ ही भगवान श्री गणेश, माता लक्ष्मी व मां शारदा



की आरती की गई. कार्यक्रम में संस्था के पदाधिकारियों सहित प्राध्यापक जी.एस. कावले, सहायक शिक्षक टी.बी. सातकर तथा विद्यालय के शिक्षक व शिक्षकेतर कर्मचारी उपस्थित थे.

जमानत के लिए सुप्रीम कोर्ट पहुचीं पूर्व जज गिरिबाला सिंह

भोपाल। त्विषा शर्मा की संदिग्ध मौत के मामले में आरोपी सास पूर्व जज गिरिबाला सिंह ने जमानत के लिए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। एमपी हाई कोर्ट की जबलपुर पीठ से नियमित जमानत याचिका खारिज होने के बाद उन्होंने शीर्ष अदालत में याचिका दायर की है। गौरतलब है कि चार नवंबर को हाई कोर्ट में न्यायमूर्ति अजय कुमार निरंकारी की एकलपीठ ने मामले में जांच जारी होने और महत्वपूर्ण फोरेंसिक व डिजिटल साक्ष्य की रिपोर्ट लंबित होने को ध्यान में रखते हुए जमानत का लाभ देने से इन्कार करते हुए गिरिबाला सिंह की जमानत अर्जी निरस्त कर दी थी।

हाई कोर्ट ने अपने आदेश में त्विषा के मोबाइल से प्राप्त डिजिटल डेटा और गिरिबाला सिंह के घर के सीसीटीवी फुटेज की फोरेंसिक जांच रिपोर्ट का उल्लेख किया था। अदालत के अनुसार, इन रिपोर्टों से जांच में महत्वपूर्ण तथ्य सामने आ सकते हैं। मामले में सीबीआइ की आगे की जांच भी जारी है।

- 12 मई को घर में मृत मिली थी त्विषा

त्विषा शर्मा 12 मई को भोपाल के कटारा हिल्स स्थित अपने ससुराल में मृत मिली थीं। मामले की जांच बाद में सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर सीबीआइ को सौंपी गई थी। इस प्रकरण में गिरिबाला सिंह और उनके बेटे समर्थ सिंह न्यायिक हिरासत में हैं।

वनरक्षकों व वनपालों का यात्रा भत्ता 1,500 से बढ़ाकर 2,500 रु.

वनमंत्री गणेश नाईक की अध्यक्षता में हुई बैठक में उठी मांग पूरी

पदमेश न्यूज़। गोंदिया। वन विभाग के वनरक्षक और वनपाल संवर्ग के कर्मचारियों के लिए राहत भरी खबर है. शासन ने उनके मासिक स्थायी यात्रा भत्ते में 1,000 रु. की वृद्धि करते हुए इसे 1,500 रु. से बढ़ाकर 2,500 रु. कर दिया है. इस संबंध में 3 नवंबर 2026 को शासन निर्णय जारी किया गया. बढ़ा हुआ भत्ता 1 नवंबर 2026 से लागू कर दिया गया है.

उल्लेखनीय है कि 29 अक्टूबर को मुंबई स्थित सह्याद्री अतिथिगृह में वनमंत्री गणेश नाईक की अध्यक्षता में आयोजित समस्या निवारण बैठक में फॉरेस्टर एंड फॉरेस्ट गार्ड एसोसिएशन, ठाणे की ओर से वनरक्षक और वनपाल संवर्ग के कर्मचारियों का स्थायी यात्रा भत्ता बढ़ाने की मांग रखी गई थी. शासन ने इस मांग पर सकारात्मक निर्णय लेते हुए कर्मचारियों को राहत दी है. वनरक्षक, रोपवन कोतवाल, वनपाल और सहायक रोपण अधिकारी के यात्रा भत्ते में यह वृद्धि की गई है. ये कर्मचारी वन संरक्षण, वन्यजीव संवर्धन और पर्यावरण की रक्षा के लिए दुर्गम, अतिदुर्गम, पहाड़ी तथा नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विपरीत परिस्थितियों के बीच दिन-रात अपनी सेवाएं देते हैं. शासन के इस निर्णय से राज्य के हजारों वनकर्मियों को आर्थिक राहत मिलेगी. साथ ही उनका मनोबल बढ़ेगा और वन संरक्षण के कार्यों को भी मजबूती मिलेगी.

विश्रामगृह के पास अवैध पार्किंग से नागरिक परेशान

पदमेश न्यूज़। गोंदिया। स्थानीय विश्रामगृह के समीप पिछले कई वर्षों से मध्य प्रदेश की निजी बसों और अन्य वाहनों की पार्किंग की जा रही है. इसके कारण विश्रामगृह में आने-जाने वाले लोगों के साथ ही इस मार्ग से गुजरने वाले यात्रियों और आम नागरिकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है.

नागरिकों के अनुसार, अवैध पार्किंग के चलते सड़क पर यातायात व्यवस्था प्रभावित हो रही है. इतना ही नहीं, निजी वाहनों के चालक और मालिक यात्रियों तथा स्थानीय नागरिकों के साथ कथित तौर पर मनमानी और अभद्र व्यवहार करते हैं. इससे क्षेत्र में असंतोष बढ़ता जा रहा है. इस पूरे मामले में नागरिकों ने रामनगर पुलिस थाने और गोंदिया यातायात शाखा की भूमिका पर भी सवाल उठाए हैं. उनका आरोप है कि



संबंधित विभागों की अनदेखी के कारण यह अवैध पार्किंग लंबे समय से जारी है. वहीं, इस मामले के पीछे भाजपा के एक पूर्व पार्षद की भूमिका होने की चर्चा भी नागरिकों में है. बढ़ती समस्या को लेकर शहरवासियों में नाराजगी है. नागरिकों ने प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप कर विश्रामगृह के आसपास के परिसर और सड़क को अतिक्रमणमुक्त करने तथा यातायात के लिए खुला रखने की मांग की है. साथ ही अवैध पार्किंग के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ जांच कर कड़ी कानूनी कार्रवाई करने की मांग भी की जा रही है.

दो साल में मध्यप्रदेश को दुग्ध उत्पादन में बनाएंगे देश का नंबर वन राज्य – मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश को अगले दो वर्षों में दुग्ध उत्पादन के मामले में देश का नंबर वन राज्य बनाया जाएगा। इसके लिए प्रदेश की ग्राम पंचायतों में दूध संकलन के लिए दुग्ध सहकारी समितियों का गठन किया जा रहा है। सरकार का प्रयास है कि किसान अनाज उत्पादन के साथ पशुपालन और दुग्ध उत्पादन से भी अपनी आय बढ़ाएं।

मुख्यमंत्री शनिवार को मुख्यमंत्री निवास में पत्रकारों के साथ आयोजित दीपावली मिलन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश वर्तमान में दुग्ध उत्पादन में देश में तीसरे स्थान पर है। प्रदेश कृषि आधारित राज्य है और खेती के साथ पशुपालन, मत्स्य पालन तथा



उद्यानिकी को बढ़ावा देकर किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत की जा रही है। सिंचाई का रकबा बढ़ाने के साथ किसानों को दिन में 10 घंटे बिजली देने की शुरुआत भी की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री रजिस्ट्री योजना के माध्यम से ग्रामीणों को उनकी संपत्ति का प ं ज ी क ृ त द स ् त ा व ेज देकर मालिकाना हक प्रदान किया जा रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत प्रदेश के सभी 55 जिलों में पीएम एक्सीलेंस कॉलेज स्थापित किए गए हैं। सांदीपनि विद्यालयों के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और सुगम परिवहन सेवा को बढ़ावा दिया जा रहा है। मंडला और बालाघाट में मेडिकल कॉलेजों का निर्माण किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में सड़क और रेल नेटवर्क के विस्तार के साथ प्रत्येक जिले और छोटे शहरों को औद्योगिक विकास से जोड़ा जा रहा है। धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए 2500 करोड़ रुपये की लागत से ओंकारेश्वर कॉरिडोर तथा 2000 करोड़ रुपये की लागत से चित्रकूट और ओरछा में विकास कार्य किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को दीपावली, गोवर्धन पूजा और भाईदूज की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सरकार का लक्ष्य विकास का लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचना है।

ई-अटेंडेंस लगाने वाले शिक्षकों को मिलेगा प्रशस्ति पत्र

भोपाल। मध्य प्रदेश में ई-अटेंडेंस का विरोध कर रहे शिक्षकों के बीच स्कूल शिक्षा विभाग ने नियमित ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज करने वाले शिक्षकों को प्रोत्साहित करने की पहल की है। अब 'हमारे शिक्षक' ऐप का नियमित और सही तरीके से इस्तेमाल करने वाले शिक्षकों को विभाग डिजिटल प्रशस्ति पत्र देगा। इसमें समय पर ई-अटेंडेंस लगाने के साथ इसी ऐप के जरिए अवकाश आवेदन और अन्य विभागीय काम करने वाले शिक्षक शामिल होंगे।

स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव डॉ. गोयल ने शुक्रवार को लोक शिक्षण संचालनालय में अधिकारियों के साथ बैठक कर विभागीय गतिविधियों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने 'हमारे शिक्षक' ई-अटेंडेंस ऐप की उपलब्धियों पर प्रसन्नता जताई। उन्होंने निर्देश दिए कि नियमित और समयबद्ध उपस्थिति दर्ज करने वाले शिक्षकों को ऐप के माध्यम से ही डिजिटल प्रशस्ति पत्र प्रदान किए जाएं।

नियमित उपस्थिति से बेहतर होगी शिक्षा की गुणवत्ता

सचिव डॉ. गोयल ने कहा कि शिक्षकों की नियमित उपस्थिति गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की आधारशिला है। इससे स्कूलों में शिक्षण कार्य सुचारू और व्यवस्थित रहता है। साथ ही विद्यार्थियों में अनुशासन, समयबद्धता और पढ़ाई के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित होता है। उन्होंने कहा कि 'हमारे शिक्षक' ऐप का सार्थक उपयोग करने वाले शिक्षकों को प्रशस्ति पत्र देने की पहल से डिजिटल व्यवस्था मजबूत होगी। इससे शिक्षकों में जवाबदेही, अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा को भी प्रोत्साहन मिलेगा। यह शिक्षकों के समर्पण और बेहतर शैक्षणिक वातावरण तैयार करने में उनके योगदान को सम्मान देने का प्रयास है।

विराट न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बने



वेलिंगटन। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने मेजबान न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय में केवल 7 रन बनाने के बाद भी एक नई उपलब्धि अपने नाम की है। कोहली इसी के साथ ही न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। कोहली ने अपने इस रिकार्ड के साथ ही ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग को पीछे छोड़ा।

कोहली ने न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय के 38 मैचों में 56.51 के औसत से 1978 रन बनाए हैं, जिसमें 7 सात शतक और 11 अर्धशतक शामिल हैं। उन्होंने अपने करियर में साल 2010 में न्यूजीलैंड के खिलाफ पहला एकदिवसीय मुकाबला खेला था। वहीं पोंटिंग ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 51 एकदिवसीय मैचों में 45.83 के औसत से 1971 रन बनाये हैं। उन्होंने इस दौरान 6 शतक और 12 अर्धशतक लगाये हैं। कोहली ने वेलिंगटन में एक रन बनाते ही पोंटिंग को पीछे छोड़ा। उन्होंने ऑकलैंड में हुए पहले एकदिवसीय में 74 रन की पारी खेलकर पोंटिंग की बारबरी की थी। एकदिवसीय में कोवी के खिलाफ सबसे ज्यादा रन बनाने वालों की सूची में महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर तीसरे स्थान पर हैं। उन्होंने 42 मैचों में 1750 रन जोड़े, जिसमें 46.05 का औसत रहा।

सैंडपेपरगेट विवाद पर उस्मान ख्वाजा का बड़ा दावा, बोले- पूरी ऑस्ट्रेलियाई टीम को थी बॉल टेंपरिंग की जानकारी

सिडनी । ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट में 2018 के चर्चित सैंडपेपरगेट विवाद ने एक बार फिर तूल पकड़ लिया है। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा ने दावा किया है कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ केपटाउन टेस्ट में गेंद से छेड़छाड़ की योजना के बारे में पूरी ऑस्ट्रेलियाई टीम को जानकारी थी। उनके इस खुलासे के बाद क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पुरानी जांच का बचाव किया है और उसके निष्कर्षों पर भरोसा जताया है।



ख्वाजा ने अपनी आने वाली आत्मकथा सब्र में इस विवाद से जुड़े कई खुलासे किए हैं। उन्होंने कहा कि गेंद से छेड़छाड़ की जानकारी सिर्फ स्टीव स्मिथ, डेविड वॉर्नर और कैमरन बैनक्रॉफ्ट तक सीमित नहीं थी, बल्कि बल्लेबाजों, गेंदबाजों और सहयोगी स्टाफ समेत पूरी टीम को इसकी जानकारी थी। ख्वाजा के मुताबिक, दक्षिण अफ्रीका दौरे के दौरान पोर्ट एलिजाबेथ टेस्ट में भी गेंद की स्थिति बदलने के लिए सैंडपेपर के इस्तेमाल पर चर्चा हुई थी। गौरतलब है कि मार्च 2018 में केपटाउन टेस्ट के दौरान कैमरन बैनक्रॉफ्ट को गेंद पर सैंडपेपर रगड़ते हुए पकड़ा गया था। इसके बाद क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने स्टीव स्मिथ और डेविड वॉर्नर पर एक-एक साल तथा बैनक्रॉफ्ट पर नौ महीने का प्रतिबंध लगाया था। उस समय जांच में इन्हीं तीन खिलाड़ियों को साजिश की पूर्व जानकारी होने का दोषी माना गया था।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने बयान जारी कर कहा कि अब तक सामने आई सभी संबंधित जानकारियों पर उचित विचार किया गया है और वह अपनी जांच के निष्कर्षों से संतुष्ट है। संस्था ने यह भी कहा कि नई प्रासंगिक जानकारी मिलने पर उस पर विचार करने का रास्ता खुला है। वहीं, पूर्व कोच डैरेन लेहमैन ने ख्वाजा के दावे पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि पूरी टीम को इसकी जानकारी थी, ऐसा मानना सही नहीं होगा।

नबी ने साइफर्ट को आउट कर अपने करियर का पहला विकेट लिया

वेलिंगटन। भारतीय टीम के युवा तेज गेंदबाज आकिब नबी ने मेजबान न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय क्रिकेट मैच में शानदार गेंदबाजी करते हुए उसके बल्लेबाजी को कोई अवसर नहीं दिया। नबी ने अपने करियर का सबसे यादगार स्पैल डालते हुए मेजबान टीम की सलामी जोड़ी को टिकने नहीं दिया। नबी ने नई गेंद से अपने पहले ही ओवर में न्यूजीलैंड के सलामी बल्लेबाज टिम साइफर्ट को पवेलियन भेज दिया। साइफर्ट अपना खाता भी नहीं खोल पाए और केवल दो रन ही बना पाये। इस प्रकार न्यूजीलैंड को पहला और सबसे बड़ा झटका लगा। यह नबी के अंतरराष्ट्रीय करियर का पहला विकेट था, जिसे उन्होंने बेहद खास अंदाज में मनाया। इससे पहले अपने दो एकदिवसीय मुकाबलों में वह असफल रहे थे। साइफर्ट को आउट करने में अंशुल कंबोज ने भी योगदान दिया।

रोहित तीन टीमों के खिलाफ 50 से अधिक छक्के लगाने वाले दूसरे खिलाड़ी बने

वेलिंगटन। भारतीय टीम के अनुभवी सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने मेजबान न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय में अपनी 23 रनों की छोटी सी पारी में 2 छक्के लगाकर एक नया रिकार्ड बना दिया। इस मैच में दो छक्के लगाते ही रोहित एकदिवसीय क्रिकेट में तीन टीमों के खिलाफ सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले दूसरे बल्लेबाज बन गए हैं। रोहित ने न्यूजीलैंड के खिलाफ अब तक एकदिवसीय में 51 छक्के लगाए हैं। इस प्रकार वह एकदिवसीय क्रिकेट में तीन विपक्षी टीमों के खिलाफ 50 या उससे ज्यादा छक्के लगाने वाले दूसरे बल्लेबाज बने हैं। उन्होंने इस मामले में पाकिस्तान के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी के विश्व रिकार्ड की बराबरी कर ली है। इससे पहले अफरीदी ने भी तीन टीमों के खिलाफ 50 से अधिक छक्के लगाये थे। न्यूजीलैंड तीसरी ऐसी टीम है जिसके खिलाफ रोहित ने एकदिवसीय क्रिकेट में 50 या उससे ज्यादा छक्के लगाए हैं। कोवी टीम के खिलाफ उनके 51 छक्के हो गए हैं। इससे पहले रोहित ने ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका के खिलाफ 50 से अधिक छक्के लगाये हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय में रोहित ने सबसे अधिक 93 छक्के लगाए हैं, जबकि श्रीलंका के खिलाफ उनके नाम 58 छक्के हैं। रोहित न्यूजीलैंड के खिलाफ सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों की सूची में अफरीदी से आगे हैं। अफरीदी के नाम कोवी टीम के खिलाफ एकदिवसीय में 50 छक्के लगाने का रिकॉर्ड था पर रोहित के नाम 51 छक्के हैं। इस प्रकार वह अफरीदी से आगे निकल गये हैं।



भारतीय टीम ने दूसरे एकदिवसीय में डकवर्थ लुईस नियम से न्यूजीलैंड को 4 रनों से हराया

वेलिंगटन। भारतीय क्रिकेट टीम ने वर्षा बाधित दूसरे एकदिवसीय क्रिकेट मैच में मेजबान न्यूजीलैंड को चार रनों से हराकर पांच मैचों की इस सीरीज में 2-0 की बहुत हासिल कर ली है। बारिश की बाधा के कारण इस मैच का फैसला डकवर्थ लुईस नियम से आया। इस मैच में शानदार प्रदर्शन करने वाले भारत के गुरनूर बराड़ को प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड मिला। इस मैच में भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल ने टॉस जीतकर मेजबान टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। कीवी टीम भारतीय गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पायी और 41 ओवर में ही 134 रनों पर सिमट गयी। इसके बाद जीत के लिए मिले 135 रनों के आसान से लक्ष्य को भारतीय टीम ने बमुश्किल हासिल किया। 135 रन के छोटे लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम के बल्लेबाज लड़खड़ा गये टीम ने 26 ओवर में ही केवल 113 रनों पर सात विकेट खो दिये। तब उसे जीत के लिए 22 रन की जरूरत थी। तभी बारिश से मुकाबले में बाधा आई। बारिश नहीं रुकने पर डकवर्थ लुईस नियम के तहत भारतीय को चार रनों से विजेता घोषित कर दिया गया।



इससे पहले आज सुबह बारिश के कारण टॉस में भी देरी हुई। सुबह देर से मैच शुरू होने के बाद ओवर घटाकर 47-47 कर दिये गये। इस मैच में 135 रनों के छोटे से लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम के पसीने निकल गये। सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल पहली ही गेंद पर आउट हो गये। वहीं विराट कोहली भी सात रन ही बना पाये। रोहित भी बड़ी पारी नहीं खेल पाये। रोहित ने 28 गेंदों में दो चौके और दो छक्के लगाते हुए 23 रनों की पारी खेली। इसके बाद अक्षर पटेल 7 रन बनाकर आउट हुए और भारत का चौथा विकेट गिरा। इसके बाद। श्रेयस अय्यर और केएल राहुल ने पांचवें विकेट के लिए 39 रन की साझेदारी कर पारी को संभालने के प्रयास किये पर जेमीसन ने श्रेयस को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ दिया। अय्यर ने 46 गेंदों में चार चौके और एक छक्का लगाकर 30 रन बनाये।

इसके बाद नमन धीर 12 रन बनाकर कैच हुए। अगले ही ओवर में जेमीसन ने अंशुल कम्बोज को 1 रन पर ही आउट कर भारत का सातवाँ विकेट लिया। जेमिसन ने अंशुल कंबोल को एक रन पर आउट कर भारत को सातवां झटका दिया। इसी ओवर के बाद बारिश शुरु हो गई। वहीं इससे पहले इससे पहले । बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की टीम भारतीय गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पायी। आकिब नबी ने पहले ही ओवर में टिम साइफर्ट का खाता खोले बिना ही पेवेलियन भेज दिया। पांचवें ओवर में विल यंग भी 6 रन बनाकर आउट हो गये। हेनरी निकोल्स 11 रन बनाकर अंशुल कम्बोज का शिकार बनेकिया। 20वें ओवर में बराड़ ने टॉम लेथम को सात और ग्लेन फिलिप्स को खाता खोले बिना ही पेवेलियन भेज दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये कप्तान मिशेल सैंटनर ने डैरिल मिशेल के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया पर असफल रहे। दोनों बल्लेबाजों के बीच छठे विकेट लिए 59 रनों की साझेदारी हुई। 35वें ओवर में अक्षर पटेल ने डैरिल मिचेल को 55) को आउट कर इस साझेदारी का अंत किया। अगले ही ओवर में बराड़ ने सैंटनर 31 को भी आउट कर दिया।) मिचेल ने अपनी 55 रनों की संघर्षपूर्ण पारी में 104 गेंदों का सामना किया और चार चौके तथा दो छक्के लगाये जबकि सैंटनर ने 38 गेंदों दो छक्के और एक चौका लगाते हुए 31 रन बनाये। वहीं अन्य बल्लेबाज दो अंकों तक भी नहीं पहुंच पाये। अंतिम तीन विकेट काइल जेमीसन 7 , नेथन स्मिथ 3 और क्लेयर टिकनर 2 रन बनाकर गिरे।

प्रधानमंत्री ने भारतीय पेरा टेबल टेनिस दल को किया सम्मानित



इंदौर। जापान के आइची-नागोया में आयोजित पांचवें एशियाई पेरा गेम्स में भारतीय पेरा टेबल टेनिस खिलाड़ियों के सात कांस्य पदक जीतने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों को सम्मानित किया। सम्मानित होने वालों में इंदौर के प्रशिक्षक जयेश आचार्य भी शामिल रहे।

मध्य प्रदेश पेरा टेबल टेनिस प्रमोशन एसोसिएशन के अध्यक्ष ओम सोनी और महासचिव प्रमोद गंगराड़े ने बताया कि एशियाई पेरा गेम्स में भारत 114 पदक जीतकर चौथे स्थान पर रहा। पेरा टेबल टेनिस में भारतीय खिलाड़ियों ने सात कांस्य पदक हासिल किए। प्रधानमंत्री ने खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना की। इस अवसर पर केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया और खेल राज्य मंत्री रक्षा खडसे भी मौजूद थीं।

प्रधानमंत्री ने भाविना पटेल, जेडी मदन और सोनल पटेल सहित सभी खिलाड़ियों की प्रशंसा की। टीम के प्रशिक्षक ललन दोषी को भी सम्मानित किया गया। जयेश आचार्य ने सम्मान के लिए प्रधानमंत्री का आभार जताते हुए कहा कि खेलों को प्रोत्साहित करने के लिए शुरू की गई योजनाओं और उनके प्रभावी क्रियान्वयन से खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन का अवसर मिला है। मध्य प्रदेश टेबल टेनिस संगठन के चेयरमैन ओम सोनी, नरेंद्र कौशिक, प्रमोद सोनी, रिंकू आचार्य, प्रमोद गंगराड़े, नीलेश वेद, गौरव पटेल और अमित कोटिया ने जयेश आचार्य की उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त की।

प्रधानमंत्री ने भारतीय पेरा टेबल टेनिस दल को किया सम्मानित



इंदौर। जापान के आइची-नागोया में आयोजित पांचवें एशियाई पेरा गेम्स में भारतीय पेरा टेबल टेनिस खिलाड़ियों के सात कांस्य पदक जीतने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों को सम्मानित किया। सम्मानित होने वालों में इंदौर के प्रशिक्षक जयेश आचार्य भी शामिल रहे।

मध्य प्रदेश पेरा टेबल टेनिस प्रमोशन एसोसिएशन के अध्यक्ष ओम सोनी और महासचिव प्रमोद गंगराड़े ने बताया कि एशियाई पेरा गेम्स में भारत 114 पदक जीतकर चौथे स्थान पर रहा। पेरा टेबल टेनिस में भारतीय खिलाड़ियों ने सात कांस्य पदक हासिल किए। प्रधानमंत्री ने खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना की। इस अवसर पर केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया और खेल राज्य मंत्री रक्षा खडसे भी मौजूद थीं।

प्रधानमंत्री ने भाविना पटेल, जेडी मदन और सोनल पटेल सहित सभी खिलाड़ियों की प्रशंसा की। टीम के प्रशिक्षक ललन दोषी को भी सम्मानित किया गया। जयेश आचार्य ने सम्मान के लिए प्रधानमंत्री का आभार जताते हुए कहा कि खेलों को प्रोत्साहित करने के लिए शुरू की गई योजनाओं और उनके प्रभावी क्रियान्वयन से खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन का अवसर मिला है। मध्य प्रदेश टेबल टेनिस संगठन के चेयरमैन ओम सोनी, नरेंद्र कौशिक, प्रमोद सोनी, रिंकू आचार्य, प्रमोद गंगराड़े, नीलेश वेद, गौरव पटेल और अमित कोटिया ने जयेश आचार्य की उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त की।

शुभमन पहली बार एकदिवसीय में गोल्डन डक हुए

वेलिंगटन । भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल यहां मेजबान न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय क्रिकेट मैच में पहली ही गेंद पर पेवेलियन लौट गये। शुभमन को तेज गेंदबाज जैकब डफी ने अपना शिकार बनाया। इस प्रकार वह गोल्डन डक हुए। जब कोई खिलाड़ी अपनी पारी की पहली ही गेंद पर बगैर रन बनाए आउट होता है तो उसे गोल्डन डक कहा जाता है। शुभमन अपने एकदिवसीय करियर में 72वें मैच में पहली बार गोल्डन डक हुए हैं।



गिल अपने एकदिवसीय करियर में दूसरी बार शून्य पर आउट हुए हैं। वह साल 2023 में में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसय मैच में शून्य पर पवेलियन लौट थे पर अब उन्होंने दो गेंदें खेलीं थी। यह मैच विशाखापट्टनम में हुआ था। गिल ने तब दो गेंदों का सामना किया था। उन्हें मिचेल स्टार्क ने आउट किया था।

वेलिंगटन एकदिवसीय बारिश से प्रभावित रहा। बारिश और मौसम को देखते हुए मैच प्रति ओवर 47 ओवर का कर दिया गया था। इस मैच में मेजबान टीम ने 134 रन बनाये और भारतीय टीम ने डकवर्थ लुईस नियम से 4 रनों से मैच जीत लिया। भारतीय टीम ने 7 विकेट पर 113 रन बनाये थे।

इस मुकाबले में भी न्यूजीलैंड की टीम 200 के भीतर ढेर आउट हो गई है। पिछले मैच में भी कीवी टीम ने पहले बल्लेबाजी की थी और सस्ते में सिमट गई थी। इन दो मैचों में न्यूजीलैंड के बल्लेबाज भारतीय गेंदबाजों के सामने बेबस दिखी। न्यूजीलैंड ने भारत के खिलाफ पहले एकदिवसीय में 185 रन बनाए थे और दूसरे मुकाबले में 134 रनों पर बनाये। वे 25 साल बाद हुआ है, जब न्यूजीलैंड की टीम किसी भी एकदिवसीय सीरीज के दो मैचों में 200 के अंदर ऑलआउट हुई है। इससे पहले ऐसा साल 2001 में कीवी टीम के साथ श्रीलंका के खिलाफ हुआ था।

शमी के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास पर भावुक हुए प्रशंसक

मुम्बई । भारतीय टीम से बाहर चल रहे अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने आखिरकार टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी। इसी के सा ही शमी का 13 साल का टेस्ट करियर समाप्त हो गया। वह हालांकि एकदिवसीय और टी20 प्रारूप खेलते रहेंगे। शमी के टेस्ट से संन्यास के फैसले पर प्रशंसक भावुक हो गये और उन्होंने उनके अमूल्य योगदान को याद किया। सोशल मीडिया पर उनकी इस खबर से निराशा और भावुक प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ गई। 13 सालों तक अपनी गेंदबाजी से विपक्षी बल्लेबाजों के दिलों में डर पैदा करने वाले शमी के इस फैसले से निराश उनके प्रशंसकों ने कहा कि आज शायद आलोचकों को जवाब मिल गया होगा। साथ ही कहा, 'आपके योगदान को भारत और क्रिकेट प्रेमी कभी नहीं भूलेंगे।'

गौरतलब है कि 36 साल के शमी लंबे समय से भारतीय टेस्ट टीम से बाहर चल रहे थे और 2025 चैंपियंस ट्रॉफी के बाद से ही टीम में जगह नहीं बना पा रहे थे। आखिरकार उन्होंने सोशल मीडिया में एक भावुक पोस्ट साझा कर अपने संन्यास की घोषणा कर दी, जिसमें उन्होंने स्पष्ट किया कि वह एकदवसीय और टी-20 जैसे सीमित ओवरों के प्रारूप में खेलना जारी रखेंगे। अपने संदेश में, शमी ने कहा कि जब उन्होंने पहली बार भारत की टेस्ट जर्सी पहनी थी, तब उनका सिर्फ एक ही सपना था कि देश के लिए कुछ कर दिखाना। उन्होंने आगे लिखा कि इसके बाद हर विकेट, हर संघर्ष, हर चोट और हर वापसी ने उन्हें कुछ न कुछ सिखाया। टेस्ट क्रिकेट को अपनी जिंदगी का बेहद खास हिस्सा बताते हुए उन्होंने भारी मन और अनगिनत खूबसूरत यादों के साथ अलविदा कहने की बात कही।



शमी के टेस्ट करियर का सफर आंकड़ों और शानदार स्पेल की एक अनूठी दास्तान रहा है। 6 नवंबर 2013 को कोलकाता के ऐतिहासिक ईडन गार्डन्स मैदान पर वेस्टइंडीज के खिलाफ अपने टेस्ट करियर की शुरुआत करने वाले शमी ने 13 साल के लंबे सफर में भारत के लिए 64 टेस्ट मैच खेले। इस दौरान उन्होंने 27.71 की बेहतरीन गेंदबाजी औसत से कुल 229 विकेट अपने नाम किए। अपने इस सफल टेस्ट करियर के दौरान, उन्होंने छह बार एक पारी में पांच या उससे ज्यादा विकेट हासिल करने का कारनामा किया।

शमी की सबसे बड़ी खासियत नयी और पुरानी दोनों गेंदों से सीम और स्विंग हासिल करने की अद्भुत क्षमता थी। जिसके बल पर वह भारतीय तेज गेंदबाजी आक्रमण के सबसे मजबूत स्तंभ बने और विदेशी पिचों पर भी अपनी एक अलग और खास पहचान बनाई। खासतौर पर दक्षिण अफ्रीका, वेस्टइंडीज और अपनी ही धरती पर शमी का प्रदर्शन बेहतरीन रहा, जहाँ उन्होंने 35 टेस्ट मैचों में 25 से भी कम की शानदार औसत से 131 विकेट लिए। दक्षिण अफ्रीका की उछालभरी और तेज पिचों पर शमी का प्रदर्शन भारतीय क्रिकेट के इतिहास में हमेशा याद रखा जाएगा। 2018 के दक्षिण अफ्रीका दौरे पर जोहान्सिबर्ग टेस्ट की दूसरी पारी में शमी ने सिर्फ 28 रन देकर 5 विकेट लिए थे।

शमी ने अपना आखिरी टेस्ट मुकाबला जून 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लंदन के द ओवल मैदान पर आयोजित विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल में खेला था। इसके बाद लगातार चोटों और फिटनेस समस्याओं के कारण उनका टेस्ट करियर प्रभावित रहा और वे टीम से दूर होते चले गए।

राहुल मैच से पहले जर्सी कटवाने के कारण चर्चाओं में आये

वेलिंगटन। भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर-बल्लेबाज केएल राहुल यहां मेजबान न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय मुकाबले में उतरने से पहले अपनी जर्सी को कटवाते दिखे। इसको लेकर उनकी एक तस्वीर भी सोशल मीडिया में आयी है। जिससे प्रशंसक हैरान दिखे हालांकि कुछ ही देर में इसका कारण भी सामने आ गया। वह ये था कि राहुल को अपनी पहनी हुई जर्सी में परेशानी लग रही थी, जिसके चलते उन्होंने स्टाफ कैंची मंगवाकर अपनी जर्सी के निचले हिस्से को काटने को कहा। उनकी यह तस्वीर कुछ ही समय में हजारों प्रशंसकों तक पहुंच गई और सोशल मीडिया पर इसके कारणों को लेकर अटकलें लगायी जाने लगीं। गौरतलब है कि क्रिकेट जगत में यह पहली बार नहीं है जब खिलाड़ी बल्लेबाजी या फील्डिंग के दौरान अधिक सहज महसूस करने के लिए अपनी अपनी जर्सी में बदलाव कराते हैं। माना जा रहा है कि राहुल ने भी कुछ ऐसा ही किया। राहुल की जर्सी काटने की यह घटना मैच शुरू होने से पहले ही चर्चा का केंद्र बन गई। यह एक बार फिर इस बात को साबित करती है कि खिलाड़ी मैदान पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए कितने छोटी-छोटी बातों तक का ध्यान रखते हैं।



भाजपा-कांग्रेस दोनों को सता रहा तीसरे विकल्प का डर

आदिवासी सियासत में 47 सीटों का गणित, बीएपी और जयस ने बढ़ाई दोनों दलों की चुनौती

भोपाल। मध्य प्रदेश की सत्ता का रास्ता आदिवासी अंचलों से होकर गुजरता है। विधानसभा की 47 सीटों पर आदिवासी मतदाता सीधे चुनावी नतीजों को प्रभावित करते हैं, जबकि प्रदेश की कई अन्य सीटों पर भी उनकी भूमिका निर्णायक रहती है। यही वजह है कि भाजपा और कांग्रेस के बीच आदिवासी वोटों को अपने पाले में करने की सियासी होड़ लगातार तेज हो रही है। दिलचस्प यह है कि इस मुकाबले में अब दोनों राष्ट्रीय दलों के सामने चुनौती सिर्फ एक-दूसरे से नहीं है। भारत आदिवासी पार्टी (बीएपी) और जय आदिवासी युवा शक्ति संगठन (जयस) जैसे नए राजनीतिक विकल्प भी उनके पारंपरिक वोट बैंक में सेंध लगाने की क्षमता दिखा रहे हैं। आदिवासी राजनीति का यही बदलता समीकरण दोनों दलों की बेचैनी बढ़ा रहा है। भाजपा के लिए चुनौती 2018 में हुए नुकसान की पुनरावृत्ति रोकने की है, तो कांग्रेस के सामने 2023 के चुनाव में मिली सीमित सफलता को सत्ता में वापसी के आधार में बदलने का सवाल है। दोनों दल जानते हैं कि आदिवासी मतदाताओं का समर्थन केवल सीटों की संख्या नहीं बढ़ाता, बल्कि प्रदेश की सत्ता का पूरा गणित बदल सकता है।

प्रदेश में अनुसूचित जनजाति वर्ग के लिए विधानसभा की 47 सीटें आरक्षित हैं। 2023 के विधानसभा चुनाव में इनमें से भाजपा ने 24, कांग्रेस ने 22 और भारत आदिवासी पार्टी ने एक सीट जीती थी। आंकड़े बताते हैं कि भाजपा को बहुमत मिलने के बावजूद आदिवासी सीटों पर कांग्रेस ने उसे कड़ी टक्कर दी। यानी आदिवासी अंचलों में भाजपा की स्थिति मजबूत जरूर हुई, लेकिन कांग्रेस का आधार पूरी तरह खत्म नहीं हुआ। वहीं बीएपी की एक सीट ने यह संकेत भी दिया कि आदिवासी मतदाता अब परंपरागत राजनीतिक विकल्पों से आगे देखने लगे हैं। इस बदलाव का महत्व इसलिए भी ज्यादा है क्योंकि आदिवासी बहुल इलाकों में स्थानीय मुद्दे, नेतृत्व और संगठनों की सक्रियता चुनावी नतीजों पर असर डालती है। जल, जंगल और जमीन के अधिकार, वन उपज का उचित मूल्य, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, विस्थापन और स्थानीय स्तर पर प्रशासनिक समस्याएं यहां के चुनावी विमर्श को प्रभावित करती हैं। ऐसे में केवल राष्ट्रीय नेतृत्व या बड़े राजनीतिक नारों के सहारे इस वर्ग का भरोसा जीतना आसान नहीं है।

2018 का सबक भाजपा को अब भी याद

भाजपा की चिंता की सबसे बड़ी वजह 2018 का विधानसभा चुनाव है। इससे पहले आदिवासी सीटों पर पार्टी का दबदबा रहा था। वर्ष 2003 में सत्ता परिवर्तन के दौरान भी आदिवासी मतदाताओं का समर्थन भाजपा के लिए महत्वपूर्ण साबित हुआ था। उस समय कांग्रेस के परंपरागत आदिवासी वोट बैंक में सेंध लगाकर भाजपा ने प्रदेश की राजनीति में अपनी मजबूत जगह बनाई थी। लेकिन 2018 में समीकरण पलट गया। आदिवासी मतदाताओं का झुकाव कांग्रेस की ओर हुआ और इसका सीधा असर विधानसभा चुनाव के नतीजों पर पड़ा। कांग्रेस ने 47 आरक्षित सीटों में से 30 पर जीत दर्ज की, जबकि भाजपा केवल 16 सीटों पर सिमट गई। एक सीट पर निर्दलीय प्रत्याशी जीता। इस प्रदर्शन ने भाजपा को सत्ता से बाहर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। 2023 में भाजपा ने वापसी करते हुए आदिवासी सीटों पर बढ़त हासिल की, लेकिन 2018 का अनुभव पार्टी के लिए अब भी चेतावनी की तरह है। उसे पता है कि आदिवासी क्षेत्रों में थोड़ी सी राजनीतिक चूक भी सत्ता के समीकरण बदल सकती है। इसलिए पार्टी केवल चुनाव के समय सक्रियता बढ़ाने के बजाय संगठन, सरकारी योजनाओं और स्थानीय जनप्रतिनिधियों के जरिए लगातार संपर्क बनाए रखना चाहती है।

कांग्रेस के सामने भी आसान नहीं वापसी की राह

दूसरी ओर कांग्रेस के लिए आदिवासी वर्ग का समर्थन सत्ता में वापसी की अनिवार्य शर्त जैसा है। पार्टी को 2018 में इसी वर्ग के समर्थन से बड़ी राजनीतिक ताकत मिली थी, लेकिन 2023 में वह उस प्रदर्शन को दोहरा नहीं सकी। अब कांग्रेस की कोशिश आदिवासी अधिकारों से जुड़े मुद्दों को फिर से राजनीतिक विमर्श के केंद्र में लाने की है। राहुल गांधी का बालाघाट में बैगा बच्चों की मौत के मामले के बाद आदिवासी समुदाय के बीच पहुंचना भी इसी रणनीति का हिस्सा माना गया। कांग्रेस जल-जंगल-जमीन, आदिवासी अधिकार, शिक्षा, आजीविका और स्वास्थ्य जैसे मुद्दों के जरिए सरकार को घेरना चाहती है। पार्टी के सामने चुनौती यह है कि इन मुद्दों को केवल राजनीतिक बयानबाजी तक सीमित न रखकर आदिवासी क्षेत्रों में संगठनात्मक सक्रियता और भरोसे में कैसे बदला जाए। हाल ही में नई दिल्ली में हुई मध्य प्रदेश कांग्रेस की आदिवासी अधिकार, संरक्षण एवं सशक्तीकरण समिति की बैठक में भी इन्हीं विषयों पर चर्चा हुई। इसमें आदिवासी समुदाय के सामने मौजूद चुनौतियों और उनके अधिकारों की रक्षा के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका तथा समग्र विकास से जुड़े मुद्दों पर मंथन किया गया।

राष्ट्रीय दलों के लिए चुनौती बन रहे क्षेत्रीय संगठन

आदिवासी राजनीति में अब सबसे अहम बदलाव तीसरे विकल्पों की मौजूदगी है। भारत आदिवासी पार्टी ने राजस्थान से निकलकर मध्य प्रदेश के आदिवासी क्षेत्रों में भी अपनी राजनीतिक उपस्थिति दर्ज कराई है। 2023 में एक सीट पर जीत ने उसे प्रदेश की राजनीति में पहचान दी। वहीं जयस लंबे समय से आदिवासी युवाओं और समुदाय के मुद्दों को लेकर सक्रिय है। इन संगठनों की ताकत केवल चुनाव लड़ने तक सीमित नहीं है। ये स्थानीय नेतृत्व तैयार करने, समुदाय के मुद्दों पर आंदोलन खड़ा करने और पारंपरिक राजनीतिक दलों के प्रति असंतोष को आवाज देने का काम करते हैं। यदि इनका प्रभाव बढ़ता है तो भाजपा और कांग्रेस दोनों के वोटों का समीकरण प्रभावित हो सकता है। खासकर उन सीटों पर जहां जीत-हार का अंतर कम रहता है, वहां तीसरे विकल्प की मौजूदगी निर्णायक साबित हो सकती है।

बिरसा मुंडा जयंती से पहले भाजपा का शक्ति प्रदर्शन

इसी राजनीतिक महत्व को देखते हुए भाजपा ने बिरसा मुंडा की जयंती 15 नवंबर से पहले आदिवासी अंचलों में सक्रियता बढ़ाने की तैयारी की है। पांच नवंबर को भोपाल में मुख्यमंत्री आवास पर आदिवासी जनप्रतिनिधियों की बैठक बुलाई गई है। इसमें भाजपा के आदिवासी सांसदों और विधायकों के साथ जिला पंचायत, जनपद पंचायत के सदस्यों, सरपंचों और पंचों को भी शामिल किया जाएगा। बैठक में आदिवासी समाज के विकास, सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन और स्थानीय समस्याओं पर चर्चा होगी। पार्टी की रणनीति है कि बड़े नेताओं के साथ जमीनी स्तर के जनप्रतिनिधियों को भी सीधे संवाद का अवसर मिले। इससे योजनाओं के क्रियान्वयन में आ रही दिक्कतों की जानकारी मिलने के साथ स्थानीय स्तर पर संगठन की पकड़ मजबूत करने में मदद मिल सकती है। भाजपा के राज्यसभा सदस्य रजनीश अग्रवाल का कहना है कि पार्टी जनजातीय क्षेत्रों में लगातार विकास और जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से काम कर रही है। पिछले विधानसभा चुनाव में जिन सीटों पर पार्टी को सफलता नहीं मिली, वहां भी जीत हासिल करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

सियासत का असली इम्तिहान भरोसे का

आदिवासी राजनीति का मौजूदा परिदृश्य बताता है कि भाजपा और कांग्रेस के बीच मुकाबला केवल सीटों का नहीं, बल्कि भरोसे और प्रतिनिधित्व का भी है। भाजपा अपनी सरकारी योजनाओं और विकास के दावों के सहारे समर्थन बनाए रखना चाहती है, जबकि कांग्रेस अधिकारों और स्थानीय समस्याओं को मुद्दा बनाकर अपना पुराना आधार वापस पाने की कोशिश में है। लेकिन दोनों दलों के सामने एक साझा चुनौती भी है। आदिवासी समाज के भीतर उभरती नई राजनीतिक चेतना और क्षेत्रीय संगठनों की सक्रियता को नजरअंदाज करना अब संभव नहीं है। आने वाले चुनावों में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि आदिवासी मतदाता फिर भाजपा-कांग्रेस के बीच ही अपना विकल्प चुनते हैं या तीसरी राजनीतिक ताकतों को भी बड़ा अवसर देते हैं।

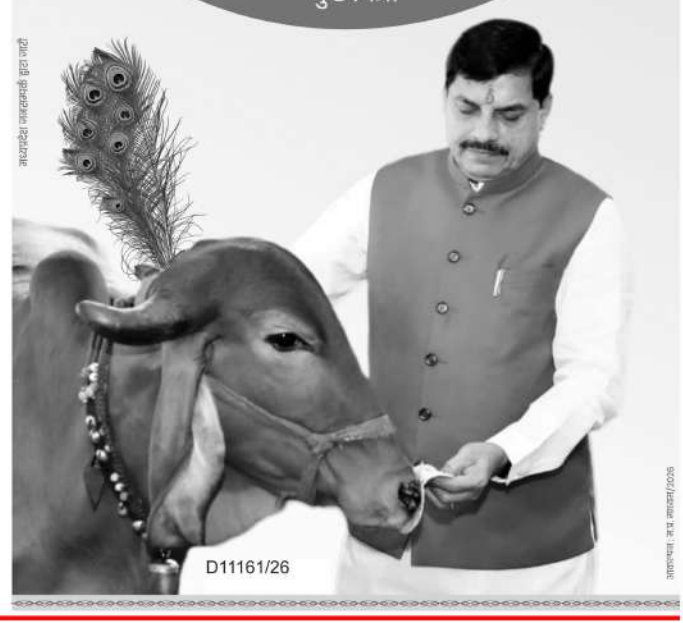


दीपावली पर्व एवं गोवर्धन पूजन की हार्दिक मंगलकामनाएं



दीपावली हमारी सनातन संस्कृति का वह गौरवशाली प्रतीक है, जो हमें हमारी जड़ों से जोड़ता है। इस विरासत का सम्मान करते हुए हम प्रदेश के विकास की नींव को मजबूत कर रहे हैं। हमारा लक्ष्य विकास के लाभ को प्रदेश के हर परिवार, गांव और हर वर्ग तक पहुंचाना है।
आइये, इस पुनीत अवसर पर हम सब मिलकर एक खुशहाल, समृद्ध और विकसित मध्यप्रदेश के निर्माण का संकल्प लें।

- डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री



साइबर खतरे के अलर्ट से 30 से ज्यादा सरकारी वेबसाइटें बंद

भोपाल । मध्यप्रदेश के सरकारी विभागों की साइबर सुरक्षा पर बड़ा सवाल खड़ा हो गया है। साइबर अटैक की आशंका के चलते प्रदेश के 30 से ज्यादा सरकारी विभागों की वेबसाइट और पोर्टल पिछले एक सप्ताह से बंद हैं। इनमें जेल, राजस्व, ऊर्जा, उद्योग और सहकारिता जैसे महत्वपूर्ण विभाग शामिल हैं। वेबसाइटें बंद होने से विभागीय कामकाज प्रभावित हो रहा है। ऑनलाइन सेवाएं ठप होने के कारण फिलहाल सरकारी कामकाज ऑफलाइन माध्यम से किया जा रहा है।

जानकारी के मुताबिक, मध्यप्रदेश साइबर इमरजेंसी रिस्पांस टीम ने सरकारी वेबसाइटों की सुरक्षा को लेकर एडवाइजरी जारी की थी। इसमें बताया गया कि कई विभागों की वेबसाइट पुराने पीएचपी वर्जन और फ्रेमवर्क पर संचालित हो रही हैं। इनमें सुरक्षा संबंधी खामियां हैं, जिनका फायदा उठाकर हैकर सिस्टम में सेंध लगा सकते हैं। एडवाइजरी के बाद संभावित साइबर हमले और डेटा की सुरक्षा को देखते हुए संबंधित वेबसाइटों को एहतियातन बंद करने का फैसला लिया गया। हालांकि, अभी तक किसी सफल साइबर हमले या डेटा चोरी की पुष्टि की जानकारी सामने नहीं आई है।

जेल से लेकर ऊर्जा विभाग तक प्रभावित

वेबसाइट बंद होने का असर कई महत्वपूर्ण विभागों पर पड़ा है। इनमें गवर्नमेंट प्रेस, जेल विभाग, राजस्व विभाग, ऊर्जा विभाग, उद्योग विभाग और सहकारिता विभाग प्रमुख हैं। इनके अलावा भी 30 से ज्यादा सरकारी वेबसाइट और पोर्टल प्रभावित बताए जा रहे हैं। ऑनलाइन व्यवस्था बंद होने से विभागों को रोजमर्रा के कामकाज में परेशानी हो रही है। नागरिकों और हितग्राहियों को भी ऑनलाइन सेवाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है। विभागों में फिलहाल ऑफलाइन प्रक्रिया के जरिए काम निपटाए जा रहे हैं।

सर्वर और डेटाबेस अपग्रेड करने में लगेंगे 4-5 दिन

सुरक्षा खामियों को दूर करने के लिए संबंधित विभागों के तकनीकी विशेषज्ञ और एमपीसीईआरटी की टीम काम कर रही है। वेबसाइटों के सॉफ्टवेयर, डेटाबेस और सर्वर को अपग्रेड किया जा रहा है। अधिकारियों के मुताबिक, सुरक्षा मानकों को दुरुस्त करने में अभी 4 से 5 दिन का समय और लग सकता है। इसके बाद ही वेबसाइटों को दोबारा शुरू करने की स्थिति बन पाएगी। इसका मतलब है कि अगले कुछ दिनों तक सरकारी विभागों की ऑनलाइन सेवाओं के लिए आम लोगों को इंतजार करना पड़ सकता है।

लोक शिक्षण संचालनालय की शाखाओं को मिले 35 कर्मचारी, 25 को अनुकंपा नियुक्ति

भोपाल। कर्मचारियों की कमी से जूझ रहे लोक शिक्षण संचालनालय की विभिन्न शाखाओं को 35 नए कर्मचारी मिल गए। इनमें 25 कर्मचारियों को अनुकंपा नियुक्ति के तहत सहायक ग्रेड-3 पर पदस्थ किया गया है, जबकि 10 चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को पदोन्नति देकर सहायक ग्रेड-3 बनाया गया है। स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव संजय गोयल और लोक शिक्षण संचालनालय के कमिश्नर अभिषेक सिंह की मौजूदगी में कर्मचारियों ने कार्यभार ग्रहण किया।

संचालनालय को स्थापना क्रमांक 1, 2, 3 और 4 के अलावा अनुदान, खेल, विधि, विधानसभा, ग्रंथालय, आईटी, भंडार, लेखा, आयुक्त और संचालक निजी स्थापना सहित अन्य शाखाओं में कर्मचारियों की पदस्थापना की गई है।

डीएमएफ के 5 साल के बजट से बदलेगी गांवों-वार्डों की तस्वीर

खनिजों से खजाना भरने वाले 3 जिलों में अब विकास की नई खदान खोलेगी सरकार

भोपाल। मध्य प्रदेश के जिन जिलों की जमीन से निकलने वाले खनिजों ने प्रदेश की अर्थव्यवस्था और ऊर्जा क्षेत्र को मजबूती दी, अब उन्हीं जिलों की बदहाल बुनियादी सुविधाओं को सुधारने की तैयारी है। कोयला और दूसरे खनिजों के बड़े भंडार वाले सिंगरौली, शहडोल और अनूपपुर में सरकार अब विकास का नया मॉडल तैयार कर रही है। खनन से प्रभावित गांवों में सड़क, पेयजल, स्वास्थ्य, शिक्षा और आजीविका जैसी जरूरतों को एक साथ लेकर पांच वर्षीय विकास योजना बनाई जाएगी। इसके लिए जिला खनिज प्रतिष्ठान (डीएमएफ) की राशि का उपयोग किया जाएगा।

खास बात यह है कि अब तक डीएमएफ से कराए गए कार्यों की समीक्षा के साथ यह भी देखा जाएगा कि उन पर खर्च हुई राशि से जमीन पर कितना बदलाव आया। इसके लिए निजी एजेंसी की मदद ली जाएगी। गांवों और नगरीय वार्डों की जरूरतों का सर्वे कर उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति, उपलब्ध सुविधाओं और विकास की कमियों का आकलन होगा। इसके आधार पर पांच वर्षीय पर्सपेक्टिव प्लान और सालाना एक्शन प्लान तैयार किया जाएगा। यह पहल इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि खनन से इन जिलों को राजस्व और औद्योगिक गतिविधियां तो मिलीं, लेकिन इसके साथ कई क्षेत्रों में विस्थापन, पर्यावरण प्रदूषण, पानी की समस्या, स्वास्थ्य संबंधी जोखिम और आजीविका पर असर भी पड़ा है। अब सरकार की कोशिश है कि खनिजों से मिलने वाली राशि का लाभ सीधे प्रभावित आबादी तक पहुंचे।

3574 करोड़ का डीएमएफ फंड, 10 जिलों में 3147 करोड़

प्रदेश के सभी 55 जिलों में डीएमएफ निधि के तहत करीब 3574.53 करोड़ रुपए उपलब्ध हैं। इनमें से 10 खनिज प्रभावित जिलों सिंगरौली, अनूपपुर, शहडोल, कटनी, बालाघाट, सतना, जबलपुर, छिंदवाड़ा, उमरिया और बैतूल के पास ही करीब 3147.10 करोड़ रुपए हैं। यानी प्रदेश की डीएमएफ निधि का बड़ा हिस्सा इन्हीं जिलों में केंद्रित है। डीएमएफ का गठन खनन से प्रभावित क्षेत्रों और वहां रहने वाले लोगों के हित में विकास कार्य कराने के उद्देश्य से किया गया है। खदानों के लीजधारकों को रॉयल्टी का 10 प्रतिशत हिस्सा डीएमएफ में जमा करना अनिवार्य है। इसी राशि से प्रभावित क्षेत्रों में विकास कार्य कराए जाते हैं।

D11161/26

बालाघाट
रविवार 08 नवम्बर 2026
दक्षिण सतपुड़ा
राजनीति | समाज | देशकाल
और गांव कनेक्शन की खबरें

बालाघाट एक्सप्रेस
शहर । समाज । गांव

12
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

यातायात पुलिस की एडवाइजरी जारी, लेकिन सड़कों पर अतिक्रमण करने वालों पर कार्रवाई कब ?

दीपावली पर दोपहर 12 से रात 9 बजे तक हनुमान चौक से कालीपुतली चौक तक चारपहिया वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित, दुकानदारों के टेंट, मिठाई के स्टॉल और फुटपाथ पर कब्जे से सड़कें कब होंगी मुक्त

पदमेश न्यूज। बालाघाट। दीपावली पर्व और साप्ताहिक इतवारी बाजार के मद्देनजर यातायात पुलिस ने एक बार फिर शहर की यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए एडवाइजरी जारी की है। इसके तहत हनुमान चौक से मुख्य बाजार होते हुए कालीपुतली चौक तक दोपहर 12 बजे से रात 9 बजे तक चारपहिया वाहनों का प्रवेश पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। पुलिस ने नागरिकों से खरीदारी के लिए चारपहिया वाहनों का उपयोग नहीं करने और अपने वाहन निर्धारित पार्किंग स्थलों पर खड़े करने की अपील की है। इसके लिए जय हिंद सिनेमा मैदान और कालीपुतली चौपाटी के पीछे पार्किंग स्थल निर्धारित किए गए हैं। दुकानदारों से भी दुकानों के सामने अव्यवस्थित पार्किंग नहीं होने देने और सड़क तथा आवागमन मार्ग को अतिक्रमण मुक्त रखने की अपील की गई है। लेकिन शहर की मौजूदा स्थिति को देखते हुए सवाल उठ रहा है कि क्या केवल एडवाइजरी जारी करने और चारपहिया वाहनों का प्रवेश रोकने से यातायात व्यवस्था सुधर जाएगी ?



दीपावली की खरीदारी के चलते मुख्य बाजार में पहले से ही लोगों की भीड़ बढ़ रही है। दूसरी ओर व्यापार बढ़ाने की होड़ में कई दुकानदारों ने अपनी दुकानों के सामने टेंट, अस्थायी स्टॉल और मिठाइयों की दुकानें सजा दी हैं। फुटपाथ पर दुकानें लगने और सड़क किनारे अतिरिक्त जगह घेरने से पैदल चलने वालों के लिए रास्ता तक नहीं बच रहा है। नतीजतन खरीदारी करने पहुंच रहे लोग अपने दोपहिया वाहन सड़क पर ही खड़े कर रहे हैं, जबकि चारपहिया वाहनों की आवाजाही भी कई स्थानों पर बाधित हो रही है। जिन रास्तों का उपयोग पैदल चलने वालों और वाहनों के आवागमन के लिए होना चाहिए, वहां व्यापारिक गतिविधियां फैलती जा रही हैं। ऐसे में बाजार की सड़कें लगातार सिकुड़ रही हैं और यातायात का दबाव बढ़ता जा रहा है। सबसे बड़ा सवाल यातायात पुलिस की कार्रवाई को लेकर है। एक ओर पुलिस वाहन चालकों को निर्धारित पार्किंग में वाहन खड़े करने और दुकानदारों को अतिक्रमण नहीं करने की हिदायत दे रही है, वहीं दूसरी ओर सड़क और फुटपाथ पर कब्जा कर लगाए गए टेंट, मिठाई के स्टॉल और अस्थायी दुकानों को हटाने के लिए प्रभावी कार्रवाई होती नजर नहीं आ रही है। दुकानों के सामने प्रवेश द्वार और अन्य अस्थायी संरचनाएं खड़ी होने से सड़क की उपलब्ध चौड़ाई कम हो रही है। जब फुटपाथ और दुकानों के सामने की जगह ही अतिक्रमण की चपेट में होगी, तो ग्राहक अपने वाहन कहां खड़े करेंगे ? पार्किंग की अपील करने से पहले उन बाधाओं को हटाना भी जरूरी है, जिनके कारण लोगों को सड़क पर वाहन खड़े करने पड़ रहे हैं। यातायात पुलिस की एडवाइजरी में दुकानदारों से सड़क और आवागमन मार्ग अतिक्रमण मुक्त रखने की अपील जरूर की गई है, लेकिन केवल अपील से व्यवस्था सुधरने वाली नहीं है। जरूरत इस बात की है कि पुलिस और नगर पालिका की संयुक्त टीम बाजार क्षेत्र का निरीक्षण करे और सड़क तथा फुटपाथ पर किए गए अस्थायी कब्जों को हटाने के लिए कार्रवाई करे। नियमों का उल्लंघन करने वाले दुकानदारों पर भी समान रूप से कार्रवाई होनी चाहिए। त्योहार के नाम पर किसी को भी सार्वजनिक सड़क और फुटपाथ को अपनी दुकान का विस्तार बनाने की छूट नहीं दी जा सकती। यदि व्यापारियों से सहयोग की अपेक्षा है, तो प्रशासन को भी यातायात में बाधा बन रहे अतिक्रमण पर निष्पक्ष कार्रवाई करनी होगी। दीपावली के दौरान बाजार में भीड़ और वाहनों का दबाव बढ़ना स्वाभाविक है, लेकिन इसके नाम पर आम नागरिकों को रोजाना जाम में फंसने के लिए नहीं छोड़ा जा सकता। चारपहिया वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित करना यातायात प्रबंधन का एक हिस्सा हो सकता है, लेकिन जब तक सड़कों और फुटपाथों को अतिक्रमण मुक्त नहीं कराया जाएगा, तब तक व्यवस्था में सुधार मुश्किल है। अब देखना यह है कि यातायात पुलिस केवल एडवाइजरी जारी कर अपनी जिम्मेदारी पूरी मानती है या फिर नगर पालिका के साथ मिलकर बाजार में सड़क घेरकर व्यापार करने वालों के विरुद्ध भी ठोस कार्रवाई करती है।

डिस्टेंपर खरीदने गए दो व्यक्ति से लेनदेन की बात पर मारपीट

तीन आरोपियों पर मामला दर्ज, आरोपियों ने दी जान से मारने की धमकी

पदमेश न्यूज। बालाघाट। किरनापुर थाना क्षेत्र के ग्राम कांदरी खुर्द में हार्डवेयर दुकान पर डिस्टेंपर खरीदने पहुंचे दो ग्रामीणों के साथ पुराने लेनदेन की बात को लेकर मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि तीन लोगों ने गाली-गलौज करते हुए दोनों के साथ मारपीट की और जान से खत्म करने की धमकी दी। पुलिस ने शिकायत के आधार पर महेश उइके, विशाल सिरसाटे और महेंद्र पंचभाई के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

ठेकेदार से बकाया लेनदेन की बात पर हुआ विवाद

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम कांदरी खुर्द के माधो टोला निवासी कृष्ण कुमार तुरकर खेती-किसानी करते हैं। उनके घर में पुताई का काम चल रहा था जिसे राजेंद्र नेवारे कर रहा था। 7 नवंबर की सुबह करीब 10 बजे कृष्ण कुमार, राजेंद्र के साथ डिस्टेंपर खरीदने गांव के गजानंद भोंगाड़े की हार्डवेयर दुकान पहुंचे थे। इसी दौरान दुकान पर ग्राम चिखलामाली निवासी महेश उइके, विशाल सिरसाटे और महेंद्र पंचभाई भी मौजूद थे। बताया जाता है कि ये तीनों पूर्व में राजेंद्र नेवारे के साथ हैदराबाद में ठेकेदार किशोर ऐड़े के यहां काम कर चुके थे। राजेंद्र ने उनसे कहा कि ठेकेदार किशोर ऐड़े से उनका कुछ लेनदेन बाकी है। इसी बात को लेकर तीनों विवाद करने लगे और राजेंद्र को अश्लील गालियां देने लगे।

बीच-बचाव करने पहुंचे कृष्ण कुमार से भी मारपीट

राजेंद्र द्वारा गाली देने से मना करने पर तीनों कथित रूप से आक्रोशित हो गए और उसके साथ मारपीट करने लगे। इस दौरान बीच-बचाव करने पहुंचे कृष्ण कुमार तुरकर के साथ भी तीनों ने हाथ-मुक्कों से मारपीट की। घटना में राजेंद्र और कृष्ण कुमार दोनों घायल हो गए। मौके पर मौजूद लोगों ने बीच-बचाव कर मामला शांत कराया। इसके बाद आरोपियों ने दोबारा लेनदेन की बात उठाने पर जान से खत्म करने की धमकी दी।

पुलिस ने दर्ज किया अपराध

घटना के बाद घायल राजेंद्र नेवारे और कृष्ण कुमार तुरकर शिकायत करने किरनापुर थाने पहुंचे। पुलिस ने दोनों का अस्पताल में उपचार एवं चिकित्सकीय मुलाहिजा करवाया। इसके बाद कृष्ण कुमार तुरकर की रिपोर्ट पर पुलिस ने महेश उइके, विशाल सिरसाटे और महेंद्र पंचभाई के खिलाफ गाली-गलौज, मारपीट एवं जान से मारने की धमकी देने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।











स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पदमेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट